E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -117 | प्रयागराज, बुधवार 16 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प की रूस को धमकी-50 दिन में युद्ध समझौता करो नहीं तो भारी टैरिफ लगाएंगे,यूक्रेन को और हथियार देने का ऐलान किया

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को रूस पर यूक्रेन से जंग खत्म करने का दबाव डालने के लिए भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी। ट्रम्प ने कहा- मैं ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करता हूं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। ट्रम्प ने कहा कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं किया, तो उस पर 100फीसदी टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने बताया कि यह 'सेकेंडरी टैरिफ' होगा, जिसका मतलब रूस से तेल खरीदने वाले देशों, जैसे भारत और चीन, पर भी प्रतिबंध लगेगा। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस स्थित ओवल ऑफिस में नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बैठक की। इस दौरान ट्रम्प ने यूक्रेन को और हथियार देने का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को रूस के हमलों से बचने के लिए हथियारों की जरूरत है।ट्रम्प ने बताया कि उनकी प्लानिंग के तहत यूरोपीय देश अमेरिका से हथियार खरीदकर यूक्रेन को देंगे। यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल सिस्टम, शॉर्ट-रेंज मिसाइलें, हॉवित्जर गोले और मिडिल रेंज की एयर-टु-एयर मिसाइलें दी जा सकती हैं।ओवल ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, ट्रम्प ने पुतिन के प्रति बार-बार अपनी निराशा जाहिर की। ट्रम्प ने कहा, 'मेरी पुतिन से हमेशा अच्छी बातचीत होती है। मैं घर जाता हूं, फर्स्ट लेडी से कहता हूं कि मैंने आज पुतिन से बात की, हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही।''फिर वो कहती हैं, ओह, सच में, अभी-अभी यूक्रेन के एक और शहर पर हमला हुआ है।' ट्रम्प ने आगे कहा, 'पुतिन ने क्लिंटन, बुश, ओबामा, बाइडेन को मूर्ख बनाया। मुझे बेवकूफ नहीं बना सकते। अब एक्शन लेना जरूरी है। पुतिन को पता है कि क्या डील है।' ट्रम्प ने पुतिन पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, 'मुझे लगा था कि हमने चार बार शांति समझौता कर लिया था, लेकिन युद्ध चलता रहा। मैं युद्ध के लिए जिम्मेदार नहीं हूं, लेकिन अब मैं वह खत्म करने के लिए काम कर रहा हूं।' व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि ये 'सेकेंडरी टैरिफ' रूस से तेल खरीदने वाले देशों को निशाना बनाएंगे, क्योंकि अमेरिका और रूस के बीच बहुत कम व्यापार है। इससे रूस की अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर पड़ सकता है। नाटो के अमेरिकी राजदूत मैट व्हिटेकर ने कहा- ये प्रतिबंध रूस को सीधेतौर पर निशाना नहीं बनाते, बल्कि उन देशों को प्रभावित करेंगे जो रूस से तेल खरीदते हैं। यह कदम रूस की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के लिए उठाया गया है।नाटो महासचिव बोले- यूक्रेन के साथ आर्म्स डील गेम चेंजर नाटो महासचिव मार्क रुटे ने ट्रम्प के साथ बैठक में इस आर्म्स डील को गेम-चेंजर बताया। उन्होंने जर्मनी, फिनलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और नॉर्वे जैसे देशों को हथियारों की आपूर्ति में शामिल होने की संभावना जताई। ट्रम्प ने यूरोप की तारीफ की और कहा, 'मुझे पहले नहीं लगा था कि यूरोप में इतना जोश है, लेकिन उनकी एनर्जी कमाल की है। यूरोप रूस-यूक्रेन जंग रोकना चाहता है। उनकी टीम भावना का स्तर अद्भुत है।' दूसरी तरफ अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन को हथियार भेजने को लेकर ट्रम्प के फैसले के पीछे कई सोच हैं। ट्रम्प यूक्रेन को सीधे हथियार देने की बजाय, यूरोपीय देशों के जरिए उसे हथियार देना चाहते हैं। इस रणनीति के जरिए वे रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका की भूमिका को कम करने के अपने चुनावी वादे से पलट रहे हैं। ट्रम्प ने चुनाव के समय यूक्रेन को अमेरिकी समर्थन वापस लेने की कसम खाई थी। रूस और यूक्रेन के बीच 3 साल से ज्यादा समय से जंग जारी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर मिलिट्री ऑपरेशन का ऐलान किया था। तब से दोनों देश एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं।

अमेरिका ने भारत को दूसरा जीई-404 इंजन सौंपा,इन्हें तेजस एलसीए मार्क-1ए में लगाया जाएगा; दिसंबर तक 12 इंजन भारत पहुंचेंगे

नयी दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड ने 12 फरवरी को कहा था कि हम जल्द ही वायुसेना को तेजस की डिलीवरी शुरू कर देंगे। एचएएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डीके सुनील ने कहा कि डिलिवरी में देरी के पीछे इंडस्ट्री को जिम्मेदार ठहराया जा रहा था, लेकिन यह देरी तकनीकी खामी की वजह से हुई है। अब इसे दूर कर लिया गया है।फरवरी में ही बेंगलुरु एयर शो के दौरान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने तेजस की डिलीवरी पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि वायुसेना को 40 फाइटर जेट्स अभी तक नहीं मिले। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया कि वायुसेना प्रमुख ने एचएएल के अधिकारियों से कहा था कि मुझे इस कंपनी पर भरोसा नहीं है।अमेरिका ने सोमवार को भारत को दूसरा जीई-404 इंजन सौंपा है। यह इंजन तेजस लड़ाकू विमान (एलसीए मार्क 1ए में लगाया जाएगा। इसे तेजस बना रही सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) को सौंपा गया है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, एलसीए को इस साल के आखिर तक ऐसे 12 इंजन मिल जाएंगे।

टेस्ला मॉडल वाई आज भारत में लॉन्च होगी,कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी एक बार फुल चार्ज पर 575किमी तक चलेगी, अनुमानित कीमत रु48 लाख

नयी दिल्ली। टेस्ला का पहला स्टोर आज (15 जुलाई) मुंबई में ओपन हो रहा है। इस इवेंट में कंपनी अपनी कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वाई को भी लॉन्च करेगी। कंपनी का दावा है कि ये कार एक बार फुल चार्ज में 575 किलोमीटर तक चल सकती है। इलेक्ट्रिक कार दो वैरिएंट- लॉन्ग रेंज ऑल व्हील ड्राइव और लॉन्ग रेंज रियर व्हील ड्राइव में आती है। अमेरिकी मार्केट में इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 46,630 डॉलर से शुरू होती है। भारत में इसकी कीमत करीब 48 लाख रुपए हो सकती है।48 लाख रुपए की कार में 21 लाख इम्पोर्ट ड्यूटी भारत में इन कारों को चीन से कंप्लीट बिल्ट यूनिट (सीबीयू, यानी पूरी तरह से बनी बनाई) के रूप में इम्पोर्ट कर बेचा जाएगा।ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के शंघाई फैक्ट्री से 5 मॉडल वाई गाड़ियां पहले ही मुंबई टेस्ला शोरूम में पहुंच चुकी हैं। इसकी कीमत रु27.7 लाख है और इस पर रु21 लाख से ज्यादा की इम्पोर्ट ड्यूटी लगी है। यानी, कीमत करीब रु48 लाख होगी। ये ड्यूटी भारत के उस 70फीसदी टैरिफ के हिसाब से है, जो $40,000 से कम कीमत वाली इम्पोर्टेड गाड़ियों पर लगता है। इसमें अतिरिक्त शुल्क भी शामिल हैं।साइबरकैब में न तो स्टीयरिंग, न ही पैडल साइबरकैब को चलाने की कॉस्ट 20 सेंट प्रति माइल यानी करीब 16 रुपए प्रति 1.6 किलोमीटर पड़ेगी। इसे चार्ज करने के लिए किसी तरह के प्लग की जरूरत नहीं होगी, यानी इसमें वायरलैस चार्जिंग दी गई है। साइबरकैब फुली सेल्फ ड्रिवन इलेक्ट्रिक कार है, जिसमें किसी तरह की स्टीयरिंग व्हील और पैडल नहीं है। कैबिन काफी कॉम्पैक्ट है और इसमें सिर्फ 2 पैसेंजर बैठ सकते हैं। डैशबोर्ड पर एक फ्लैट स्क्रीन दी गई है। 2. रोबोवैन भी लाएगी टेस्ला- टेस्ला ने अपने वी-रोबोट इवेंट में रोबोटैक्सी के साथ एक और ऑटोनॉमस व्हीकल 'रोबोवैन' को भी पेश किया था जो 20 लोगों को ले जाने में सक्षम है। इसमें सामान भी कैरी किया जा सकेगा।इसका इस्तेमाल स्पोर्ट्स टीम के ट्रांसपोर्टेशन के लिए किया जा सकता है।मस्क का प्लान सेल्फ-ड्राइविंग टेस्ला टैक्सियों की एक फ्लीट डेवलप करना है। टेस्ला के ओनर्स अपने व्हीकल्स को पार्ट टाइम टैक्सियों के रूप में भी लिस्ट कर सकेंगे। यानी, जब ओनर्स अपनी कार उपयोग नहीं कर रहे हों तो नेटवर्क के जरिए पैसा कमा सकते हैं।

ओडिशा में आत्मदाह के बाद घायल छात्रा की मौत,3 दिन से एआईआईएमएस में भर्ती थी,सेक्शुअल हैरेसमेंट से परेशान होकर कॉलेज में आग लगाई थी

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर स्थित फकीर मोहन ऑटोनॉमस कॉलेज में खुद को आग लगाने वाली 20 साल की स्टूडेंट ने सोमवार देर रात दम तोड़ दिया। छात्रा 95 फीसदी झुलस चुकी थी और पिछले 3 दिनों से भुवनेश्वर के एआईआईएमएस में जिंदगी की जंग लड़ रही थी। छात्रा फकीर मोहन कॉलेज में इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट थी। उसने 12 जुलाई को हेड ऑफ डिपार्टमेंट के सेक्शुअल हैरेसमेंट से परेशान होकर कॉलेज कैंपस में खुद पर केरोसीन छिड़ककर आग लगा ली थी। घटना से पहले वह प्रिंसिपल के पास गई थी, लेकिन प्रिंसिपल ने उसे अपनी शिकायत वापस लेने को कहा था। इसके बाद उसने आत्मदाह कर लिया। छात्रा को पहले बालासोर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से डॉक्टरों ने एआईआईएमएस भुवनेश्वर रेफर कर दिया था। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने छात्रा की मौत के बाद एक्स पर कहा कि सभी दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। छात्रा की मौत के बाद एआईआईएमएस पहुंची ओडिशा की उप मुख्यमंत्री प्रावती परिदा ने बताया कि पीड़िता की सोमवार रात लगभग 11:45 बजे मौत हो गई। ओडिशा पुलिस ने 12 जुलाई को ही आरोपी एचओडी समीर कुमार साहू को गिरफ्तार कर लिया था। राज्य सरकार ने कॉलेज के प्रिंसिपल दिलीप घोष को सस्पेंड किया था। हालांकि, राज्यभर में विरोध-प्रदर्शन के बीच 14 जुलाई को पुलिस ने प्रिंसिपल को भी गिरफ्तार कर लिया। ओडिशा सरकार ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई है। जिला पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच की एक टीम भी घटना की जांच कर रही है। पूर्वी रेंज के डीआईएफ सत्यजीत नाइक ने बताया कि जांच में तेजी लाने के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 14 जुलाई को एआईआईएमएस के बर्न यूनिट में जाकर पीड़िता से मुलाकात की थी। राष्ट्रपति दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए भुवनेश्वर एआईआईएमएस पहुंची थीं। उन्होंने पीड़िता के परिवार को अच्छे से अच्छा इलाज का आश्वासन दिया था।घटना पर कॉलेज प्रिंसिपल दिलीप कुमार घोष ने कहा था कि 30 जून को मेरे पास इंग्लिश डिपार्टमेंट के हेड समीर कुमार साहू के खिलाफ शिकायत आई थी। कुछ छात्राओं ने बताया था कि समीर साहू उनका मानसिक उत्पीड़न कर रहा है। प्रिंसिपल के मुताबिक, एक लड़की ने आरोप लगाया था कि एचओडी ने गार्डन के पास उससे शारीरिक संबंध बनाने की मांग की थी। उसी दिन छात्रों ने कॉलेज का घेराव किया था। पुलिस को भी बुलाया गया था। छात्रों की मांग पर इंटरनल कम्प्लेंट कमेटी बनाई थी। कमेटी में सीनियर महिला टीचर, प्रतिनिधि और कुछ बाहरी सदस्य थे। प्रिंसिपल ने कहा, 'कमेटी ने 7 दिन में रिपोर्ट दी थी। हालांकि, कुछ छात्र तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

12 जुलाई को पीड़ित छात्रा फिर से मेरे पास आई थी। मैंने 20 मिनट तक उसे समझाया, लेकिन वह यह कहकर चली गई कि अब और इंतजार नहीं कर सकती। करीब 15-20 मिनट बाद उसने खुद को आग लगा ली।'घटना से लोगों में आक्रोश फैल गया है। राज्य के लोगों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और कॉलेज प्रशासन से जवाबदेही की मांग की है। विपक्षी दलों का भी विरोध-प्रदर्शन जारी है। मामले पर ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने एक्स पोस्ट में कहा- 'पता चला है कि बार-बार शिकायत के बाद छात्रा को न्याय नहीं मिला।

1 जुलाई को पीड़ित ने सोशल मीडिया पर भी अपने शिकायत रखी थी, लेकिन एक्शन नहीं लिया गया। वो कई महीनों तक भय और पीड़ा में रही। कॉलेज प्रिंसिपल, केंद्रीय मंत्री, ओडिशा सीएम से शिकायत के बाद उसे न्याय नहीं मिला। राज्यपाल हरि बाबू कभमपति छात्रा को न्याय दिलाएं।'

राहुल गांधी का लखनऊ कोर्ट में सरेंडर,5 मिनट बाद जमानत,सांसद प्रमोद तिवारी की पुलिस से नोकझोंक

लखनऊ। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार दोपहर को लखनऊ कोर्ट में सरेंडर किया। इसके 5 मिनट बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा ने 20-20 हजार के दो बॉन्ड पर राहुल को जमानत दी। राहुल के वकील ने जमानत याचिका डाली थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। राहुल कोर्ट के अंदर करीब 30 मिनट तक रहे। राहुल दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट आने के बाद सीधे एमपी-एमएलए कोर्ट पहुंचे थे। भारतीय सेना पर की गई टिप्पणी को लेकर कोर्ट ने उन्हें पेश होने का आदेश दिया था। पिछली 5 सुनवाई के दौरान राहुल हाजिर नहीं हुए। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें समन जारी किया था। जमानत मिलने के बाद राहुल कोर्ट से सीधे अमौसी एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए।राहुल के वकील प्रांशु अग्रवाल ने कोर्ट से राहुल की पेशी पर छूट की मांग की थी। मगर कोर्ट ने राहुल को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया था। कोर्ट गेट पर गाड़ियों का काफिला पहुंचते ही

पुलिस ने राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी और आराधना मिश्रा की कार रुकवा दी। पुलिस से नोकझोंक के बाद दोनों लोग पैदल चलकर अंदर गए। बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने 11 फरवरी को सीजेएम कोर्ट में राहुल के खिलाफ केस दायर किया था। इसमें कहा- राहुल ने 16 दिसंबर 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना पर टिप्पणी की थी। उन्होंने 9 दिसंबर 2022 को भारत-चीन सीमा पर हुई झड़प का जिक्र किया। राहुल ने कहा था कि चीनी सैनिक भारतीय सेना के जवानों को पीट रहे थे। पूर्व निदेशक ने दावा किया था कि राहुल का यह बयान तथ्यों के विपरीत और भ्रामक था। इससे न सिर्फ भारतीय सैनिकों का मनोबल प्रभावित हुआ, बल्कि उनके परिजनों की भावनाएं भी आहत हुईं। दरअसल, 12 दिसंबर, 2022 को भारतीय सेना ने कहा था कि चीनी सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण की कोशिश की। भारतीय जवानों ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। इस टकराव में दोनों पक्षों के सैनिकों को हल्की चोटें आई थीं। हमारे जवानों ने चीनी सैनिकों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। कांग्रेस सांसद भारी सुरक्षा के बीच लखनऊ एमपी/ एमएलए कोर्ट रूम के अंदर पहुंचे। इस दौरान वहां मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे और मोबाइल से वीडियो बनाते नजर आए।

ओडिशा सेक्शुअल हैरेसमेंट केस- छात्रा की मौत,राहुल बोले- बेटियां जल रहीं, पीएम चुप

नयी दिल्ली। ओडिशा के बालासोर स्थित फकीर मोहन ऑटोनॉमस कॉलेज में खुद को आग लगाने वाली 20 साल की स्टूडेंट ने सोमवार देर रात दम तोड़ दिया। छात्रा 95 फीसदी झुलस चुकी थी और पिछले 3 दिनों से भुवनेश्वर के एआईआईएमएस में जिंदगी की जंग लड़ रही थी। छात्रा की मौत के बाद लोकसभा में कांग्रेस प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- मोदी जी, ओडिशा हो या मणिपुर - देश की बेटियां जल रही हैं, दम तोड़ रही हैं। और आप? खामोश बने बैठे हैं। देश को आपकी चुप्पी नहीं, जवाब चाहिए। राहुल के इस बयान को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओछी राजनीति करार दिया। प्रधान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि ओडिशा की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है, लेकिन कांग्रेस ने इसे भी अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का मौका बना लिया है।

महाकुंम्भ में बनी 15किमी रिवर फ्रंट रोड डूबी,नागवासुकी मंदिर द्वार तक पहुंचा बाढ़ का पानी, रिहायशी इलाकों की बढ़ सकती है मुश्किलें

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में बाढ़ के हालात नजर

आने लगे हैं। फाफामऊ से संगम तक करीब 15 किलोमीटर की रिवर फ्रंट सड़क बाढ़ के पानी में डूब गई है। एक तरफ हनुमान मंदिर के गेट तक पानी पहुंच गया है, वहीं दूसरी तरफ नागवासुकी मंदिर के प्रवेश द्वार तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है।मंगलवार की सुबह गंगा का जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे बनी रिवर फ्रंट रोड पूरी तरह से डूब गयी है। नागवासुकी मंदिर में दर्शन के लिए आये श्रद्धालुओं को वापस लौटना पड़ा और कुछ श्रद्धालु पीछे के रास्ते से पहुँच कर दर्शन किए। गंगा यमुना का पानी निचले इलाकों के कुछ घरों तक पहुँच गया है। नदी किनारे सभी इलाकों में प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी कर दिया गया है।महाकुंभ में गंगा नदी किनारे बनी रिवर प्रिट रोड मंगलवार की सुबह डूब गयी। आने जाने का रास्ता आज सुबह से बंद कर दिया गया है। रसूलाबाद घाट से नागवासुकी मंदिर तक बनी यह रोड जलस्तर बढ़ने से डूब गयी। नागवासुकी की तरफ से जाने वाली रोड बंद हो गयी है, जिससे अब लोगों को दारागंज की तरफ अन्दर वाली गली से जाना होगा। वहीं पानी नदी किनारे रोड तक आने की वजह फाफामऊ से सीधा संगम जाने के लिए अब शहर के अन्दर से जाना पड़ेगा।तेजी से बढ़ते जलस्तर की वजह से लोगों के घर तक पानी पहुंचना शुरू हो गया है। गंगा किनारे बनी रोड डूबने के बाद लोगों के घरों तक पहुंचा पानी। दारागंज नागवासुकी मंदिर के पास बने घरों तक पानी पहुंचा गया है। लोग अपने सामान समेटना शुरू कर दिए हैं। छोटा बघाड़ा ,बड़ा बघाड़ा, दारागंज और राजापुर के कुछ निचले इलाकों में सोमवार की सुबह नदी का पानी दरवाजे तक पहुँच गया है। लोग अब बाढ़ से निपटने के लिए तैयारी तेज कर ली है और अपना समान समेट कर सुरक्षित जगहों पर रख रहे हैं।

प्रयागराज में पावर हाउस में हंगामा, एसडीओ का विरोध,मांडा में लोगों ने वसूली का आरोप लगाया, तख्ती लेकर पहुंचे ग्रामीणों ने की नारेबाजी

प्रयागराज। मांडा में मंगलवार को ग्रामीणों ने पावार हाउस में लोगों ने प्रयागराज में डीएम के यहां विरोध करने की बात कही

हंगामा कर दिया। विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे लोगों ने मांडा एसडीओ के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हाथों में तख्ती, बैनर लेकर पहुंचे ग्रामीणों ने कहा कि एसडीओ के निर्देश पर जेई और लाइनमैन वसूली कर रहे हैं। लोगों के घरों के वीडियो बनाकर रुपये मांगे जा रहे हैं। करीब एक घंटे तक ग्रामीणों ने नारेबाजी कर विरोध जताया। इसके बाद पावार हाउस वालों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को वहां से हटा दिया। गुस्साए है।प्रदर्शन करने पहुंचे लोगों ने आरोप लगाया कि एसडीओ ने गांव के विकास तिवारी की जमीन पर जबरन खंभा और ट्रांसफार्मर लगवा दिया। विरोध करने पर मुकदमा दर्ज कर दिया। ऐसे ही कई और ग्रामीणों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई। हालांकि बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आरोप गलत हैं। कटिया आदि की जांच की वजह से विरोध कर खुद को बचाने की कोशिश की जा रही है।

सीआरपीएफ जवान ने रची अपहरण की कहानी,सामान चोरी छिपाने के लिए बनाया जहरखुरानी और बंधक बनाने का झूठा केस

प्रयागराज। दिल्ली में तैनात

सीआरपीएफ सिपाही राम किशोर कुमार द्वारा रची गई अपहरण की झूठी कहानी का भंडाफोड़ प्रयागराज जीआरपी ने किया है। बिहार के औरंगाबाद जिले के करमडीह गांव के रहने वाले राम किशोर 122 बटालियन अंधेरिया मोड़ पर तैनात हैं। घटना 25 फरवरी 2025 की है। राम किशोर विभागीय डाक लेकर बिहार के आरा जिला जेल गए थे। डाक देने के बाद वह लापता हो गए। उनकी पत्नी सुमित्रा देवी ने आरा जीआरपी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच में उनके मोबाइल की आखिरी लोकेशन इटावा में मिली। इसके बाद फोन इटावा जीआरपी को भेज दिया गया। इटावा जीआरपी को राम किशोर अपने घर पर मिले। उन्होंने बताया कि प्रयागराज जंक्शन के पास जहरखुरानों ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उन्हें बेहोश कर दिया। फिर नैनी रेलवे स्टेशन के पास जंगल में बंधक बनाकर रखा। कुछ दिनों बाद वह भागकर घर पहुंचे। प्रयागराज जीआरपी ने 17 मई को केस दर्ज कर जांच नैनी जीआरपी चौकी प्रभारी राजकुमार चौहान को सौंपी। जांच में पता चला कि जिस जंगल की बात राम किशोर कर रहे थे, वह वहां है ही नहीं। उन्होंने जो इलाज की पर्ची दिखाई, उसमें रेबीज का इंजेक्शन लिखा था। इससे उनकी कहानी की पोल खुल गई।

प्रयागराज में फल कारोबारी की मौत,बाइक की टक्कर से घायल हो गया था, इलाज के दौरान तोड़ा दम

प्रयागराज। धूमनगंज में एक दर्दनाक सड़क हादसे में फल कारोबारी किराए के कमरे में परिवार के साथ रहते थे। वह फल बेचकर परिवार का

की मौत हो गई। बिहार के सहरसा से आकर प्रयागराज में रह रहे 58 वर्षीय मोहन चौधरी रविवार रात काम से घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में मोहन के सिर पर गंभीर चोट आई। पुलिस ने परिजनों की मदद से उन्हें तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मोहन प्रयागराज में भरण-पोषण करते थे। उनकी पत्नी ने बताया कि वह घर के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। अब बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई है। थाना प्रभारी अमरनाथ राय के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों की शिकायत पर बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

यौन शोषण में क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोकःहाईकोर्ट बोला- एक-दो दिन मूर्ख बनाया जा सकता है, 5 साल नहीं

प्रयागराज। क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा- आपको एक दिन, दो दिन के लिए मूर्ख बनाया जा सकता था। मगर 5 साल के रिश्ते के लिए किसी को पांच साल तक मूर्ख नहीं बनाया जा सकता। अपने ऊपर दर्ज यौन उत्पीड़न की एफआईआर के खिलाफ यश दयाल ने याचिका दाखिल की थी। मंगलवार को न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा व अनिल कुमार की खंडपीठ ने सुनवाई की। कोर्ट ने यश दयाल के विपक्षी पार्टी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। क्रिकेटर पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, दोनों की मुलाकात लगभग पांच साल पहले हुई थी। दरअसल, 27 वर्षीय दयाल के खिलाफ 6 जुलाई को गाजियाबाद के इंदिरापुरम पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 69 (धोखे से यौन संबंध बनाना) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।यश दयाल के वकील गौरव त्रिपाठी ने बताया- यौन शोषण की एफआईआर के खिलाफ क्रिकेटर ने कोर्ट में चैलेंज किया था। मैंने ही याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। विपक्षी को नोटिस जारी कर बुलाया गया है। उनका जवाब आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। मामले में अब अगली सुनवाई 4-6 हफ्ते में होगी। आईपीएल चैंपियन आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने यौन शोषण का आरोप लगाने वाली युवती के खिलाफ प्रयागराज पुलिस में शिकायत दी थी। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार से कहा- जिस युवती ने मुझ पर आरोप लगाया है, वो गलत है। मुझे फंसाया जा रहा है। युवती ने मेरा आईफोन और लैपटॉप चोरी कर लिया है। जबरन शादी का दबाव बना रही है। उसने इलाज के बहाने मुझसे पैसे लिए। मैंने जब उससे पैसे वापस मांगे तो वह शादी

का दबाव बनाने लगी। मामले की जांच कर रहे खुल्दाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र वर्मा का कहना है कि शिकायत पर जांच की जा रही है। अभी एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। सबूत मांगे गए हैं। क्रिकेटर ने 8 जुलाई को प्रयागराज पुलिस को शिकायत दी थी। यश दयाल ने खुद पर एफआईआर होने के एक दिन बाद 8 जुलाई को गाजियाबाद पुलिस को जवाब भेजा। डेढ़ पेज के जवाब में लिखा- मेरी युवती से सिर्फ दोस्ती थी। इसके अलावा कोई संबंध नहीं थे। शादी का कोई वादा नहीं किया था, न ही शादी की कोई बात हुई थी।युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मैं इंदिरा नगर के एक अपार्टमेंट में रहती हूं। मेरी शिकायत यश दयाल के खिलाफ है, जो कि एक क्रिकेटर हैं। मैं उनके साथ पिछले 5 साल से रिलेशन में थी। यश ने शादी का झूठा वादा कर मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाए। मुझे अपने परिवार से मिलवाया। उन्होंने मुझे बहू के समान दर्जा दिया। मैंने इस रिश्ते को पूरी सच्चाई और समर्पण के साथ निभाया। लेकिन, सच्चाई यह थी कि उन्होंने इस रिश्ते को सिर्फ शारीरिक और भावनात्मक शोषण के लिए इस्तेमाल किया। जब भी मैंने उनके धोखेबाजी और दूसरी लड़कियों से संबंध पर शंका हुई। तो उन्होंने मेरे साथ शारीरिक हिंसा की। फिर माफी मांगकर मुझे बहलाया। लेकिन इस व्यवहार से मैं इमोशनली टूट गई। मेरा कॉन्फिडेंस कमजोर हो गया। उसने मुझे इकॉनामिकली और मेंटली अपने पर निर्भर कर लिया।मैं लंबे समय तक डिप्रेशन में रही। मैंने अपना इलाज भी करवाया। लेकिन नार्मल जिंदगी जीना मुश्किल हो गया है। मैंने कई बार सुसाइड की भी कोशिश की। क्योंकि मेंटल पेन मैं नहीं झेल पा रही हूं। लेकिन यश और इनका परिवार झूठी सांत्वना देते रहे कि इस घर में तुम्ही आओगी और बहलाते रहे। पीड़िता ने एफआईआर में लिखा- मुझे यह भी पता चला कि मेरे साथ रहते-रहते भी अन्य लड़कियों के साथ समान रिश्ते में शामिल थे। यह जानकर गहरा मानसिक आघात लगा। मैं पूरी तरह से टूट गई। मैंने मुश्किल से खुद को संभाला। मैंने सब कुछ भगवान के इंसाफ पर छोड़ दिया। लेकिन, सारा सच जानने के बाद मुझे सच और आत्म-सम्मान के लिए लड़ना आवश्यक हो गया। मैं नफरत नहीं सिर्फ न्याय मांग रही हूं। मेरी आवाज सुनी जाए। जब सिस्टम सच के साथ खड़ा होता है, तब हर चुप रहने वाली लड़की को ताकत मिलती है। मेरे पास आवश्यक साक्ष्य (चैट, वीडियो, कॉल फोटो) भी हैं। जो हमारे रिश्ते को दिखाते हैं। मैं उन्हें प्रस्तुत करने को तैयार हूं।पहले भी विवादों में रहे यश दयाल यश दयाल ने 2 साल पहले अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मुस्लिम विरोधी स्टोरी लगाई थी। विवाद बढ़ने पर उन्होंने स्टोरी डिलीट कर दी। बाद में दयाल ने सफाई में कहा था- 'मेरे इंस्टाग्राम अकाउंट से 2 स्टोरी पोस्ट की गई, लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि दोनों स्टोरी मैंने पोस्ट नहीं की थी।'यश दयाल आईपीएल में अपने वैरिएशंस के लिए जाने जाते हैं। प्रयागराज के रहने वाले दयाल नई गेंद और डेथ ओवर्स की गेंदबाजी में माहिर हैं। वे आईपीएल में अब तक 43 विकेट ले चुके हैं। दयाल 2 अलग-अलग टीम से आईपीएल टाइटल जीत चुके हैं। 2022 में गुजरात टाइटंस की ओर से पहली बार आईपीएल चैंपियन बने। जब गुजरात ने राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हराया था। 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से दूसरी बार आईपीएल चैंपियन बने। बेंगलुरु ने पंजाब को 6 रन से हराकर खिताब जीता था। आईपीएल में 5 छक्के खाने के बाद चर्चा में आए थे दयाल यश दयाल पहली बार 2023 में चर्चा में आए थे, जब केकेआर के रिंकू सिंह ने उनके एक ओवर में 5 छक्के मारकर कोलकाता को जीत दिलाई थी। 27 साल के यश ने 2022 में गुजरात की ओर से डेब्यू किया था। तब उन्होंने 9 मैचों में 11 विकेट लेकर अपनी टीम को पहले ही सीजन में चैंपियन बनाया।2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दयाल को अपने खेमे में शामिल किया। तब दयाल ने 15 विकेट झटके, इनमें एमएस धोनी का वह विकेट भी शामिल रहा, जो उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम में लिया था। उसी विकेट की बदौलत आरसीबी ने प्लेऑफ में जगह बनाई थी। उस विकेट का ईनाम यश दयाल को मेगा ऑक्शन में मिला, जब उन्हें आरसीबी ने 5 करोड़ रुपए में रिटेन कर लिया। 2025 के 15 मैचों में 9.72 की इकोनॉमी से बॉलिंग करते हुए 13 विकेट लिए।

सोमवार को राजकीय आईटीआई में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिस मेला/रोजगार मेला सकुशल सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज के प्रांगण में की तरफ़ से दिनांक 154जुलाई2025 को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिस मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की 24 कंपनियों ने प्रतिभाग किया प्रयागराज पावर जनरेशन की तरफ से निशांत जी एवं हिंडालको इंडस्ट्रियल लिमिटेड की तरफ से बलरामयादव जी साक्षात्कार के आधार पर

328बच्चों का चयन किया एवं 588 प्रशिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया। मेले का उद्घाटन संस्थान के प्रधानाचार्य श्री अशोक कुमार के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया। मेला प्रभारी श्री सुंदिका प्रसाद अप्रेंटिस प्रभारी श्री राकेश शर्मा प्लेसमेंट प्रभारी श्री अजय कुमार कौशल विकास के प्रभारी अभिषेक कुमार सेवायोजन के मानवेंद्र सिंह विजय मौर्य सूर्यमनी भोलानाथ ने संपन्न करने में योगदान किया।

श्रद्धा से सुर और संगीत के साज़ पर बात आधुनिक समाचार के साथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। आधुनिक समाचार के 'फैबियन जोसेफ' से संगीतकारा 'श्रद्धा मिश्रा' की बात के कुछ अंश-

आधुनिक समाचार के फैबियन जोसेफ : आपका नाम? श्रद्धा- श्रद्धा मिश्रा। आधुनिक समाचार फैबियन जोसेफः आपकी शैक्षिक योग्यता? श्रद्धा- वर्ष 2014 में यूपी बोर्ड से प्रथम श्रेणी में हाई स्कूल। वर्ष 2016 में यूपी बोर्ड से प्रथम श्रेणी में इंटरमीडिएट। वर्ष 2019 में पीआरएसयू प्रयागराज से प्रथम श्रेणी में स्नातक बी.ए., वर्ष 2023 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्रथम श्रेणी में स्नातक बी.पी.ए.।, वर्ष 2025 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्रथम श्रेणी में एम.पी.ए.। आधुनिक समाचार फैबियन जोसेफ : आपकी व्यावसायिक योग्यता ?श्रद्धा- 2022 में प्रयाग संगीत समिति प्रयागराज से गायन में प्रभाकर संगीत डिप्लोमा। 2023 में संगीत समिति प्रयागराज से सितार में प्रभाकर संगीत डिप्लोमा। आधुनिक समाचार फैबियन जोसेफः आपके पिता का व्यवसाय? श्रद्धा- सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी। आधुनिक समाचार फैबियन जोसेफ : आप संगीत की शिक्षक हैं? श्रद्धाःमैं संगीत (गायन और सितार दोनों) के क्षेत्र में कार्यरत हूँ और एक वर्ष तक संगीत शिक्षिका भी रही हूँ। मैंने कई स्थानों पर गायन और सितार के कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं और अब भी करती रहती हूँ। आधुनिक समाचार फैबियन जोसेफः आधुनिक समाचार के पाठकों को कुछ संदेश? श्रद्धाः जी आधुनिक समाचार देश का सम्मानित समाचार पत्र है और वो सभी खबरों को सकारात्मक तरीके से प्रस्तुत करता है।

महज 800 ग्राम था नवजात का वजन, डेड समझ स्टाफ ने डस्टबिन में रख दिया था नवजात को,50 दिन एनआईसीयू में इलाज

प्रयागराज। प्रयागराज में एक महज 800 ग्राम वजन के एक नवजात का जन्म होता है। जन्म

हुआ तो अस्पताल में डॉक्टर ने परिवार वालों से कहा, बच्चा डेड है। करीब 40 मिनट तक वह लावारिस स्थिति में ओटी के टेबल पर पड़ा रहा। पिता के कहने के बाद जब उसे देखा गया तो पता चला कि वह उसकी सांसे चल रही है लेकिन शरीर पूरी तरह से नीला पड़ गया था। इलाज शुरू हुआ, उस नवजात को वेंटिलेटर सपोर्ट पर भी रखा गया। लगातार 50 दिन तक उस नवजात का एनआईसीयू में आक्सीजन सपोर्ट पर रखकर इलाज किया गया। अंततः 50 दिन बाद वह नवजात स्वस्थ हुआ और उसका वजन बढ़कर करीब डेढ़ किलोग्राम हो गया। डॉक्टर ने उसे डिस्चार्ज कर दिया है। दरअसल, मेजा के प्राथमिक विद्यालय में तैनात शिक्षक अनिल द्विवेदी की पत्नी शुभा मिश्रा प्रेग्नेंट थीं। तीसरे महीने मई में ही उन्हें रक्तस्त्राव होने लगा। 22 मई को उन्होंने लूकरगंज स्थित एक प्राइवेट हास्पिटल में डॉक्टर को दिखाया।आखिरकार डॉक्टर ने दर्द की दवा दी। डॉक्टर ने बताया, प्रसव कराना होगा, क्योंकि पेट में पल रहे नवजात का बचना मुश्किल है, ऐसी स्थिति में मां को बचाना प्राथमिकता है। प्रसव हुआ बच्चे का वजन महज 800 ग्राम था, शरीर पूरा नीला था। स्टाफ ने उस नवजात को डेड समझकर उसे टेबल पर एक किनारे रख दिया। 40 मिनट बाद पिता ने पूछा तो जांच के बाद पता चला कि बच्चे की हल्की सांस चल रही है। उसके बाद उसे वात्सल्य हास्पिटल लाया। पिता अनिल द्विवेदी ने बातचीत के दौरान अपनी आपबीती बताई। बताया 'बच्चा 50 दिन एनआईसीयू में रहा। उसे पीलिया और निमोनिया भी हुआ। हीमोग्लोबिन और प्लेटलेट भी कम होने लगा तो उसे चढ़ाया गया।' अनिल बताते हैं, बच्चे का यह कष्ट देखकर मैं अस्पताल में अकेले घंटों रोता था। मैंने उसके इलाज में कोई कमी नहीं की। वात्सल्य हास्पिटल की डायरेक्टर डॉ. कीर्तिका अग्रवाल और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. भरत शर्मा ने जिस तरह से बताया उसे फॉलो भी किया। 50 दिन बाद उसे डिस्चार्ज किया गया है। अब घर पर भी आक्सीजन की नली लगी है, इसके लिए एक नर्स भी परमानेंट यह हायर किया हूं, जो विधिवत देखरेख करती है।वात्सल्य हास्पिटल की डायरेक्टर डॉ. कीर्तिका अग्रवाल ने बताया कि हमारी जानकारी में यह पहला नवजात था जो लगातार 50 दिन एनआईसीयू में और वेंटिलेटर पर रहा। हेल्थ में उतार चढ़ाव होता रहा। लेकिन लगातार देखरेख और बेहतर इलाज से नवजात ठीक हो गया और उसे डिस्चार्ज कर दिया गया।

डिप्टी सीएमओ के वित्तीय अनियमितता की जांच के आदेश

प्रयागराज। प्रयागराज में स्वास्थ्य विभाग में वित्तीय अनियमितता का नया मामला सामने आया है। सीएमओ कार्यालय में तैनात डिप्टी सीएमओ डॉ. हेमंत सिंह पर वित्तीय अनियमितता के आरोप लगे हैं। जिलाधिकारी रविंद्र सिंह मांदड़ ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई है।अधिवक्ता राममिलन की शिकायत के अनुसार, डॉ. हेमंत सिंह ने 2017 से 2024 तक चाका सीएचसी में अधीक्षक रहते हुए सरकारी आवास होने के बावजूद मकान किराया भत्ता लिया। उन पर जननी सुरक्षा योजना, रोगी कल्याण समिति और ग्रामीण स्वास्थ्य एवं पोषण समिति के फंड में अनियमितता के भी आरोप हैं। शिकायत में यह भी बताया गया है कि डॉ. हेमंत सिंह पिछले दस वर्षों से प्रयागराज में ही तैनात हैं। यह सरकारी नियमों के विपरीत है। वर्तमान में वह सीएमओ कार्यालय में गैर संचारी रोग और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी हैं। जांच समिति में एडीएम सिटी सत्यम मिश्र, मुख्य कोषाधिकारी प्रत्यूष कुमार और सीएमओ डॉ. अरुण कुमार तिवारी को शामिल किया गया है। समिति को 15 दिन में रिपोर्ट सौंपनी है। डॉ. हेमंत सिंह ने सभी आरोपों को नकारा है। उनका कहना है कि जननी सुरक्षा योजना और पोषण समिति के फंड से अधीक्षक का कोई लेनदेन नहीं होता। उन्होंने बताया कि सीएचसी चाका में अधीक्षक आवास रहने योग्य नहीं था, इसलिए एचआरए लिया। उनसे पहले भी कई अधीक्षकों ने एचआरए लिया है।

डेंजर लेवल से 3 मीटर दूर गंगा-यमुना का जलस्तर,आज बड़े हनुमानजी को स्नान करा सकती हैं मां गंगा

प्रयागराज। संगमनगरी प्रयागराज में अब गंगा और यमुना उफान पर हैं। दोनों ही नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। गंगा

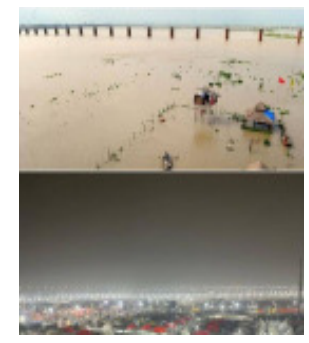

और यमुना अब डेंजर लेवल से महज तीन मीटर नीचे तक पहुंच चुकी हैं। यदि इस तेजी के साथ जलस्तर बढ़ता गया तो 2 दिन में जलस्तर डेंजर लेवल को क्रास कर जाएगा।

वहीं, दूसरी ओर प्रयागराज के बांध पर स्थित बड़े हनुमानजी मंदिर में भी भी पानी पहुंच गया है। उम्मीद है कि आज मां गंगा और यमुना अपने पवित्र जल से बड़े हनुमानजी महराज का स्नान करा सकती हैं। मंदिर प्रबंधन की तरफ से पूरी तैयारी कर ली गई है। 24 घंटे में 115 सेमी. बढ़ गया जलस्तर

पिछले 2 दिनों यानी रविवार की रात और मंगलवार की रात में गंगा और यमुना का जलस्तर बहुत तेजी से बढ़ा है। गंगा पिछले 24 घंटे में (सोमवार की सुबह 8 बजे से मंगलवार की सुबह 8 बजे तक) 115 सेमी. बढ़ी हैं जबकि यमुना 84 सेमी. पर। आज मंगलवार की सुबह करीब 10 बजे तक गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 81.58 मीटर और छतनाग में 80.58 मीटर पर है। इसी तरह यमुना नैनी में 81.64 मीटर पर हैं। संगम समेत गंगा और यमुना के सभी घाट जलमग्न हो चुके हैं। नावों का संचालन रोका गया है।

प्रयागराज में जेल हेड वार्डर से ऑनलाइन ठगी,केवाईसी अपडेट के नाम पर उड़ाए 1.10 लाख रुपए

प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल

में तैनात जय हेड वार्डर राम विशाल के खाते से एक लाख दस हजार रुपए उड़ा दिए गए इसकी जानकारी होने पर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल नैनी कोतवाली में इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बांदा के रहने वाले राम विशाल केंद्रीय कारागार नैनी में जेल हेड वार्डर है। वह जेल कैंपस में हो रहते है। पहले उनकी तैनाती हमीरपुर में थी। उस दौरान उन्होंने अपना हमीरपुर बैंक में अपना खाता खुलवाया हुआ था। इसी बीच उनका तबादला नैनी सेंट्रल जेल में कर दिया गया। इसके बाद वह हमीरपुर नहीं जा सके। राम विशाल के मुताबिक उनके बैंक में केवाईसी के नाम पर किसी महिला ने फोन किया। इसके बाद वह केवाईसी कराने के नाम पर तमाम जानकारियां मांगने लगी। उधर राम विशाल ने बिना जानकारी के ओटीपी सहित तमाम जानकारी उस महिला को दे दी। कुछ देर के बाद उनके खाते से पचास हजार रुपए निकल गए। मोबाइल पर मैसेज देखा तो उनके होश उड़ गए। कुछ मिनट में बीस हजार और निकल गए। इसके बाद क्रेडिट कार्ड से 30 हजार उड़ा दिया गया। लगातार खाते से पैसे निकल जाने के बाद वह परेशान हो गए। इसके बाद वह इस मामले में नैनी कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी है।राम विशाल ने बताया कि।एक जुलाई को सैलरी आई थी। वह खाते में हुई पड़ी हुई।थी। आठ जुलाई को यह घटना मेरे साथ हो गई। इसकी जानकारी जब हुई तो मैं दंग रह गया। बेटी की फीस जमा करने के लिए पैसे रखे हुए थे। लेकिन सारे पैसे खाते और क्रेडिट कार्ड से उड़ा दिया गया। उन्होंने बताया कि साइबर थाने और नैनी कोतवाली में लिखित शिकायत की है। जिस नंबर से फोन आया था वह नंबर अभी भी चालू है। उसपर बात भी हुई, लेकिन अभी तक मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

अमरनाथ यात्रा के लिए रायबरेली से निकला पहला जत्था

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। श्री अमरनाथ यात्रा के लिए रायबरेली से निकला पहला जत्था अर्चना एक्सप्रेस से वापस

रायबरेली पहुंचा, वापस आए हुए जत्थे का स्वागत रेलवे स्टेशन पर जनमानस के द्वारा जोरदार किया गया। फूल मालाओं एवं जयकारा वीर बजरंगी- हर हर महादेव, जोगी तेरा रूप निराला-अमरनाथ में डेरा डाला, कश्मीर की वादी में- भोले बाबा की शादी में, कोई चिंता नहीं कोई भय बाबा अमरनाथ की जय, जैसे जयकारों से रेलवे स्टेशन गूंजायमान हो गया। वापिस आए हुए जत्थे का स्वागत श्री अमरनाथ यात्री महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल जिला अध्यक्ष जगदीश चैनानी,एवं ओम शिव शक्ति मानव सेवा मंडल दैनिक भंडारा सुपरमार्केट रायबरेली, के पदाधिकारीयों के द्वारा किया गया। उक्त जत्था मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी के नेतृत्व में 2 जुलाई को रायबरेली से रवाना हुआ था। मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी ने बताया कि यह उनकी 20वीं लगातार बाबर पानी के दर्शन प्राप्त कर चुके हैं। इसी क्रम मेंरायबरेली से रवाना जत्था बेगमपुरा एक्सप्रेस से जम्मू पहुंचा। जम्मू से पहलगाम के रास्ते चंदनवाड़ी होते हुए पहले दिन पिशुटॉप, जोजिबल होते हुए शेषनाग मे रात्रि विश्राम किया गया। अगले दिन महागुनसटाप, पौषपत्री, पंचतरणी होते हुए प्राकृतिक रूप से निर्मित हिमशिवलिंग के रूप में विराजमान बाबा अमरनाथ बर्फानी के दर्शन प्राप्त किए। बालटाल के रास्ते वापसी जत्थे का स्वागत ओम शिव शक्ति सेवा मंडल बालटाल भंडारे पर प्रधान श्री लक्ष्मण जी ने किया। बाबा बर्फानी के दर्शनोपरांत सभी श्रद्धालु माता वैष्णो देवी जी के दर्शन प्राप्त किए। माता जी के दर्शन पश्चात चारों देवियों के दर्शन भी कुछ शिव भक्तों ने किया आज वापस आए हुए जत्थे का जोरदार स्वागत रायबरेली रेलवे स्टेशन पर ढोल नगाड़ों के साथ हर हर महादेव के जयकारों के साथ पदयात्रा भी निकली गई। इस अवसर पर पंकज मिश्रा, राजेश सिंह, भाग्य नारायण गुप्ता, इंदु धर दीक्षित, छाया त्रिपाठी एडवोकेट, राजेंद्र अवस्थी, राम प्रकाश श्रीवास्तव कैलाशी, सुधीर मिश्रा, रमेश मौर्य, राजेश मौर्य, जी.एस वर्मा, पिंकू मिश्रा, अतुल मिश्रा, शांति त्रिपाठी, राजेश कुमारी, रामराज गिरी, राजेश पांडे, हिमांशु वाजपेई, राजन दीक्षित,गोविंद सोनकर, महेंद्र अग्रवाल, जगदीश चेनानी, मनीष गुप्ता, दिलीप वाधवानी, राजू अग्रवाल, पप्पू अग्रवाल, संतोष पंडित बग्गी सोनू सोनकर , रवि सोनकर, गिरीश गुप्ताआदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के विशेष प्रयास से पंजाब से जारी हुआ मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। जिलाधिकारी

हर्षिता माथुर ने अपने कार्यालय कक्ष में पंजाब में मुक्तसर साहिब जिले में भट्टे पर मजदूरी करने वाले मृतक रतिपाल की आश्रित पत्नी श्री मती को मुख्यमंत्री आवास योजना (सामान्य) व महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित निराश्रित महिला पेंशन योजना का प्रमाण-पत्र दिया। मृतक रतिपाल ग्राम-चीखरी, पोस्ट-अजीतपुर, जनपद-रायबरेली निवासी थे जो पंजाब जिले में भट्टे पर मजदूरी करते थे जहां पर दुर्घटना की वजह से उनकी मृत्यु अक्टूबर 2023 में हो गई थी। संपूर्ण समाधान दिवस लालगंज में निराश्रित महिला जिलाधिकारी से मिली और अपनी बात प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने विशेष प्रयास करते हुए मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र पंजाब से जारी कराया। साथ ही जिलाधिकारी ने जिला प्रोवेशन अधिकारी जयपाल वर्मा को निर्देश दिया कि निराश्रित महिला को सरकारी योजनाओं का तत्काल लाभ दिलाया जाए। इसके लिए जिला प्रोवेशन अधिकारी ने मुख्यमंत्री आवास योजना व निराश्रित महिला पेंशन योजना के अंतर्गत आच्छादित कराते हुए सरकारी योजनाओं के लिए आवश्यक कार्रवाई की साथ ही उनके दो बच्चों प्रियंका और देवांश की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा के लिए प्रदेश सरकार की ओर से रु5000 की सहायता राशि की कार्यवाही पूर्ण कराई। लाभार्थी ने इसके लिए जिलाधिकारी और जिला प्रशासन का धन्यवाद दिया।

अब शिवालयों में रूद्राभिषेक कराएंगे भाजपाई,प्रयागराज महानगर के सभी प्रमुख शिवालयों में आज से शुरू होगा कार्यक्रम

प्रयागराज। सावन के पवित्र महीने में भाजपा की ओर से विशेष

पहल की जा रही है। प्रयागराज महानगर की ओर से निर्णय लिया गया है कि सभी 15 मंडलों में भाजपा की ओर से सामूहिक रूद्राभिषेक का कार्यक्रम आयोजन होगा। यह आयोजन सभी प्रमुख शिवालयों में कराया जाना है। आज 15 जुलाई से पूरे सावन में क्रमवार तरीके से रूद्राभिषेक कराए जाने की तैयारी हो रही है। महानगर अध्यक्ष ने पदाधिकारियों को दी जिम्मेदारी महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर पूरी रूपरेखा भी बनाई है। महानगर अध्यक्ष ने बताया कि सावन के पवित्र महीने में महानगर के सभी 15 मंडलों के प्रमुख मंदिरों में सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन होगा। कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा आम श्रद्धालु भी शामिल होंगे।सभी मंडल अध्यक्षों से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन सामाजिक एकजुटता में महत्वपूर्ण निभाते हैं। इस दौरान कुंज बिहारी मिश्रा, राघवेंद्र तुशवाहा, राजेश केसरवानी, प्रमोद मोदी, डॉ. शैलेश पांडेय, विजय श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सीनियर टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) उत्तर प्रदेश से भी सीनियर टेनिस असम, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना

सोनभद्र -18 सितंबर 2025 से 12 सितंबर 2025 के बीच राष्ट्रीय सीनियर टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 24 स्टेट भाग लेंगे। सीनियर टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन बेंगलुरु कर्नाटक में किया जाएगा। क्रिकेट के टीम का चयन किया जाएगा। सीनियर टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट खेलने के लिए उत्तर प्रदेश सचिव से संपर्क कर सकते हैं.राष्ट्रीय सीनियर टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश,राजस्थान,मध्य प्रदेश,बिहार, जम्मू एंड कश्मीर, आदि स्टेट प्रतिभाग करेंगे। राष्ट्रीय सीनियर टेनिस क्रिकेट के ट्रायल का आयोजन जुलाई के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। सीनियर टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए उत्तर प्रदेश सचिव से संपर्क कर सकते हैं - 8858060371, 7318493702

न्याय पंचायत टिकरी कला की संकुल शिक्षक संगोष्ठी उच्च प्राथमिक विद्यालय सेहुड़ा में सम्पन्न हुई

प्रयागराज। बैठक में पूर्व की भांति पढ़ने और लिखने

सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित किया और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक का शुभारंभ किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए संकुल शिक्षक प्रतिमा वर्मा ने कहा कि हम शिक्षक की जिम्मेदारी है कि ग्रीष्मावकाश के बाद बच्चों को में रुचि लाने के लिए अत्याधिक मेहनत की आवश्यकता है।बच्चों को रोचक गतिविधियों और सहायक सामग्रियों के जरिये पढ़ाया जाए। संकुल टिकरी कला में नए आगन्तुक शिक्षकों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। बैठक में निधि श्रीवास्तव,सरिता गुप्ता,प्रतिमा वर्मा,सलाका,वसीम अहमद,अमोघ चंद्र मिश्र,अवधेश यादव, उमा शर्मा,सोनिया श्रीवास्तवा,मानीता जायसवाल,सबाना अंसारी,मुकेश यादव, आशीष जायसवाल,कृष्ण दत्त पाण्डेय,अशोक त्रिपाठी,साधना यादव आदि दर्जनों शिक्षक शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

विद्यालय बंदी से गरीबों को शिक्षा से किया जा रहा वंचित-राजेश शुक्ला

रायबरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रान्तीय नेतृत्व के आह्वान पर आज पुनः जनपद के विभिन्न विकास क्षेत्रों में मर्जर होने वाले दूसरे सबसे बडी संख्या वाले विद्यालयों की ग्राम सभाओं में ग्रामवासियों,अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों के साथ ब्लाक के पदाधिकारियों ने बैठक की,बैठक में एक स्वर से विद्यालयों के मर्जर पर आक्रोश व्यक्त किया गया। जिलाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि विद्यालयों की बंदी से गरीबों और मजलूमों के बच्चों को शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है। जिला मंत्री मुकेश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि शिक्षा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने पर यह आत्ममुग्ध सरकार आमादा है। अध्यक्ष,जिला संघर्ष समिति पंकज द्विवेदी ने कहा कि आरटीई एक्ट का उल्लंघन हो रहा है लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। जनपदीय कोषाध्यक्ष यादवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार खुलेआम मनमानी पर आमादा है।जनपदीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि जब तक एसएमसी और अभिभावकों की भावनाओं एवं समस्याओं का संज्ञान नहीं लिया जाता तब तक हम लोग संघर्ष करेंगे। महिला अध्यक्ष गीता त्रिपाठी ने कहा कि बच्चे खासकर बेटियां किसी भी हालत में तीन किलोमीटर पढने नहीं जा पाएंगे। जनपदीय संयुक्त मंत्री डा चंद्र मणि बाजपेई ने कहा कि संविधान में प्रदत्त शिक्षा के मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है। जनपदीय लेखाकार गंगा चरण भारती ने कहा कि सरकार पूंजीवाद को बढावा दे रही है जिसके तहत बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है। जनपदीय उपाध्यक्ष जटा शंकर बाजपेई और डा बृज किशोर ने कहा कि सरकार शिक्षा को निजी हाथों में सौंप देना चाहती है। जिला संघर्ष समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि सबको शिक्षा दे न सके जो वह सरकार निकम्मी है। जनपदीय संगठन मंत्री सुजीत चौधरी और राम जी सरोज ने कहा विभागीय अधिकारी विद्यालयों की परिस्थतियों को जानकर भी मर्जर की प्रक्रिया में तेजी से लगे हैं। सरेनी अध्यक्ष राकेश द्विवेदी और शिवगढ अध्यक्ष गयेन्दु सिंह ने कहा कि आरटीई एक्ट की अनदेखी करके आनन फानन में विद्यालय बंद किए जा रहे हैं। सलोन अध्यक्ष राजेश पाण्डेय और डीह अध्यक्ष कमलेश ओझा ने कहा कि संगठन का संघर्ष का इतिहास रहा है,संगठन इसकी भी लडाई लडेगा। जगतपुर अध्यक्ष डा संजय सिंह और रोहनियां अध्यक्ष पवन शुक्ला ने कहा कि इस तानाशाही के खिलाफ क्रमबद्ध लडाई लडनी पडेगी। लालगंज अध्यक्ष शेषर यादव और अमावां अध्यक्ष अशोक पाल ने कहा कि ग्राम प्रधान,विद्यालय प्रबंध समिति,अभिभावकों की आवाज को बुलंद किया जाएगा। इस अवसर पर अजय मिश्र,ओमानंद श्रीवास्तव,मो सगीर,अरविन्द मिश्र,अखिलेश कुमार,डा बृज किशोर,श्रवण यादव,नीलेश शुक्ला, जितेन्द्र सिंह,आकाश त्रिपाठी,दर्शन लाल,मुन्ना लाल,शशांक मिश्र आदि उपस्थित रहे।

विद्यालय बंद होने से ग्रामीण एवं बच्चे आक्रोशित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेशीय नेतृत्व के तीन दिवसीय कार्यक्रम के निर्देश के क्रम में विकास क्षेत्र खीरों के प्राथमिक विद्यालय कुटकुरी में एक जन आन्दोलन गोष्ठी आहूत की गयी,अध्यक्ष नीरज हंस की अगुआई में विद्यालय के शिक्षक,शिक्षामित्र,अभिभावक व क्षात्रों ने प्राथमिक विद्यालय कुटकुरी को मर्ज करके कम्पोजिट विद्यालय देवगांव में जोड़ने का पुरजोर विरोध प्रकट किया। इस आन्दोलन में अभिभावकों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि बिना ग्रामीणों, अभिभावकों की सहमति लिए बगैर व बिना सूचना के ही मनमानी तरीके से मर्ज कर दिया गया। ग्रामीण रामदेवी ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते कहा कि अन्य व्यवस्थाएं बदल दे किन्तु हमारे नन्हे मुन्ने बच्चों के भविष्य के साथ इस तरह का खिलवाड़ ना करे। बुजुर्ग ग्रामीण सूर्य प्रसाद ने मर्जर पर अपना दर्द बयां किया कि जब गांव में विद्यालय नहीं था तो हम लोग सबसे कह कर विद्यालय लाए लेकिन आज इस विद्यालय को मर्ज करने से मुझे बहुत कष्ट हो रहा। अभिभावक राजेश ने कहा कि इस विद्यालय को मर्ज करने से इस गांव का व बच्चों का विकास अवरुद्ध हो जाएगा। अभिभावक सुमन देवी ने कहा कि देवगांव विद्यालय काफी दूर भी है और वहाँ जाने का रास्ता भी सही नहीं है बारिश में तो बच्चों को उस विद्यालय भेज पाना बहुत मुश्किल काम है। अभिभावक पंकज कुमार ने बताया कि जब प्राथमिक विद्यालय कुटकुरी में समुचित संसाधन हैं तो इस तरह का मर्जर करने की कोइ आवश्यकता ही नहीं समझ आती। ग्रामीण अ?नीता देवी ने बताया कि कुटकुरी से देवगांव जाने वाले मार्ग की दूरी दो किलोमीटर है इसलिए हम लोग अपने बच्चों को कहीं दूसरे विद्यालय में नहीं भेजेंगे। रसोइयां रुपरानी ने कहा कि हमारे जीवन में यह बदलाव तो नहीं होना चाहिए मुझसे इस बुढ़ापे में मेरा सहारा अर्थात मेरा रोजगार छीनना किसी भी तरह से औचित्य पूर्ण नहीं है। कक्षा 4 की छात्रा नैना ने भी यही कहा कि हमसे हमारा विद्यालय ना छीना जाए। क्षात्र अंकुश ने भी किसी दूसरे विद्यालय में पढ़ाई करने से साफ मना कर दिय।विद्यालय के सभी क्षात्र व क्षात्राएं अपने विद्यालय के मर्जर से बहुत ही दुखी व परेशान नजर आए। विद्यालय में कार्यरत रसोइयों ने भी इस पर अपनी नाराजगी प्रकट की। ग्रामीणों ने अपने बच्चों को दूसरे विद्यालय में भेजने से स्पष्ट रुप से मना किया तथा आगे बढ़कर लड़ाई लड़ने की बात कही।ग्रामीण पंकज,ओमप्रकाश,राजेश,नीतू गोवर्धन के साथ साथ प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा अनीता देवी तथा रसोइयां रुपरानी व सोमवती आदि उपस्थित रहे। आन्दोलन को बड़े ही जोश के साथ संचालित किया तहसील प्रभारी श्री विश्वनाथ प्रसाद ने और कहा कि सरकार आगे आने वाली पीढ़ी को अशिक्षित बनाने पर तुली हुई है तथा उसी क्रम में शिक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने का प्रयास किया है। जिला उपाध्यक्ष डा.दुष्यंत सिंह ने कहा कि सरकार को इस मर्जर आदेश को हर हाल में खारिज करना ही पड़ेगा अन्यथा यह आन्दोलन एक विशाल रुप में सरकार के सामने होगा। जिला प्रचार मन्त्री अनुपम शुक्ला ने कहा कि इस तरह के आदेशों को पारित करके सरकार बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ के नारे को कैसे सिद्ध कर पाएगी, सरकार को इस मर्जर मुद्दे पर निश्चित रुप से पुर्विचार करने की आवश्यकता है। अध्यक्ष नीरज हंस ने ग्रामीणों व अभिभावकों को दिलासा देते हुए कहा कि सरकार को इस अपने मनमाने फरमान को गरीब मजलूम बच्चों के हित को देखते हुए वापस लेना होगा। यदि यह मर्जर आदेश वापस नहीं होता है तो निश्चित रुप से यह आन्दोलन क्रान्तिकारी आन्दोलन में परिवर्तित होगा और इसका परिणाम जन हित में होगा। इस कार्यक्रम में विकास क्षेत्र खीरों के अनेको अध्यापकों सहित मनीष अग्निहोत्री,सुशील तिवारी तथा बृजेश पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सुरक्षा अधिकारों, सशक्तिकरण 1076,स्वास्थ्य सेवा - 102,एम्बुलेंस

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा योजनाओं एवं सहायता संसाधनों सेवा - 108,साइबर क्राइम रिपोर्टिंग

संचालित 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनांक 15.07.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम व एण्टी रोमियो टीमों द्वारा व्यापक रूप से जनजागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।इस अभियान के अंतर्गत महिला पुलिस कर्मियों व मिशन शक्ति टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में स्थित प्रमुख बाजारों, कस्बों, स्कूलों/कॉलेजों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य भीड़-भाड़ वाले महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर पहुँचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके के प्रति जागरूक किया गया। प्रमुख बिंदु- महिला सशक्तिकरण से संबंधित राज्य एवं केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं जैसे - मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत योजना का प्रचार-प्रसार कर आमजन को उनके लाभों की जानकारी दी गई। महिलाओं की सुरक्षा हेतु संचालित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई एवं संबंधित पंपलेट वितरित किए गए। वीमेन पावर लाइन - 1090,महिला हेल्पलाइन - 181,पुलिस आपातकालीन सेवा - 112,सीएम हेल्पलाइन - हेल्पलाइन - 1930,सहभागिता एवं संवाद जनजागरूकता अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने आमजन विशेषतः युवतियों व महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा या शोषण की स्थिति में बेझिझक रिपोर्ट करने हेतु प्रेरित किया गया। उपस्थित जनसमुदाय द्वारा इस पहल की सराहना की गई एवं पुलिस द्वारा इस प्रकार की गतिविधियों को समय-समय पर आयोजित किए जाने की अपेक्षा भी जताई गई। जनपद पुलिस द्वारा यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, जिससे समाज में महिला सुरक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल एवं जनसहभागिता को और अधिक सशक्त किया जा सके।

वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति ने पाल को दी जन्म दिन पर बधाई।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नागरिक कल्याण समिति के मुख्य पी पाल को जन्म दिन की बधाई

रायबरेली। स्थानीय मोती लाल संरक्षक के .एन. मिश्रा ने श्री पाल दी और माला पहनाकर, बुकें भेंट

नेहरू स्टेडियम में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति, भारत सेवक समाज व नगर पालिका की ओर से नब्बे वर्ष पूर्ण करने वाले एम. पी. पाल को दीर्घायु होने की बधाई व शाल उढ़ा कर सम्मानित किया। अभिनन्दन समारोह में नगरपालिका अध्यक्ष शत्रुघ्न लाल सोनकर ने कहा कि अच्छी जीवन शैली के कारण पाल जी ने लम्बी उम्र पायी है और आज भी सक्रिय हैं। मैं उनका अभिनन्दन करता हूं। वरिष्ठ की प्रशंसा करते हुए सौ वर्ष जीने की शुभकामनाएं दी। समारोह में अध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्र, महासचिव अरविंद श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष राजाराम मौर्य, भारत सेवक समाज के अध्यक्ष शिव नारायण सोनी,योग गुरु डॉ .आर .पी .सिंह, संरक्षक नवल किशोर बाजपेई,जय शंकर बाजपेई,सी. एल. कनौजिया, राम सनेही यादव, के. के. पांडे, जिला क्रीड़ा अधिकारी पुरुषोत्तम जी, ने एम कर सम्मानित किया।इस अवसर पर गीतकार शिव बहादुर सिंह दिलवर व राम नरेश यादव ने अवधी गीत प्रस्तुत कर श्री पाल को दीर्घायु होने की शुभकामनाएं दी। सभा में एम.पी. पाल के पुत्र राजेन्द्र पाल व प्रदीप कुमार ने पाल जी की जीवन शैली पर प्रकाश डाला और ऐसे पिता पाने को अपना सौभाग्य बताया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व प्रधानाचार्य शिव नारायण सोनी ने किया।

विशेष प्रवर्तन अभियान 24 जुलाई तक, अवैध मदिरा के निर्माण एवं तस्करी पर अंकुश के लिए तहसीलवार टीमें गठित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी की संभावना के दृष्टिगत 15 जुलाई से 24 जुलाई 2025 तक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जाना है। जिसमें अवैध मदिरा के निर्माण एवं बिक्री एवं तस्करी तथा अवैध अल्कोहल/शीरा परिवहन पर अंकुश लगाए जाने हेतु समस्त तहसीलवार टीमों का गठन किया है। जिलाधिकारी ने आबकारी, पुलिस एवं राजस्व प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाकर प्रभावी प्रवर्तन कार्य सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि पूरे जनपद में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाकर अवैध शराब के निर्माण, तस्करी तथा अवैध अल्कोहल/शीरा के परिवहन आदि पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। इस कार्य के लिए प्रत्येक तहसील में उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी तथा आबकारी निरीक्षक विशेष रूप से सक्रिय रहेंगे। पूरे जनपद में 6 प्रवर्तन दलों का गठन किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह टीमें पूर्ण निष्ठा एवं गंभीरता से विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान अवैध मदिरा के कार्य में संलिप्त माफियाओं/तस्करों की सूची के अनुसार उनके विरुद्ध स्थानीय पुलिस के सहयोग से नियमानुसार गैंगस्टर/गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत कठोरतम कार्यवाही की जाए तथा उन पर सतत निगरानी की जाए। संदिग्ध वाहनों की सघनता एवं सूक्ष्मता से चेकिंग कराई जाएगी और राष्ट्रीय/राज्य राजमार्ग पर स्थित ढाबों, जहां अल्कोहल के टैंकर प्रायः रूकते है, की भी संघ एवं आकस्मिक जांच कराई जाए। इन टीमों द्वारा जनपद में अवैध मदिरा के संदिग्ध स्थानों/अड्डों पर छापेमारी की कार्यवाही की जाए। आबकारी दुकानों एवं थोक अनुज्ञापनों का निरीक्षण चेकलिस्ट के अनुसार किया जाए। स्टॉक के बारकोड व क्यू0आर0 कोड की सूक्ष्मता एवं सतर्कता पूर्वक स्कैनिंग/जांच की जाए। देशी/विदेशी मदिरा/बियर एवं माडल शाप की फुटकर बिक्री की दुकानों पर ओवर रेट के सम्बन्ध में रैंडम टेस्ट परचेज की कार्यवाही भी की जाए। दुकानों पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरा के सुचारू रूप से निरंतर क्रियाशील रहते हुए रियल टाइम मॉनिटरिंग की उपलब्ध निश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में विशेष सतर्कता बरती जाए एवं नियमित रूप से रोड चेकिंग कराई जाए जिससे किसी भी दशा में अवैध मदिरा की तस्करी ना हो पाए।

16 जुलाई को कृषि विज्ञान केन्द्र में किसान दिवस का आयोजन

रायबरेली।15 जुलाई 2025 उप कृषि निदेशक विनोद ने बताया है कि 16 जुलाई 2025 को तहसील सदर के कृषि विज्ञान केन्द्र दरियापुर में किसान दिवस का आयोजन अपरान्ह 12:30 बजे आयोजित किया जायेगा।

मा0 विधायक सलोन ने विश्व युवा कौशल दिवस कार्यक्रम में अभ्यर्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित विश्व युवा कौशल दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन मा0 विधायक सलोन अशोक कोरी द्वारा फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मा0 विधायक द्वारा जनपद के पूर्व में प्रशिक्षित प्रशिक्षार्थी जो वर्तमान में अभी भी सेवायोजित है, उनमें से उच्चतम वेतन के आधार पर 11 अभ्यर्थियों को कौशल युथ आईकॉन के प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया तथा 14 जुलाई 2025 को आयोजित रोजगार मेले में चयनित 10 अभ्यर्थियों को भी सम्मानित किया। जनपद में 9 उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रशिक्षण प्रदाताओं राजकीय/निजी (एक्शलिक, एस0डी0आई0, म्यूज हेल्थवेयर, सी0टी0ई0डी0, सी0एस0ई0डी0, विश्वामित्र, श्याम शिक्षा, सिटी मानव, रघुवीर महिला एवं अभिनव ग्राम्य विकास) को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।

कोटेदारों सघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रही फीडबैक प्रणाली पर भी आपत्ति

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में जताई। कोटेदारों का कहना है कि

कोटेदारों सघ ने ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के बैनर तले अपनी सात सूत्री मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्य मंत्री नामित ज्ञापन संबंधित अधिकारी को देकर बुलंद किए आवाज। वही जिलाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा कमीशन बढ़ाने सहित अन्य सात सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार को प्रदर्शन किया।वही ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन जिलाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि 'उत्तर प्रदेश में कोटेदारों को खाद्यान्न पर 90 रुपए प्रति क्विंटल और चीनी पर 70 रुपए प्रति क्विंटल कमीशन मिलता है। जबकि हरियाणा, गोवा और दिल्ली में 200 रुपए प्रति कुंतल कमीशन दिया जाता है। गुजरात में 20,000 रुपए न्यूनतम गारंटी दी जाती है। उन्होंने डोर स्टेप डिलीवरी में गुणवत्तायुक्त खाद्यान्न की मांग की साथ ही पूर्व का बकाया भुगतान करने की मांग की। वर्तमान में फोन से ली जा कई बार विरोधी लोग गलत जानकारी दे देते हैं।' जिलाध्यक्ष विनोद कुमार ने कहा कि 'स्वयं सहायता समूह की दुकानों के संचालकों को भाड़ा, बिजली बिल और मजदूरी का खर्च उठाना पड़ता है। कोटेदारों ने मांग किया कि कमीशन का पैसा सीधे संचालक के खाते में जमा किया जाए। राशन का ऑनलाइन वितरण होने के कारण सत्यापन, वितरण, स्टाक रजिस्टर को बंद कर पेपर लेस प्रणाली लागू किया जाए। एमडीएम और आईसीडीएस के खाद्यान्न पर भी एनएफएसए खाद्यान्न की तरह कमीशन दिए जाने की मांग की गई। कोटेदारों ने चेताते हुए कहा कि यदि मांगें जल्द से जल्द नहीं मानी जाती हैं तो अगस्त माह में वितरण प्रथम तीन दिन रोक दिया जायेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।इस मौके पर अजय विश्कर्मा, पूनम,कांशीनाथ, विनोद कुमार, पन्नालाल, सुरेंद्र कुमार, विजय सिंह, रामलला विश्वकर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सरकारी योजनाओ का आम जन को मिले लाभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) को बताते हुए प्रचार प्रसार किया

सोनभद्र। जिला प्रोबेशन अधिकारी गया वहीं आसपास मौजूद आम के मार्गदर्शन पर प्रवास व धरती जनमानस के बीच जन जागरण आबा जन भागीदारी अभियान के के माध्यम से विभागीय तहत कलेक्ट्रेट प्रांगण में स्टाल लगा योजनाओं का विस्तार पूर्वक कर प्रोबेशन कर्मियों द्वारा केंद्र जानकारी दी गई इस मौके पर सरकार अथवा प्रदेश सरकार से जिला प्रोबेशन कार्यालय के वर्कर चलाई जा रही कल्याणकारी अनुराधा जायसवाल, योजनाओं को आम जनमानस तक सुपरवाइजर सुधा गिरी ,विपिन पहुंचाने के लिए बुकलेट अथवा लोगो कुमार अन्य लोग उपस्थितरहे।

संकुल बैठक में शिक्षकों संग विभागीय बिंदुओं पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) में नामांकन बढ़ाने, वृक्षारोपण समेत

सोनभद्र। शासन के निर्देश के क्रम में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

विकास खण्ड घोरावल के बेसिक शिक्षा विभाग में माह के तीसरे मंगलवार को संकुल शिक्षक की बैठक आयोजित की गई। इसी तत्क्रम में न्यायपंचायत लहास के सभी परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की बैठक प्राथमिक विद्यालय करसोता में आयोजित हुई। कार्यक्रम की शुरुआत में नवागत एआरपी ओमप्रकाश का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम देकर एआरपी बनने की बधाई देने के साथ विकास खण्ड में आने पर स्वागत किया गया। इसके पश्चात बैठक विभागीय बिंदुओं पर शिक्षकों से वार्ता की गई। बैठक में शिक्षकों संग स्कूलों साथ ही सभी विद्यालयों को स्कूल चलो अभियान रैली निकाल अभिभावकों को स्कूलों में बच्चों को भेजने हेतु जागरूक करने का निर्देश दिया गया। वहीं शिक्षकों ने भी डीबीटी, नामांकन एवं अन्य ऑनलाइन कार्यों में आ रही समस्याओं से एआरपी एवं शिक्षक संकुलों को अवगत कराया जिसका समाधान उक्त द्वारा किया गया। बैठक में अवधेश, दिवाकर तिवारी, हिमांशु मिश्र, प्रद्युम्न, प्रभाशंकर मिश्र, श्याम नारायण, कमला, आबिद अली, रमेश मिश्रा, अनीता, समेत कई शिक्षकगण उपस्थित रहे।

समस्याओं का निस्तारण को नपा अध्यक्ष ने दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 5, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 4. नगर पंचायत ओबरा में 1, नगर पंचायत रेनुकूट में 5, नगर पंचायत पिपरी में 3, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बाजार में 1. नगर पंचायत अनपरा में 2. समस्त निकायों में कुल 27 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र, द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर जेई राज कुमार, सभासद अनवर अली, मनोज चौबे, राकेश कुमार, अजीत सिंह विमलेश, संत सोनी आदि उपस्थित रहे।

हल्की बारिश में भी नहीं निकल पा रहा नालियों से नगर का पानी
आशु, पानी लगे सड़क पर धान लगाकर किया सांकेतिक विरोध
स्कूली बच्चों के जाने-आने में भी पैदा हो रही समस्याएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राबर्ट्सगंज विधानसभा के नगर राबर्ट्सगंज में फ्लाईओवर के नीचे धर्मशाला के पास सड़क पर लगे पानी को देखकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धान लगाकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। आशु दुबे ने कहा कि आज सुबह की हल्की बारिश में ही सड़क पर पानी अभी तक लगा हुआ है यहां तक की सड़क भी उखड़ गई है पानी के नीचे कितने गड्ढे हैं यह भी स्पष्ट नहीं हो पाता, इस स्थिति में वर्तमान समय में स्कूल खुल जाने के बाद चल रही टेंपो है जो कभी भी दुर्घटना का शिकार हो सकती हैं, स्कूली बच्चों को चोट भी आ सकती है इसका जिम्मेदार कौन है।वही नालियों का पानी सड़कों पर देखने को मिल जा रहा है, साफ सफाई न होने के कारण हल्की बारिश में ही पानी सड़कों पर जमा हो जाता है शहर के अंदर हमारे व्यापारी भाइयों को लगातार दिक्कतें पैदा हो रही है, पानी मे रहने वाले जानवर भी मकान में घुस रहे हैं, पूर्व में भी इसको लेकर नगर पालिका पर प्रदर्शन किया गया था जिस पर चेयरमैन साहिबा ने स्पष्ट किया था कि साफ सफाई किया भी गया है और बन रहे नालियों को लेकर उन्होंने कार्यदायी संस्था सी0एनपडी0एस0 पर आरोप लगाए थे, उसके पश्चात सी0एन0डी0एस0 का भी घेराव हम लोग के द्वारा किया गया था लेकिन ऐसा लगता है कि मानो अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। नालियों का पानी जो घरों में जा रहा है इसका जिम्मेदार कौन है यह स्पष्ट होना चाहिए।इसी को लेकर आज धान लगाकर सांकेतिक विरोध किया गया, यह मांग भी किया गया कि इसकी जल्द से जल्द भरपाई कर इसको सही किया जाए ताकि भविष्य में सड़कों पर पानी न लगे। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेता मनोज मिश्रा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को इसे संज्ञान में लेकर तत्काल प्रभाव से इसकी व्यवस्था करनी चाहिए ताकि सबको राहत मिल सके, युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा ने कहा कि ये मुख्यालय है अगर यहां की स्थिति इस प्रकार की है तो जिले की स्थिति किस प्रकार की होगी इसे समझा जा सकता है, कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि पानी नालियों में लग रहा है उसमें जालीय जंतु भी होते हैं मच्छर भी पैदा होंगे जिससे तमाम बीमारियां भी फैलेंगी इसका जिम्मेदार कौन होगा। कार्यक्रम मुख्य रूप से उपस्थित करने वालों में सोशल आउट रिच डिपार्टमेंट के जिला अध्यक्ष सुशील राव, युवा कांग्रेस विधानसभा घोरावल के अध्यक्ष अनिल चौबे, युवा कांग्रेस के जिला महासचिव दयाराम प्रजापति, राहुल जैन, प्रमोद प्रजापति, लक्ष्मी कुमार, आशीष कुमार के साथ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र द्वारा प्रतिदिन की भांति जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्राप्त जन शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश। प्रतिदिन की भांति आज दिनांक 15.07.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण एवं निष्पक्ष निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक महोदय ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई व महिला हेल्पडेस्क को अधिक प्रभावशाली और संवेदनशील बनाया जाए, ताकि आमजन को बार-बार पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न पड़े तथा उनकी समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन शिकायतों का निस्तारण थाना स्तर पर संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निष्पादित किया जाए। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों द्वारा भी अपने-अपने कार्यालयों/थानों पर जनसुनवाई करते हुए आमजन से प्राप्त शिकायतों का त्वरित व प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे पुलिस व जनता के मध्य विश्वास और सहयोग की भावना और अधिक सुदृढ़ हो सके।

सेवा निवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एशो ने जताया विरोध
पीएम सीएम नामित ज्ञापन उप जिलाधिकारी सौंपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सेवा निवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एशो. उ. प्र. जनपद शाखा सोनभद्र की ओर से एक दिवसीय धरना जिला जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष करते हुए पीएम व सीएम नामित अपनी सात सूत्री मांग पत्र देकर बुलंद किया आवाज।वही जिला अध्यक्ष सूरज बली सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे से संपन्न की गई जिसमें भारी संख्या में विभिन्न विभागों से सेवानिवृत कार्मिक उपस्थित रहे। धरना के माध्यम से (7)सात सुतिया मांग पत्र अपराह्न 2:00 बजे उप जिला अधिकारी को धरना स्थल पर प्राप्त कराया गया। धरना स्थल पर उपस्थित सदस्यों में डॉक्टर विकरमा प्रसाद, दयाराम सिंह, राम राजराम, सूरज प्रसाद पाठक, रामाशंकर प्रसाद, सावित्री देवी, जलधारी देवी, अर्जुन प्रसाद, अवधेश सिंह, आदि ने अपना विचार व्यक्त किया।अंत में सदैव संघर्ष के लिए तत्पर रहने की घोषणा के साथ उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए जनपद अध्यक्ष द्वारा सभा समापन की घोषणा की गयी।

फर्जी मुकदमा से लोकतंत्र को कुचलने का काम कर रही भाजपाः- कांग्रेस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र, घोरावल। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के विरुद्ध वाराणसी में दर्ज मुकदमे को लेकर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी सोनभद्र ने राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन तहसील में मौजूद तहसीलदार नटवर सिंह को दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोड़ व जिला महासचिव इनामुलहक अंसारी की अगुवाई मे पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष के विरुद्ध वाराणसी में मुकदमा दर्ज करने का प्रतिकार किया है। ज्ञापन के माध्यम से राज्यपाल से कहा गया है कि उनका ध्यान जनपद वाराणसी की ओर आकृष्ट कराना है। सनातनी, पावन, आस्था व विश्वास, धार्मिक मान्यता वाले शहर काशी में आम जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। सावन के इस पवित्र मास में भी श्रद्धालुओं की सुविधा का कोई इंतजाम नहीं किया गया है। डबल इंजन सरकार फर्जी विकास का डिंडोरा पीटती है और सिर्फ लुभावने नारे तक सीमित है। जनप्रतिनिधियों द्वारा आम जनता की तकलीफों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने पर दमनात्मक कार्यवाही की जा रही है और फर्जी मुकदमा दर्ज करवाकर लोकतंत्र को कुचलने का काम किया जा रहा है। जिसका ताजा उदाहरण 10 जुलाई को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री के नेतृत्व में वाराणसी के जिला एवं शहर अध्यक्ष सहित 10 कांग्रेसजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया जोकि फर्जी मुकदमा है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस पार्टी प्रदेश सरकार के इस अन्यायपूर्ण और अलोकतांत्रिक कार्यवाही का प्रतिकार करती है। जनप्रतिनिधियों का एक प्रमुख कार्य जनता की परेशानियों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराकर उससे निजात दिलाना है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ वाराणसी के जिला एवं शहर अध्यक्ष सहित तमाम कांग्रेसजनों ने वाराणसी में जलभराव, ध्वस्त सीवर, पीड़ित दुकानदार, रोपवे, जाम से परेशान जनता, कांवर यात्रियों की समस्याओं के निराकरण हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने हेतु पदयात्रा निकाल रहे थे, जिस पर प्रदेश सरकार के इशारे पर वाराणसी के सिगरा थाने में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री सहित 10 कांग्रेसनों पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। वाराणसी के सिगरा थाने में दर्ज फर्जी एफआईआर को रद्द कराने हेतु प्रदेश सरकार को निर्देशित करने एवं सावन माह में श्रद्धालुओ की सुविधा हेतु समुचित व्यवस्था कराने के लिए निर्देशित किया जाए, ज्ञापन सौंपने में राजबली पांडेय, मोहम्मद सौदागर, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता, राजन पांडेय, राहुल सिंह पटेल, लल्लू राम पान्डेय, मो हनीफ आदि लोग रहे।

एएसपी मुख्यालय सोनभद्र द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क में मंगलवार परेड की ली गई सलामी, किया गया निरीक्षण

शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़, अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए टोलीवार करवाया गया ड्रिल, यू0पी0-112 वाहनों की गहनता से की गयी चेकिंग, कर्मियों की किया गया गार्ड रजिस्टर पेशी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अनिल कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सोनभद्र द्वारा पुलिस लाईन चुर्क परेड ग्राउंड में मंगलवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। निरीक्षण के क्रम में महोदय द्वारा यू0पी0-112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण/सुरक्षा उपकरणों के सम्बंध में जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी व पुलिस लाईन चुर्क में चल रही जेटीसी का किया गया निरीक्षण, तत्पश्चात पुलिस लाईन चुर्क में स्थित क्वार्टर गार्द पर तैनात सलामी गार्द द्वारा एएसपी मुख्यालय महोदय को सलामी दी गयी जिसपर महोदय द्वारा सलामी का अभिवादन स्वीकार किया गया। इस दौरान क्वार्टर गार्द, स्टोर, परिवहन शाखा, मेस, पुलिस बैरक व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुलायम सिंह यादव के स्मृतियों में अनवरत वृक्षारोपण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में धरतीपुत्र श्रद्धेय नेता मुलायम सिंह यादव जी के स्मृतियों में अनवरत वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभ आरम्भ आज दिनांक 15 जुलाई 2025 दिन मंगलवार को घोरावल विधानसभा के मुठेर गांव में सुबह 11बजे 51 वृक्षों का रोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री राम निहोर यादव जी, विशिष्ट अतिथि, जिला उपाध्यक्ष श्री डॉक्टर लोकपति पटेल जी व जिला उपाध्यक्ष श्री त्रिपुरारी गौड जी, अनवरत वृक्षारोपण कार्यक्रम की संयोजक युवा नेता श्री विवेक सिंह पटेल जी, आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के सक्रिय युवा नेता अवनीश चतुर्वेदी जी ने मिलकर किया ! इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदरणीय श्री राम निहोर यादव जी ने कहा कि वृक्षारोपण हम समाजवादी लोगों ने माननीय नेता मुलायम सिंह जी के स्मृतियों में लाखों वृक्षारोपण इस कार्यक्रम के संयोजक विवेक सिंह पटेल जी के नेतृत्व में किया जाएगा और माननीय अखिलेश यादव जी के नीतियों को जन-जन तक पहुंचना है जिससे कि भाईचारा जनपद सोनभद्र में कोने-कोने तक यह संदेश जा सके ! जिला उपाध्यक्ष दो लोकपति पटेल जी व जिला उपाध्यक्ष त्रिपुरारी गौड ने सयुक्त कहा कि माननीय नेताजी मुलायम सिंह जी उनके कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों का जनपद सोनभद्र के प्रत्येक बूथ तक कार्यों को याद दिलाया जाएगा, जनपद सोनभद्र में लाखों वृक्षारोपण अनवरत किया जाएगा और पर्यावरण सुरक्षित संरक्षित किया जाए जिससे कि धारा धरोहर का श्रृंगार बढ़ता जाए ! बैठक में सभा को संबोधित करते हुए विवेक सिंह पटेल ने कहा हमारा इस कार्यक्रम का उद्देश्य श्रद्धेय नेता जी के स्मृतियों में जो भी वृक्ष रोपण किया जा रहा है जब वह बड़े होंगे वह छांव देंगे और पर्यावरण सुरक्षित संरक्षित करेंगे तो हम सभी लोग नेताजी के रूप में उसे मानते हुए स्वीकार करेंगे और इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाजवादी लोगों का है राष्ट्रवाद समाजवाद पर्यावरण सुरक्षित संरक्षित वाद करके माननीय अखिलेश यादव जी के हाथों को मजबूत किया जाएगा !इस कार्यक्रम में उपस्थित विनय गौड, आशीष यादव पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य श्री प्रकाश चौबे सुजीत चौबे हीरामन मुन्नीलाल आशीष चौबे सुनील चौबे धनेश्वर भारती नीरज रामदेव आदिवासी सुशीला आदिवासी अवधेश कुमार, सतेन्द्र, राहुल, गुलाब, गोलू, पप्पू, पंकज, शिखा, अतवारी एवं इत्यादि सैकड़ो लोगों की उपस्थित रहें!

धरती आबा जनजातीय अभियान के तहत जागरूकता एवं जनजातीय सशक्तिकरण शिविर कार्यक्रम का भव्य तरीके से पंचायत रिसोर्स सेन्टर में हुआ समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। धरती आबा जनजातीय अभियान के तहत जागरूकता एवं जनजातीय सशक्तिकरण शिविर

कार्यक्रम का भव्य समापन आज पंचायत रिसोर्स सेन्टर विकास भवन में किया गया, समापन कार्यक्रम का शुभारंभ मा0 केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री भारत सरकार दुर्गादास उईके, मा0 राज्यमंत्री समाज कल्याण विभाग श्री संजीव कुमार गौंड़ ने दीप प्रज्ज्वलन कर व भगवान बिरसा मुण्डा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किये, इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अशोक कुमार मीणा, मा0 उपाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग श्री जीत सिंह खरवार, संजय गोड़ अनुसूचित जनजाति आयोग के प्रदेश अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रासद, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नन्दलाल गुप्ता, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा सिंह, महामंत्री भाजपा श्री कृष्ण मुरारी गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य श्री मोहन कुशवाहा, श्री श्रवण गौंड़, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी सहित सम्मानित जनप्रतिनिधिगण व अधिकारीगण उपस्थित रहें। इस दौरान कस्तुरबा गॉधी बालिका विद्यालय के छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना व स्वागत गीत, करमा नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति की गयी। इस अवसर पर मा0 केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री भारत सरकार श्री दुर्गादास उईके ने उपस्थित जनमानस व विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश मा0 प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 02 अक्टूबर,2024 को धरती आबा कार्यक्रम की शुरूआत की थी, धरती आबा एक योजना नहीं बल्कि यह एक विजन है, जिसमें समाज के अति पिछड़े जनजाति बाहुल्य गांवों में 17 विभागों द्वारा मिलकर समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्य धारा में जोड़ने हेतु केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज इस पवित्र भूमि सोनभद्र पर आकर, आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत हर्ष और गौरव की अनुभूति हो रही है, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं सोनभद्र की पवित्र धरती पर उपस्थित हूं - एक ऐसा जिला जो समृद्ध जनजातीय विरासत और अटूट आत्मबल का प्रतीक है। आज का यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, बल्कि जनजातीय सशक्तिकरण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराने का है। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी सरकार के उस संकल्प का प्रतीक है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और सबका प्रयास के मूल मंत्र पर आधारित है। आज हम यहाँ 'धरती आबा जनभागीदारी अभियान' के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर खड़े हैं, जहाँ हम अपने जनजातीय समाज के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए मिलकर काम करने का संकल्प दोहरा रहे हैं। धरती आबा जनभागीदारी अभियान आजादी के बाद का सबसे बड़ा जनजातीय सशक्तिकरण अभियान हैं, यह अभियान 15 जून 2025 को प्रारंभ हुआ और 14 जुलाई 2025 को आज परिवर्तन की ऐतिहासिक गाथा रची गई। इस अभियान में 520 जनजातीय बहुल जिले, 2700 विकास खंड, 52,000 ग्राम स्तरीय शिविर, 1.36 करोड़ जनजातीय नागरिकों की भागीदारी, प्रत्यक्ष लाभ दृ जनजातीय नागरिकों तक पहुंचा शासन, 11.5 लाख आधार नामांकन/संशोधन, 9.5 लाख आयुष्मान भारत कार्ड जारी, 3.8 लाख नए जनधन खाते खोले गए, 4.2 लाख किसान लाभान्वित (पीएम किसान), 7.37 लाख सिकल सेल रोग की स्क्रीनिंग, 30 दिनों में वह कार्य हुआ जो पहले वर्षों में होता था। उन्होंने कहा कि जब हम जनजातीय समाज के उत्थान की बात करते हैं, तो हमें आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और उनके अटूट संकल्प को याद करना होगा। प्रधानमंत्री जी ने हमेशा जनजातीय समुदायों को देश के विकास की मुख्यधारा में लाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि जनजातीय समाज केवल लाभार्थी न रहे, बल्कि राष्ट्र निर्माण में एक सक्रिय भागीदार बने, उनका मानना है कि जनजातीय का गौरव ही राष्ट्र गौरव है। इसी सोच के साथ, हमारी सरकार ने जनजातीय कल्याण के लिए कई अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनधन), जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, देश के सबसे वंचित और दूरस्थ जनजातीय समूहों, विशेष रूप से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। यह अभियान उन लाखों भाई-बहनों के जीवन में बदलाव लाने के लिए शुरू किया गया है, जो दशकों से विकास की दौड़ में पीछे छूट गए थे। प्रधानमंत्री जी ने स्वयं इस अभियान की शुरुआत की और यह सुनिश्चित किया कि सरकार की हर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। पीएम जनधन के तहत, हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सड़क संपर्क, सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता, और आजीविका के अवसरों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस अभियान का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि देश के हर कोने में रहने वाले हमारे जनजातीय भाई-बहनों को भी वे सभी मूलभूत सुविधाएँ मिलें, जो किसी भी अन्य नागरिक को मिलती हैं। यह केवल सरकारी योजनाएँ पहुँचाना नहीं है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाना, उन्हें सम्मानजनक जीवन देना और उन्हें सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि बजट में वृद्धि, व पिछले एक दशक में मंत्रालय का बजट 4,000 करोड़ 12,000 करोड़ तक बढ़ चुका है, योजनाओं में शिक्षा में क्रांति, 476 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, 30 लाख छात्रवृत्तियाँ प्रतिवर्ष व एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय यह हमारी सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। देश भर में दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त एकलव्य विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। इन विद्यालयों में जनजातीय बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर भी प्रदान किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मा0 राज्य मंत्री समाज कल्याण विभाग श्री संजीव कुमार गौंड़ ने कहा कि आज हम जिस धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत यहाँ एकत्रित हुए हैं, यह उसी बड़े संकल्प का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपनी भूमि, अपनी संस्कृति और अपने लोगों के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, यह अभियान भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों से प्रेरित है और इसका उद्देश्य जनजातीय गाँवों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना है। इसी प्रकार से अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार ने उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि कोई भी विकास तब तक सफल नहीं हो सकता, जब तक उसमें स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी न हो। यह अभियान जनजातीय समुदायों को अपनी आवश्यकताओं को पहचानने, अपनी समस्याओं का समाधान खोजने और अपने विकास की दिशा तय करने में सक्षम बनाता है। इसमें ग्राम सभाओं को सशक्त किया जा रहा है, स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है, और उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह अभियान जनजातीय गाँवों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण के केंद्र के रूप में विकसित करने पर केंद्रित है। यह अभियान शासन और समाज के बीच सेतु का कार्य, विकसित भारत /2047 के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभायी है। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद राबर्ट्सगंज श्रीमती रूबी प्रसाद, श्रवण कुमार गौंड, संजय गोंड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को मा0 मंत्री जी ने स्वीकृति प्रमाण-पत्र का वितरण भी किये, प्रधान मंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, निराश्रित महिला पेंशन, दिव्यांग जन प्रमाण-पत्र, स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत शौचालय स्वीकृति पत्र व वनाधिकार पट्टे की खतौनी सहित विभिन्न स्वीकृति प्रमाण-पत्र का वितरण किये। इस दौरान मा0 मंत्री जी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टाल का भी निरीक्षण किये।

भारत ने लॉर्ड्स टेस्ट कैसे गंवाया, 5 कारणःजडेजा-राहुल पर ज्यादा निर्भर हुए, 63 एक्स्ट्रा रन दिए; आर्चर और स्टोक्स की बेहतरीन बॉलिंग

नयी दिल्ली। भारत ने लॉर्ड्स स्टेडियम में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट 22 रन से गंवा दिया। 193 रन के टारगेट के सामने मुकाबले के आखिरी दिन टीम इंडिया 170 रन ही बना सकी। इसी के साथ इंग्लैंड ने 5 टेस्ट की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। भारत की हार में बैटर्स का खराब प्रदर्शन सबसे बड़ी वजह रहा। कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और करुण नायर दोनों पारियों में फ्लॉप रहे। वहीं टीम के लोअर बैटर्स दोनों ही पारियों में बैट से कमाल नहीं कर सके। गेंदबाजी मजबूत रही, इसके बावजूद टीम पहली पारी में बढ़त नहीं ले सकी। इंग्लिश टीम में जोफ्रा आर्चर की वापसी और लॉर्ड्स की पिच पर टॉस गंवाना भी भारत की हार की वजह बना। भारत ने 63 एक्स्ट्रा रन भी दिए।कारण-1: राहुल, पंत, जडेजा पर निर्भरता; करुण, यशस्वी, शुभमन नहीं चले लीड्स और बर्मिंघम टेस्ट में जहां भारत की बैटिंग शानदार रही थी, वहीं लॉर्ड्स टेस्ट में टीम की बैटिंग ने ज्यादा निराश किया। शुरुआती 2 टेस्ट में शुभमन गिल ने 3 और यशस्वी जायसवाल ने 1 शतक लगाया था। इस बार दोनों मिलकर 39 रन ही बना सके। शुरुआती 2 टेस्ट में 1 भी फिफ्टी नहीं लगा सके करुण भी 40 और 16 रन के स्कोर पर आउट हो गए। यशस्वी, शुभमन और करुण के खराब प्रदर्शन ने केएल राहुल, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा पर निर्भरता बढ़ा दी। राहुल ने 100 और 39 रन की पारियां खेलीं। पहली पारी में पंत ने 74 बनाए। वहीं जडेजा ने 72 और 61 रन की पारियां खेलीं, लेकिन तीनों को बाकी बैटर्स का साथ नहीं मिला। इसलिए टीम मजबूत स्थिति के बावजूद पहली पारी में बढ़त हासिल नहीं कर पाई।कारण-2: लोअर ऑर्डर की फ्लॉप बैटिंग, दोनों पारियों में कोलैप्स पहली पारी में गेंदबाजों ने इंग्लैंड को 387 रन के कम स्कोर पर समेट दिया। भारत का स्कोर एक समय 376/6 था, यहां से टीम ने 11 रन बनाने में ही आखिरी 4 विकेट गंवा दिए। दूसरी पारी में राहुल ही 39 रन बना सके। उन्हें छोड़कर जडेजा ने ही थोड़ी फाइट दिखाई, बाकी बैटर्स 15 से कम रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए। दूसरी पारी में मुकाबला जीतने के लिए भारत को 193 रन ही चाहिए थे। यहां यशस्वी और वॉशिंगटन सुंदर खाता भी नहीं खोल सके। नायर ने 14, शुभमन ने 6, पंत ने 9 और नीतीश रेड्डी ने 13 रन बनाए। टीम ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 58 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। फिर पांचवें दिन के पहले सेशन में भी 24 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए। 112 रन पर 8वां विकेट गिरते ही टीम की हार भी कन्फर्म हो गई।कारण-3: पिच कठिन होते चली गई लॉर्ड्स की पिच भी मुकाबला खत्म होते-होते बैटर्स के लिए मुश्किल हो गई। पहले दिन 251 रन बने और 4 विकेट गिरे। यानी औसतन 63 रन बनाने में 1 विकेट गिरा। दूसरे दिन औसत गिरकर 31 पर पहुंच गया। मुकाबले के तीसरे दिन औसत हल्का सा बढ़कर 35 पर पहुंचा। वहीं चौथे दिन 18 पर आ गया। चौथे दिन इंग्लैंड ने 10 और भारत ने 4 विकेट गंवा दिए। फिर पांचवें दिन के पहले सेशन में भी भारत ने 54 रन बनाने में 4 विकेट गंवा दिए। यानी आखिरी दिन औसत महज 14 रन का हो गया। बल्लेबाजों की परेशानी की बड़ी वजह लॉर्ड्स की बाउंस और स्विंग रही। जो हर दिन के साथ बदलती चली गई। आंकड़ों से भी साफ जाहिर है कि पिच बैटिंग के लिए मुश्किल होती चली गई। इसलिए टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फायदा इंग्लैंड को बखूबी मिला।कारण-4: जोफ्रा आर्चर की वापसी, स्टोक्स की बॉलिंग तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 4 साल बाद इंग्लैंड की टेस्ट टीम में वापसी की है। उन्होंने पहली पारी में अपने पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल को पवेलियन भेज दिया। उन्होंने 23.2 ओवर में 6 मेडन फेंके और महज 2.22 की इकोनॉमी से रन खर्च कर 2 विकेट झटक लिए। सेकेंड इनिंग्स में तो आर्चर ने बेहतरीन रिदम हासिल कर ली। उन्होंने फिर एक बार यशस्वी जायसवाल को कैच कराया। फिर मुकाबले के पांचवें दिन ऋषभ पंत और वॉशिंगटन सुंदर को पवेलियन भेज दिया। पंत को उन्होंने बोल्ड किया, वहीं सुंदर का कैच अपनी ही बॉलिंग पर कर लिया। दूसरी पारी में आर्चर को कप्तान बेन स्टोक्स का बखूबी साथ मिला। जिन्होंने 24 ओवर फेंके और महज 48 रन देकर 3 विकेट झटक लिए। स्टोक्स और आर्चर दोनों ने मैच में 5-5 विकेट लिए।कारण-5: इंग्लैंड का लोअर ऑर्डर; ज्यादा एक्स्ट्रा रन देना टीम इंडिया के लोअर ऑर्डर बैटर्स जहां पूरी सीरीज में निराश कर रहे हैं, वहीं इंग्लैंड अपने इन्हीं बैटर्स की मदद से ज्यादा स्कोर बना ले रहा है। पहली पारी में टीम ने अपने 7 विकेट 271 रन पर गंवा दिए थे। यहां से ब्रायडन कार्स ने जैमी स्मिथ के साथ पारी संभाली और टीम को 350 के पार पहुंचा दिया। कार्स ने 56 और स्मिथ ने 51 रन बनाए। कार्स ने तो खुलकर शॉट्स खेले और टीम का स्कोर 387 रन तक पहुंचा दिया। दूसरी ओर भारत 6 विकेट गंवाने के बाद भी 11 रन ही बना सका। दूसरी पारी में दोनों टीमों का लोअर ऑर्डर फ्लॉप रहा। दोनों पारियां मिलाकर भारत ने एक्स्ट्रा रन भी ज्यादा दिए। टीम ने पहली पारी में 13 लेग बाय छोड़कर 18 एक्स्ट्रा रन दिए। दूसरी पारी में यह बढ़कर 26 हो गए। यानी मैच में 44 एक्स्ट्रा रन। जबकि इंग्लैंड ने 18 रन ही एक्स्ट्रा दिए। लेग बाय के भी एक्स्ट्रा गिनें तो भारत ने 63, जबकि इंग्लैंड ने 30 ही एक्स्ट्रा रन खर्च किए। भारत ने महज 22 रन से मैच गंवाया।

जडेजा 600 विकेट, 7000 रन बनाने वाले दूसरे भारतीयःबैट से गेंद लगने के बाद बोल्ड हुए सिराज

नयी दिल्ली। लॉर्ड्स स्टेडियम में 5 दिन चले रोमांचक टेस्ट में इंग्लैंड ने भारत को 22 रन के करीबी अंतर से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने 5 टेस्ट की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। 5वें दिन रवींद्र जडेजा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 7000 रन बनाने के साथ 600 विकेट लेने का रिकॉर्ड बना लिया।नीतीश कुमार रेड्डी लंच सेशन से ठीक पहले आउट हो गए। जडेजा और ब्रायडन कार्स में बहस हुई। वहीं जोफ्रा आर्चर ने वॉशिंगटन सुंदर का बेहतरीन कैच पकड़ा। मोहम्मद सिराज ने शोएब बशीर की गेंद को डिफेंड किया, गेंद उनके बैट पर भी लगी, लेकिन क्रीज पर टप्पा खाकर स्टंप्स से टकरा गई।1. जडेजा ने इंग्लैंड में लगातार चौथी फिफ्टी लगाई रवींद्र जडेजा लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में 61 रन बनाकर नॉटआउट रहे। उन्होंने टेस्ट सीरीज में लगातार चौथी फिफ्टी लगाई। जडेजा ने पहली पारी में 72 रन बनाए थे। उन्होंने दूसरे टेस्ट की दोनों पारियों में भी फिफ्टी लगाई थी। जडेजा इंग्लैंड में लगातार 4 फिफ्टी लगाने वाले भारत के तीसरे ही टेस्ट प्लेयर बने। उनसे पहले ऋषभ पंत और सौरव गांगुली ही ऐसा कर सके।2. 72 साल बाद भारतीय ने लॉर्ड्स टेस्ट में 2 फिफ्टी लगाईं रवींद्र जडेजा लॉर्ड्स टेस्ट की दोनों पारियों में फिफ्टी लगाने वाले दूसरे ही भारतीय बने। उनसे पहले 1952 में विनू मांकड ने पहली पारी में 72 और दूसरी पारी में 184 रन बनाए थे। इन 2 के अलावा कोई भी भारतीय लॉर्ड्स टेस्ट की दोनों पारियों में 50 प्लस स्कोर नहीं बना सका।3. जडेजा के 7000 इंटरनेशनल रन पूरे रवींद्र जडेजा 61 रन बनाकर दूसरी पारी में नॉटआउट रहे। इसी के साथ उन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 7 हजार रन पूरे कर लिए। उनके नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 611 विकेट भी हैं। जडेजा 600 विकेट के लेने के साथ 7 हजार रन बनाने वाले भारत के दूसरे ही प्लेयर बने। उनसे पहले पूर्व कप्तान कपिल देव ही ऐसा कर सके। कपिल के नाम 687 विकेट और 9031 रन हैं। टॉप मोमेंट्स- 1. डीआरएस के कारण आउट हुए राहुल भारत के ओपनर केएल राहुल रिव्यू के कारण आउट हुए। 24वें ओवर की पांचवीं बॉल बेन स्टोक्स ने गुड लेंथ पर इन स्विंगर फेंकी। गेंद राहुल के पैड्स पर लगी, इंग्लैंड ने एलबीडब्लू की अपली की, लेकिन अंपायर ने नॉटआउट का इशारा दे दिया। कप्तान स्टोक्स ने रिव्यू लिया, रिप्ले में नजर आया कि बॉल स्टंप्स को लग रही है। अंपायर ने अपना फैसला बदला और राहुल को 39 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा। उन्होंने पहली पारी में शतक लगाया था। 2. आर्चर ने सुंदर का बेहतरीन कैच पकड़ा वॉशिंगटन सुंदर ने 25वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर का एक हाथ से बेहतरीन कैच पकड़ा। ओवर की चौथी बॉल उन्होंने फुलर लेंथ फेंकी। सुंदर फ्लिक करने गए, लेकिन गेंद आर्चर के दाएं हाथ की ओर ही खड़ी हो गई। आर्चर दौड़े और डाइव लगा दी। उन्होंने एक हाथ से ही कैच भी पकड़ लिया। सुंदर खाता भी नहीं खोल सके। आर्चर ने सुंदर के विकेट से पहले ऋषभ पंत को बोल्ड भी किया था।3. जडेजा और कार्स में बहस हुई रन लेने के दौरान रवींद्र जडेजा और ब्रायडन कार्स में बहस हो गई। कार्स ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट ऑफ गुड लेंथ बॉल फेंकी। जडेजा ने डीप बैकवर्ड पॉइंट की ओर शॉट खेला और रन लेने के लिए दौड़ पड़े। रास्ते में वे कार्स से टकरा गए, जिन्होंने उन्हें पकड़ने की भी कोशिश की। इसके बावजूद जडेजा ने 2 रन पूरे कर लिए। रन पूरा करने के बाद जडेजा कार्स को गुस्से में कुछ कहते नजर आए। इस पर कार्स ने भी पलटवार किया। दोनों में बहस इतनी बढ़ गई कि अंपायर और इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स को बीच बचाव के लिए आना पड़ा।4. लंच से ठीक पहले आउट हुए रेड्डी भारत के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी पहले सेशन के आखिरी ओवर में कॉट बिहाइंड हो गए। 40वें ओवर की तीसरी बॉल क्रिस वोक्स ने गुड लेंथ पर आउट स्विंगर फेंकी। रेड्डी डिफेंड करने गए, लेकिन कॉट बिहाइंड हो गए। रेड्डी 13 रन बनाकर आउट हुए। 5. डीआरएस के कारण बचे जडेजा 48वें ओवर में रवींद्र जडेजा डीआरएस लेने के कारण बच गए। ओवर की चौथी बॉल क्रिस वोक्स ने गुड लेंथ पर इन स्विंगर फेंकी। गेंद जडेजा के पैड्स पर लगी, इंग्लैंड ने एलबीडब्लू की अपील की और अंपायर ने आउट का फैसला दे दिया। जडेजा ने रिव्यू लिया, रिप्ले में नजर आया कि बॉल का इम्पैक्ट ऑफ स्टंप के बाहर हुआ है। इस कारण वे नॉटआउट रहे। अंपायर ने अपना फैसला बदला। जडेजा ने अगली ही गेंद पर आगे निकलकर छक्का लगा दिया।

6. बैट पर गेंद लगने के बाद भी बोल्ड हुए सिराज भारत से नंबर-11 पर बैटिंग करने उतरे मोहम्मद सिराज अजीब तरीके से आउट हुए। 75वें ओवर की पांचवीं बॉल शोएब बशीर ने गुड लेंथ पर फेंकी। सिराज ने बैकफुट पर डिफेंस किया। गेंद उनके बैट से लगी, लेकिन पिच पर टप्पा खाकर स्टंप्स से टकरा गई।सिराज 4 रन बनाकर बोल्ड हुए और भारत ने अपना 10वां विकेट और मैच गंवा दिया। सिराज के सामने रवींद्र जडेजा 61 रन के स्कोर पर नॉटआउट रह गए। उन्होंने जसप्रीत बुमराह और सिराज के साथ मिलकर 58 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

एक साथ लंदन में वेकेशन मना रहे चहल-महवश?, इंस्टाग्राम पर सेम लोकेशन से तस्वीरें शेयर कीं; डेटिंग पर क्रिकेटर ने हाल में किया था रिएक्ट

नयी दिल्ली। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और आरजे महवश अपनी लव लाइफ को लेकर फिर से लाइमलाइट में हैं। दोनों के हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट से डेटिंग की अटकलें लगने लगी है। इस वक्त उन दोनों के पोस्ट में एक जैसे बैकग्राउंड दिखे हैं, जिसके बाद फैंस कयास लगा रहे हैं कि वे साथ में क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं।क्रिकेटर युजवेंद्र चहल हाल ही में ऋषभ पंत और अभिषेक शर्मा रूमर्ड कपल लंदन में है। दोनों का एक ही जगह होना और सेम बैकग्राउंड के साथ फोटो डालना, फैंस का ध्यान खींचा है। दरअसल, आरजे महवश ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट कीं,जिसमें वो लंदन की सड़कों पर शॉर्ट स्कर्ट, ट्रेंडी टॉप, सफेद ट्रेनर में नजर आ रही हैं। उनके पोस्ट के कुछ ही देर बाद, चहल ने उसी जगह से अपनी फोटो शेयर कीं, जिसमें उन्होंने नीली शर्ट और जींस पहनी हुई थी।दिलचस्प बात यह है कि दोनों ने साथ में कोई तस्वीर पोस्ट नहीं की है और न ही इस बात की पुष्टि की है कि वे दोनों साथ में छुट्टियां मना रहे हैं। हालांकि के साथ द ग्रेट इंडियन कपिल शो का हिस्सा बने थे। इस दौरान कृष्णा अभिषेक लड़कियों की तरह तैयार हुए और युजवेंद्र की जमकर खिंचाई की। आरजे महवश के नाम पर जब चहल से सवाल पूछा गया, तब उन्होंने शो में साफ कह दिया था कि पूरा इंडिया उनके रिलेशनशिप स्टेटस को जान चुका है।युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक के बाद से ही क्रिकेटर को कई मौकों पर साथ स्पॉट किया गया है। कुछ समय पहले ही दोनों की डिनर डेट का एक वीडियो सामने आया था। इसके अलावा भी महवश कई बार युजवेंद्र के साथ क्रिकेट मैच में साथ स्पॉट हुई हैं।

वरुण आरोन सनराइजर्स हैदराबाद के नए बॉलिंग कोच बनेःफ्रेंचाइजी ने कहा- कोचिंग में आक्रामक बॉलर का स्वागत है, भारत से 9 टेस्ट खेले

नयी दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 सीजन के लिए वरुण आरोन को अपना नया गेंदबाजी कोच बनाया है। वे न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स फ्रैंकलिन की जगह लेंगे। एसआरएच ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, हमारे कोचिंग स्टाफ में एक आक्रामक बॉलर का स्वागत है। वरुण आरोन एसआरएच के नए बॉलिंग कोच होंगे।वरुण आरोन ने 2011 से 2015 के बीच भारत के लिए 9 टेस्ट और 9 वनडे खेले थे। इस साल 5 जनवरी को जयपुर में गोवा के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी का मैच उनका आखिरी मुकाबला रहा। झारखंड की टीम नॉकआउट में नहीं पहुंच सकी और इसके बाद आरोन ने अपने क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया।35 साल के आरोन ने तेज गेंदबाज के रूप में शानदार शुरुआत की थी और 150 किमी/घंटा से ऊपर की गति से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा था। उस समय चयनकर्ताओं ने उन पर और उमेश यादव पर खास ध्यान दिया था।

हिसार की बेटी का भारतीय हैंडबॉल टीम में चयनःएशियन यूथ वूमेन चैंपियनशिप में दिखाएंगी दम, 15 जुलाई से चीन में आयोजित

नयी दिल्ली। हिसार जिले के बिठमड़ा गांव स्थित डीसीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल की स्टूडेंट अमृता उर्फ मीतू ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गांव, क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन किया है। अमृता का चयन 11वीं एशियन यूथ वूमेन हैंडबॉल चैंपियनशिप 2025 के लिए भारतीय हैंडबॉल टीम में हुआ है। यह प्रतियोगिता 15 जुलाई से 24 जुलाई 2025 तक चीन में आयोजित की जाएगी।हैंडबॉल एसोसिएशन के मुख्य सचिव तेज राज ने जानकारी देते हुए बताया कि अमृता ने हाल ही में आयोजित इंडिया कैंप में शानदार प्रदर्शन किया, जिसके आधार पर उसे टीम इंडिया में शामिल किया गया। तेज राज ने विश्वास जताया कि भारत की टीम इस बार बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त करेगी। टीम इंडिया के कोच नवीन पुनिया, सचिन चौधरी, साईं कोच कार्तिकेय और अरुण का भी विशेष धन्यवाद किया गया, जिन्होंने खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार किया। हैंडबॉल कोच कपिल, सुनील, सुरेंद्र, राजेश दलाल, धर्मवीर, स्कूल स्टाफ, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों ने भी खुशी जाहिर करते हुए अमृता को ढेरों शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर कोच सुखविंद्र, मुनिश, बहादुर, रमेश और पूजा के योगदान को भी सराहा गया और उनकी मेहनत की खुले दिल से प्रशंसा की गई।अमृता की यह उपलब्धि न सिर्फ बिठमड़ा गांव, बल्कि पूरे उकलाना क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उसकी लगन, मेहनत और समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।इस शानदार उपलब्धि पर डीसीएम स्कूल के चेयरमैन संजय डीसीएम, डायरेक्टर राजू डीसीएम, प्रिंसिपल सुनील शर्मा, मंजू सेहरा और गुरमेल ने अमृता को ढेरों शुभकामनाएं दीं। साथ ही भारत के मुख्य सचिव हेतराज, हरियाणा सचिव संदीप कोटिया, हिसार सचिव राजेश ग्रेवाल को भी बधाई दी गई।

गाली दी, कंधा मारा, फिर भी सजा नहीं... आईसीसी के रवैये पर भड़का दिग्गज, मोहम्मद सिराज को बनाया निशाना

नयी दिल्ली। लंदनः इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने आईसीसी पर खिलाड़ियों को आचार संहिता तोड़ने पर जुर्माना लगाने में एकरूपता न बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने मोहम्मद सिराज पर बेन डकेट को आक्रामक विदाई देने के लिए मैच फीस का 15फीसदी जुर्माना लगाने पर सवाल उठाया। ब्रॉड ने यह भी पूछा कि भारत के कप्तान शुभमन गिल को लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान लाइव टेलीविजन पर 'गाली' देने के बावजूद क्यों छोड़ दिया गया। सिराज और गिल को मिलनी चाहिए सजा- ब्रॉड ब्रॉड का मानना है कि आईसीसी को या तो सिराज और गिल दोनों पर जुर्माना लगाना चाहिए था या किसी पर भी नहीं। उनका कहना है कि 'निरंतरता महत्वपूर्ण है' और अगर खिलाड़ी आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करते

बैडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल पति से अलग हुईंःबोलीं- बहुत सोचने के बाद हम दोनों ने फैसला लिया; 7 साल पहले लव मैरिज की थी

नयी दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन प्लेयर साइना नेहवाल ने रविवार देर रात अपने पति और बैडमिंटन प्लेयर पारुपल्ली कश्यप (पी. कश्यप) से अलग होने की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी में लिखा, 'बहुत सोच-विचार के बाद, कश्यप और मैंने अलग होने का फैसला किया है।' साइना ने लिखा, 'जिंदगी कभी-कभी हमें अलग-अलग दिशाओं में ले जाती है। हम एक-दूसरे के लिए शांति, तरक्की और उबरना चुन रहे हैं। मैं उनके साथ सभी यादों के लिए आभारी हूं और आगे के लिए शुभकामनाएं देती हूं। हमारी निजता को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद।' साइना नेहवाल ने 14 दिसंबर, 2018 को कश्यप पारुपल्ली के साथ लव मैरिज की थी। दोनों 2007 से रिलेशनशिप में थे। हालांकि, 2005 से एक-दूसरे को जानते थे। अपने करियर के शुरुआती दिनों में दोनों हैदराबाद के पुलेला गोपीचंद एकेडमी में एक साथ ट्रेनिंग करते थे। साइना ने हैदराबाद में पी. कश्यप से उनके घर पर शादी की थी। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। दोनों ने 16 दिसंबर, 2018 को हैदराबाद के नोवोटेल होटल में अपनी शादी की रिसेप्शन पार्टी दी थी। इस हाई-प्रोफाइल रिसेप्शन पार्टी में खेल जगत से लेकर चामुंडेश्वरनाथ, किदांबी श्रीकांत, ज्वाला गुट्टा, अश्विनी पोनप्पा, सुधीर बाबू और सिनेमा इंडस्ट्री से नागार्जुन, रकुल प्रीत सहित कई चर्चित चेहरे शामिल हुए थे। साइना ने फैशन डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी का डिजाइन किया हुआ नीला रंगे का वेलवेट लहंगा पहना था। वहीं कश्यप ने सिल्क की ब्लू शेरवानी पहनी थी, जिस पर हाथ से कारीगरी की गई थी। सब्यसाची ने एक ट्वीट में कपल के कपड़ों की डिटेल्स शेयर की थी।हरियाणा की रहने वाली साइना नेहवाल ओलिंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। उन्होंने लंदन ओलिंपिक-2012 में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। वे 2015 में विमेंस सिंगल्स रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर?-1 प्लेयर रह चुकी हैं। साइना बैडमिंटन में वर्ल्ड नंबर-1 रैंक हासिल करने वाली एकमात्र महिला भारतीय खिलाड़ी हैं। वे 3 ओलिंपिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। साइना ने 2010 और 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। साइना ने 2008 में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन विश्व जूनियर चैंपियनशिप जीतकर सुर्खियां बटोरी थीं। उसी साल उन्होंने पहली बार ओलंपिक में हिस्सा लिया। वह ओलिंपिक क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उन्होंने हॉन्गकॉन्ग की तत्कालीन वर्ल्ड नंबर-5 खिलाड़ी वांग चेन को हराया था, लेकिन इंडोनेशिया की मारिया क्रिस्टिन युलियांती से हार गईं। 2009 में, साइना बीडब्लूएफ सुपर सीरीज प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। साइना को 2009 में अर्जुन अवॉर्ड और 2010 में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पारुपल्ली कश्यप तेलंगाना के हैदराबाद के रहने वाले हैं। उन्होंने 2014 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। यह 32 सालों में किसी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी का कॉमनवेल्थ गेम्स में पहला मेडल था। कश्यप ने पूर्व ऑल-इंग्लैंड चैंपियन प्रकाश पादुकोण और पुलेला गोपीचंद, दोनों के स्टूडेंट रहे हैं। वह 2012 में ओलिंपिक के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी भी हैं। 2013 में कश्यप वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-6 थे। यह उनके करियर की सबसे ऊंची रैंक थी। हालांकि, लगातार चोटों के कारण लंबे समय तक इस पोजिशन पर नहीं टिक सके।

टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सबसे कम स्कोरःवेस्टइंडीज 27 पर सिमटा ऑस्ट्रेलिया 176 रन से जीता; सीरीज 3-0 से क्लीन स्वीप

नयी दिल्ली। वेस्टइंडीज की टीम किंग्स्टन टेस्ट की दूसरी पारी में 27 रन पर ऑलआउट हो गई। यह टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले 1955 में न्यूजीलैंड 26 रन पर सिमट गई थी। ऐसे में यह 70 साल का सबसे छोटा स्कोर है। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 176 रन से जीत लिया। साथ ही कंगारू टीम टेस्ट सीरीज भी 3-0 से अपने नाम कर ली। इस लो स्कोरिंग मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 225 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 143 रन पर सिमट गई। अपनी दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 121 रन से आगे नहीं बढ़ सकी इस तरह वेस्टइंडीज को 204 रन का टारगेट मिला। तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 99/6 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से अल्जारी जोसेफ ने 5 और और शमार जोसेफ ने 4 विकेट लिए।

आप किसी आइडिया को अच्छा या बुरा नहीं बता सकते

पिछले सप्ताहांत, प्योर लीफ नामक एक चाय कंपनी ने न्यूयॉर्क के एक व्यस्त चौराहे पर न्यूयॉर्कवासियों को मुफ्त आइस्ड टी दी। इसे एक व्यस्त चौराहे के बीच रखा गया, जहां लोग वॉक करते हैं और आसपास की नर्म हरी घास में आराम करते हैं।उन्होंने वहां कुछ बड़े छाते लगाए और उनके नीचे सोफा लगा दिए। इस प्रकार गर्मी में कुछ मिनट बैठने के लिए छायादार जगह बन गई। वहीं उन्होंने अपनी वेंडिंग मशीन लगा दी, जो मुफ्त आइस्ड टी पेश कर रही थी। उस क्षेत्र में टहल रहे लोग पहले मुफ्त चाय लेने के लिए बटन दबाने की कोशिश करते। लेकिन इंटरेक्टिव मशीन मना कर देती। मशीन बार-बार कहती कि 'अपना फोन मशीन के बाईं ओर लगे चार्जिंग पैड पर रखें।' लोग बेमन से फोन चार्ज होने के लिए उस पैड पर रख देते। फिर मशीन कहती, 'टी ब्रेक शुरू करने के लिए यहां दबाएं।' विस्मयकारी तरीके से जैसे ही लोग उन शब्दों को दबाते, चार्जिंग पैड का लोहे का दरवाजा तुरंत लॉक हो जाता। फोन भी इसमें अंदर बंद हो जाता। लोग जोर लगा कर दरवाजा खोलने की कोशिश करते, लेकिन असफल रहते। वो चारों ओर देखते कि कुछ लोग चाय की बोतल से चुस्कियां लगाते हुए उनकी ओर मुस्करा रहे हैं। और उसी वक्त मशीन आइस्ड टी की एक बोतल बाहर निकाल देती। लोग

बिना इच्छा के बोतल लेते और इस चिंता के साथ सोफे पर बैठ जाते कि उनका फोन कब वापस मिलेगा? जैसे ही एक मिनट बीतता, नौ मिनट पहले अपना फोन चा?र्जिंग पैड पर रखने वाला कोई दूसरा व्यक्ति मशीन के सामने खड़ा होता और दसवें मिनट पर मशीन खुल जाती। उसका फोन वापस दे देती। व्यक्ति कहता 'वाह, क्या टी ब्रेक था'। आइस्ड टी पीने वाले 78फीसदी लोगों ने सप्ताह के अंतिम दिन फोन से दस मिनट का ब्रेक लेने के बाद बेहतर महसूस किया। और ब्रांड ने इस बात को समझाया कि गैजेट्स से दस मिनट का ब्रेक भी आपको तरोताजा कर सकता है। यह न्यूयॉर्क में हाल ही किया गया एक मार्केटिंग कैम्पेन था, जिसमें वेंडिंग मशीनों का उपयोग करके लोगों को 'वायर्ड' (तकनीकी की) दुनिया से छोटा-सा ब्रेक लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कैम्पेन के संदेश से मेल खाता है कि आराम करने और रिफ्रेश होने के लिए समय निकालना फायदेमंद है। अंततः इस ब्रांड प्रमोशन में इस बात पर जोर दिया गया कि छोटे-से ब्रेक का भी तंदुरुस्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मुझे यह उपाय बेहद कारगर लगा। इसे मैंने अपने कुछ दोस्तों से साझा किया, जो हैदराबाद में ऑफलाइन रीडिंग क्लब चला रहे हैं, ताकि डिजिटल एडिक्ट बच्चों को 'डूम स्क्रॉलिंग' से बचाया जा सके। इसे 'डूम सर्फिंग' भी कहते हैं और यह ऑनलाइन बहुत अधिक समय बिताने से संबंधित है। इस प्रक्रिया में न्यूज फीड और सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रॉल किया जाता है। मेरे दोस्त पहले पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना चाहते थे। और वे कुछ लोगों को ऑनलाइन पुस्तकें पढ़ाने में सफल भी रहे। लेकिन पढ़ने के बजाय वो बातचीत करने लग जाते थे। इसलिए फिर वे ऑफलाइन मोड पर आ गए। पिछले सितंबर से वे सभी सदस्य हर रविवार की सुबह एक पार्क में एकत्रित होते हैं। चिड़ियों की चहचहाहट के बीच व्यक्तिगत अध्ययन सत्र उन्हें नई जानकारियों और विचार-प्रक्रिया के साथ अगले सप्ताह के लिए तरोताजा कर देता है। ऐसे क्लब लोगों को कम से कम पढ़ने की आदत तो बनाए हुए है और उनकी स्क्रीन देखने की आदत कम कर रहे हैं। ध्यान रखें कि हममें से अधिकतर किसी पुस्तक को केवल सरसरी नजर से देखकर दराज में रख देते हैं। हम उसकी विषयवस्तु को भी भूल जाते हैं। ऐसे में सभी सदस्यों द्वारा एक पुस्तक पढ़ने और हर रविवार उसके विचारों को साझा करने से क्लब सदस्यों को कम से कम 52 पुस्तकों के शीर्षक और उनकी विषयवस्तु तो याद रहेगी। फंडा यह है कि किसी समस्या के समाधान के लिए आए उपाय को कभी भी अच्छे या बुरे में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इसे सिर्फ ऐसे बांटा सकता है कि यह लागू करने योग्य है अथवा नहीं है। इसलिए हर साधारण से आइडिया पर भी प्रसन्न हों, उसका स्वागत करें।

युद्धों के बावजूद इजराइल का बाजार मजबूत बना हुआ है

क्या आपको पता है 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमलों के बाद से दुनिया का सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला प्रमुख शेयर बाजार कौन-सा है? इजराइल ?का! शुरुआती झटके के बाद उसका बाजार चार हफ्तों में पूरी तरह से उबर गया और तब से डॉलर के लिहाज से लगभग 80फीसदी ऊपर है। यह उछाल हाल में ईरान के साथ हुए युद्ध के दौरान भी जारी रहा, जबकि ज्यादातर भू-राजनीतिक विशेषज्ञों को लगा था कि व्यापक संघर्ष की उनकी आशंकाएं सच होने वाली हैं। वहीं शेयर बाजार लगातार यही संकेत दे रहा था कि संघर्ष जल्द ही समाप्त हो जाएगा और इजराइल सैन्य और आर्थिक दोनों ही रूपों में प्रबल होगा। यह संदेश मूल्य-आय अनुपातों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जो पिछले 21 महीनों में 40 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं, जबकि शेष विश्व में यह 20 प्रतिशत रहा। सऊदी अरब तथा यूएई के नेतृत्व वाले पड़ोसी खाड़ी बाजारों में भी मामूली गिरावट ही आई। गाजा से ईरान तक इजराइल द्वारा किए गए कई सैन्य हमलों के लिए अंतर्राष्ट्रीय आलोचनाओं के बावजूद विदेशी खरीद में वृद्धि ने इसके शेयर बाजार में तेजी को बढ़ावा दिया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के मुश्किल हालात में स्थापित इजराइल उन कुछ देशों में से है, जो विकासशील से विकसित देशों की श्रेणी में आ गए हैं। लगभग 200 देशों में से कोई 40 को आईएमएफ द्वारा विकसित अर्थव्यवस्थाओं के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अग्रणी वैश्विक सूचकांक प्रदाता (एमएससीआई) द्वारा विकसित वित्तीय बाजारों के रूप में वर्गीकृत देशों की संख्या और भी कम है। इजराइल मध्य-पूर्व का एकमात्र देश है, जिसने विकास के इन मील के पत्थरों को पार किया है, और जो दोनों मोर्चों पर परिवर्तन करने वाला एकमात्र देश है। इसकी 550 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे बड़ी 30 अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इजराइल के कई संस्थापक प्रतिबद्ध समाजवादी थे। उन्होंने एक कल्याणकारी राज्य का निर्माण शुरू किया था और नए प्रवासियों का उदारतापूर्वक स्वागत किया था, जिसके परिणामस्वरूप 1980 के दशक में वित्तीय संकट पैदा हुआ। स्कैंडिनेविया के वेलफेयर-स्टेट्स की तरह इस संकट ने उसे आर्थिक सुधारों, पूंजीवाद और अधिक राजकोषीय अनुशासन अपनाने के लिए मजबूर किया। सरकारी कंपनियों को बेच दिया गया, करों को सुव्यवस्थित किया गया और व्यापार के लिए सीमाएं खोल दी गईं। वर्ष 2000 के दशक की शुरुआत से इजराइल ने सरकार के खर्च को जीडीपी के 50 से घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया है, और सार्वजनिक ऋण को जीडीपी के 90 प्रतिशत से घटाकर 70 प्रतिशत से कम कर दिया है। सरकार ने कुछ स्मार्ट निवेश भी किए, जिससे वेंचर कैपिटल उद्योग को बढ़ावा मिला और तकनीकी क्षेत्र को गति मिली। आज इजराइल अपने जीडीपी का 6 प्रतिशत से भी ज्यादा रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च करता है- यह किसी भी अन्य देश से ज्यादा है और वैश्विक औसत से दोगुने से भी अधिक है। इस आर-एंड-डी का एक असामान्य रूप से बड़ा हिस्सा (लगभग आधा) विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों से आता है, जिनमें से कई रक्षा-संबंधी उद्योगों से जुड़ी हैं। इसी से आयरन डोम और इंटरसेप्टर रॉकेटों का जाल बनाया गया है, जिन्होंने कथित तौर पर 85 प्रतिशत से ज्यादा मिसाइलों और हाल के संघर्षों में इजराइल पर दागे गए ड्रोनों के एक बड़े हिस्से को नष्ट किया है। रक्षा क्षेत्र से प्राप्त लाभों ने इजराइल को हवाई यातायात नियंत्रण से लेकर साइबर सुरक्षा तक एक ग्लोबल-लीडर बना दिया है। किसी भी अन्य देश की तुलना में प्रति व्यक्ति अधिक स्टार्ट-अप के साथ इस्राइली व्यावसायिक संस्कृति मध्य-पूर्व के बजाय कैलिफोर्निया के ज्यादा करीब है। जनरेटिव एआई के उभरते क्षेत्र में इसके 73 स्टार्ट-अप्स हैं, जो दुनिया में तीसरे सबसे अधिक हैं। इसके निर्यात का आधा हिस्सा तकनीकी उत्पादों का है, जिसकी बराबरी कुछ ही उन्नत अर्थव्यवस्थाएं कर सकती हैं। जबकि इसके पड़ोसी देश अभी भी तेल का ही निर्यात करते हैं। तकनीकी से संचालित इजराइल में प्रति व्यक्ति जीडीपी वर्ष 2000 से लगभग तिगुनी बढ़कर 55,000 डॉलर से अधिक हो गई है, जो अमेरिका के स्तर का 50 से 70 प्रतिशत है। जबकि सऊदी अरब की प्रति व्यक्ति जीडीपी अमेरिका की तुलना में एक-तिहाई ही है और 25 साल पहले की स्थिति के बराबर है। इजराइल की अर्थव्यवस्था के प्रति बाजार का आशावादी रुख अब विश्लेषकों के पूर्वानुमानों में दिख रहा है, जो आने वाले वर्षों में 4फीसदी की वृद्धि का अनुमान लगा रहे हैं। एक विकसित राष्ट्र के लिए यह अपेक्षाकृत मजबूत पूर्वानुमान है। (ये लेखक के अपने विचार हैं रुचिर शर्मा)

सरकारी बंगलों का मोह क्यों नहीं छोड़ पाते गणमान्यजन?

अगर भारत के मुख्य न्यायाधीश के आधिकारिक आवास को खाली कराने के लिए सर्वोच्च न्यायालय को कार्यपालिका की मदद मांगनी पड़े तो यह एक उदास कर देने वाला परिदृश्य है। हाल ही में जब यह विवाद सामने आया तो पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सेवानिवृत्त होने के आठ महीने बाद भी बंगला खाली नहीं करने को लेकर यह दलील दी कि दो उनकी दो डिफ्रेंटली-एबल्ड बेटियों के लिए ए?क अनुकूल आवास ढूंढने में उनके परिवार को दिक्कत हो रही है। उनकी दोनो बेटियां व्हीलचेयर का सहारा लेती हैं, जिसके लिए विशेष रैम्प और चौड़े दरवाजों की दरकार है। जाहिर है कि दिल्ली में देश के शीर्ष-कुलीनों की आश्रयस्थली लुटियंस जोन के बाहर ऐसे लम्बे-चौड़े बंगले मिलना लगभग नामुमकिन है। पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ और उनके परिवार के प्रति पूरी सहानुभूति है। लेकिन यह सवाल पूछा जा सकता है कि अपने विशेष जरूरतों वाले परिवार के लिए उन्होंने पहले से ही उस दिन की तैयारी क्यों नहीं की, जब उन्हें रिटायर होने के बाद बंगला खाली करके सर्वोच्च अदालत के अपने उत्तराधिकारी को सौंपना था? लेकिन वे अकेले नहीं हैं। बहुत से केंद्रीय मं?त्री और सांसद भी अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी तब तक लुटियंस में बने रहते हैं, जब तक कि उनसे बंगला खाली करने का आग्रह न किया जाए। रालोद के संस्थापक दिवंगत अजीत सिंह और लोजपा नेता चिराग पासवान का ही उदाहरण लीजिए। उन्होंने भी बंगला खाली करने से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि इन बंगलों को उनके लोकप्रिय पिताओं के स्मारक के तौर पर परिवर्तित कर दिया जाए। जहां अजीत सिंह पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पुत्र थे, वहीं चिराग पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के बेटे हैं। बड़े नाटकीय हालात निर्मित होने के बाद उन्हें घर खाली करना पड़ा। हालांकि चिराग पासवान उसके बाद एनडीए में शामिल होकर मंत्री बने और उन्होंने लुटियंस में फिर से जगह मिल गई। पूर्व शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक अपनी गाय-भैंसों के साथ बंगले में रहते थे। लेकिन मंत्रिमंडल से छुट्टी होने के छह माह बाद सरकार को ही हाउसिंग अधिकारियों को भेजकर उन्हें वहां से निकलवाना पड़ा। मजे की बात है कि उस बंगले पर संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की भी नजर थी। उन्होंने इसका कारण इस बंगले से भावनात्मक लगाव होना बताया, क्योंकि जब उनके पिता दिवंगत माधवराव सिंधिया कांग्रेस सरकार में मंत्री थे तो ज्योतिरादित्य इसी बंगले में पले-बढ़े थे। उन्होंने

जैसे-तैसे यह बंगला अपने नाम आवंटित भी करा लिया। हालांकि निशंक के बंगला खाली करने और उसकी साज-सज्जा पूरी होने तक उन्हें करीब एक वर्ष लुटियंस के बाहर रहना पड़ा। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद के पास आज कोई आधिकारिक पद नहीं है, लेकिन वे अभी तक सरकारी बंगले में जमे हुए हैं। माना जा सकता है कि कांग्रेस छोड़ने के बाद राहुल गांधी की लगातार आलोचना करने के लिए उन्हें यह उपहार दिया गया है! यकीनन, लुटियंस के बंगलों का अपना एक सम्मोहन है। एक बार कोई वहां आया तो उसे छोड़ना नहीं चाहता। आखिरकार इस जोन में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सत्ताधारी दल के अति-महत्वपूर्ण लोग जो रहते हैं। औपनिवेशिक काल के इन महलनुमा बंगलों में बड़े-बड़े हरी घास के गलीचे हैं।सड़कों पर कतारबद्ध घने पेड़ और गोलाकार सर्कल हैं, जो वसंत में अनेक रंग के फूलों से भर जाते हैं। जहां शेष दिल्ली की जनता टूटी सड़कों, पानी की किल्लत, कचरे की दुर्गंध, चोरी और अन्य अपराधों से जूझती है, वहीं लुटियंस में केंद्रीय सुरक्षा बलों और दिल्ली पुलिस की हमेशा चौकीदारी रहती है। दुनिया के कुछ ही ऐसे लोकतांत्रिक गणराज्य हैं, जिन्होंने अपने मंत्रियों, सांसदों, जजों और शीर्ष अधिकारियों के लिए इस तरह से किराया-मुक्त आवासीय क्षेत्र बना रखे हैं। इस तरह के विशेषाधिकारों से एक अभिजात्य-मानसिकता पैदा होती है। सत्ताधारियों में अधिकार-सत्ता का भाव उत्पन्न होता है। वहीं लुटियंस की किलेबंदी में समानता का सिद्धांत पूर्णतः लुप्त हो जाता है। पूर्व सीजेआई के मामले ने लुटियंस नामक इस औपनिवेशिक स्थान को लेकर पुरानी बहस को फिर से जन्म दे दिया है। दुःखद है कि राजधानी में कुछ सड़कों के नाम जरूर बदल दिए गए हैं, लेकिन अंग्रेजों द्वारा बसाई गई नई दिल्ली को नए नजरिए से विकसित करने की इच्छाशक्ति कभी नहीं दिखाई गई है। लुटियंस में बैरिकेडिंग और बढ़ती सुरक्षा के चलते सार्वजनिक स्थान सिकुड़ते जा रहे हैं। इंडिया गेट पर भी अब खाना, चटाई और पालतू जानवर तक ले जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। लुटियंस जोन से आम आदमी बहुत दूर है! (ये लेखिका के अपने विचार हैं आरती जेरथ)

हमारे शहर की 'एनटीई' जल्द ही हमारे जीने का तरीका बदल देगी

पूरी दुनिया में आमतौर पर सिर्फ दिन के वक्त को ध्यान में रखकर शहरों को डिजायन किया गया है। लेकिन जब इन शहरों को बेहतर कुशलता से चलाने के लिए अधिक पैसे की जरूरत पड़ी तो उन्होंने पाया कि शाम 6 बजे से लेकर सुबह के 6 बजे तक के समय में बड़ी मात्रा में धन छिपा है। इसे लोकप्रिय रूप में 'नाइट टाइम इकॉनॉमी' (एनटीई) के नाम से जाना जाता है।हालांकि, कई जगहों पर 24 घंटे का शहर थोड़ा बदनाम है, लेकिन कई शहरों ने समझा है कि एनटीई विकास के क्षेत्रों का वास्तविक चालक हो सकता है। कम से कम उन चुनिंदा स्थानों के लिए, जहां स्थानीय लोग और आगंतुक बार-बार आते जाते हैं। न्यूयॉर्क, लंदन और बर्लिन जैसे कई वैश्विक महानगरों ने इस विचार का अनुसरण किया, लेकिन एम्स्टर्डम इस क्षेत्र का अग्रणी है। मैं अचानक इस बारे में बात क्यों कर रहा हूं? दरअसल हैदराबाद जल्द ही 24 घंटे की अर्थव्यवस्था को अपनाने वाला भारत का पहला शहर बनने जा रहा है। राज्य सरकार समग्र एनटीई नीति को अंतिम रूप दे रही है, जिसका उद्देश्य सूर्यास्त के बाद शहर की पूर्ण आर्थिक क्षमता का उपयोग करना है। सरकार रात की समस्त गतिविधियों की देखभाल के लिए समर्पित हैदराबाद नाइट टाइम इकॉनोमी अथॉरिटी (एनटीईए) स्थापित कर रही है। इसमें अग्रणी होने के लिए एम्स्टर्डम ने क्या किया? ये उन पहले शहरों में से है, जिन्होंने एनटीई का आर्थिक-सांस्कृतिक महत्व समझा। ये कई कारणों से सफल हुआ, जिनमें सक्रिय स्थानीय निकाय, समर्पित 'नाइट मेयर' शामिल हैं, जो स्वतंत्र अधिवक्ता की भांति रातभर की गतिविधियों पर नजर रखता है। नीदरलैंड के किसी भी शहर में, खासकर रात्रिकालीन संस्कृति को सम्मिलित करने वाली पहली योजना के नाते एम्स्टर्डम का 'नाइट विजन' एतिहासिक दस्तावेज है। ये रात्रिकालीन संस्कृति से शहर के लगाव, इसकी सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए इसके जरूरी होने की मान्यता, दोनों को दिखाता है। नाइट मेयर की भूमिका क्या है? ये शहरी निकाय, रात्रिकालीन व्यवसायों, स्थानीय निवासियों व अन्य हितधारकों के बीच सेतु का कार्य करता है। मेयर व उसका कार्यालय सुरक्षा, शोर, परिवहन, जोनिंग (इलाका) जैसे ?मुद्दों का समाधान करते हुए सुनिश्चित करता है कि रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था व शहर की जरूरतों के बीच संतुलन रहे। सफल एनटीई को टॉयलेट से लेकर परिवहन तक, हर चीज पर विचार करना होता है। एनटीई को गलत ना समझें: एम्स्टर्डम की इनटीई सिर्फ क्लबर्स के लिए ही नहीं है। साधारण क्लब्स तो इसमें तब तक प्रवेश नहीं कर सकते, जब? तक कि वे अन्तरराष्ट्रीय आगंतुकों को किसी सभ्य स्थान पर आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखा प्रदान ना करें। ऐसे कड़े कायदों और नियंत्रण के कारण ही एम्स्टर्डम ने एम्स्टेल नदी के किनारे सांस्कृतिक रूपरेखा तैयार की है और एनटीई को सफल बनाया है। हालांकि रात्रिकालीन गतिविधियां मनोरंजन संबंधी तस्वीर पेश करती हैं, यहां तक कि भारतीयों में भी, लेकिन हैदाराबाद की यह पहल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, आईटी सर्विस, खुदरा और पर्यटन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। नीति तैयार कर रहे जानकार मानते हैं कि यह शहरी अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव की तस्वीर दिखाती है।एनटीई के आर्थिक प्रभावः वर्ल्ड सिटीज कल्चर फोरम के अनुसार एम्स्टर्डम में 500 रात्रिकालीन प्रतिष्ठानों ने 5 हजार रोजगार दिए। 15 लाख विजिटर आए, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में सालाना 1.25 अरब यूरो का योगदान दिया।

लंदन ने 13 लाख रात्रिकालीन रोजगार पैदा किए। वर्तमान में हैदराबाद एनटीई का कारोबार 8500 करोड़ रु. है, जो 2032 तक तीन गुना होकर अनुमानतः 26,011 करोड़ पहुंच सकता है। इससे रोजगार भी बढ़ेंगे।

हैदराबाद ने ये शुरू किया है तो इसे मुम्बई, दिल्ली पहुंचने में वक्त नहीं लगेगा। इंदौर, अहमदाबाद जैसे टियर-2 शहर भी हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाले नहीं है। फंडा यह है कि हम सभी को इस उभरते हुए विचार में सहभागिता निभानी चाहिए, क्योंकि यह भविष्य में हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रहा है।

जहां नैतिक कहानियां होगीं, वहां 'इंटेग्रिटी फी?' की जरूरत नहीं

कई दशक पहले, मैं और मेरा कजिन किसी के पेड़ से ढेर सारे जामुन लेकर घर पहुंचे। हमारे नाना (जो कि तहसीलदार कार्यालय में दूसरे सबसे ताकतवर व्यक्ति थे) दरवाजे पर बैठे थे और उन्होंने पूछा, तुम्हारे हाथों में क्या है? फिर उन्होंने हमसे वो जामुन अपने पास रखवा दिए और अंदर जाकर पहले खाना खाने को कहा। अगले 15 मिनट में हम नहाए क्योंकि पेड़ पर चढ़ने के कारण हमारे कपड़े गंदे हो गए थे, खाना खाया और लौट आए। हम उन अंकल को देखकर चौंक गए, जिनके घर से हम जामुन लाए थे। वे हमारे नाना के साथ बैठकर बातें कर रहे थे। हमें लगा वो हमारे बारे में शिकायत कर रहे हैं, इसलिए हम दोनों में से किसी ने बाहर जाने की हिम्मत नहीं की। यह भांपकर कि हम छिपे हुए हैं, नाना ने हमें बुलाया और हम सिर झुकाए बाहर चले आए। वहां से गुजर रहे एक डाकिए को कहकर नाना ने उन अंकल को बुला लिया था। नाना जानते थे कि जामुन का पेड़ उनके घर में है। हमने नमस्ते किया। अंकल ने भी हमारा अभिवादन स्वीकार किया। वे उठे, हमारे सिर को सहलाया और बिना कुछ कहे बाहर चले गए। हमने राहत की सांस ली। तब नाना ने हमें एक मेहनती, लेकिन गरीब लकड़हारे की कहानी सुनाई। लकड़हारा एक नदी किनारे पेड़ काट रहा था। उसकी कुल्हाड़ी उसके हाथ से छूटकर पानी में गिर गई। वह बहुत परेशान था, क्योंकि वही उसकी आजीविका का एकमात्र साधन था। उसकी निराशा भरी पुकार सुनकर एक देवी प्रकट हुईं और पूछा कि उसे क्या चाहिए। उसने कोई दौलत मांगने के बजाय बताया कि उसने अपनी कुल्हाड़ी खो दी है। उसकी ईमानदारी देखकर देवी ने मदद की पेशकश की। सबसे पहले उसे एक चमचमाती सोने की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने पूछा, क्या यह तुम्हारी है? लकड़हारे ने कुल्हाड़ी की सुंदरता और कीमत के बावजूद जवाब दिया, नहीं। दूसरी बार उसे चांदी की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने वही सवाल पूछा। लकड़हारे ने अपनी ईमानदारी पर अडिग रहते हुए फिर से मना कर दिया। देवी बेहद प्रभावित हुईं और आखिरकार लकड़हारे को उसकी असली लोहे की कुल्हाड़ी वापस लौटा दी, जिसे लकड़हारे ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया। लेकिन देवी ने उसे सोने और चांदी की दोनों कुल्हाड़ियां देकर भी पुरस्कृत किया। लकड़हारा न केवल धन-संपत्ति, बल्कि ईमानदारी के गुण से भी समृद्ध होकर घर लौटा। नाना ने उन जामुनों के बारे में हमसे कभी बात नहीं की। लेकिन वो कहानी आज भी हमारे जेहन में ताजा है। आज आप किसी भी बच्चे के पास जाकर कहें, 'मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं' और शुरू करें- 'एक था राजा और एक थी रानी' तो वो तुरंत कहेगा, 'दोनों मर गए, खतम कहानी', और भाग जाएगा। लेकिन हमारे जमाने में रोज ही कोई न कोई कहानी सुनाई जाती थी और उसकी शुरुआत हमेशा उसी पहले वाक्य से होती थी। लेकिन दूसरा वाक्य हमेशा ही 'पीछे की बदल गई पूरी कहानी' हुआ करता था। हमने किस दिन कैसा व्यवहार किया है, इसी के आधार पर हमारे बड़े हमें कोई न कोई कहानी सुनाते थे। शनिवार को हम दोनों कजिन्स को यह कहानी याद आई और हम हंस पड़े क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी प्रशासन ने शुक्रवार को जनवरी 2026 से प्रभावी होने जा रहा 250 डॉलर (21,450 रुपए) का वीज़ा इंटेग्रिटी शुल्क लगा दिया है। कुछ लोगों का कहना है कि यह शुल्क केवल कुछ शर्तों पर ही वापस किया जा सकता है, जिसमें वीज़ा की शर्तों का पूरा पालन और वीज़ा की समाप्ति के पांच दिनों के भीतर प्रस्थान शामिल है। याद रखें, यह हर आवेदक से उसके अच्छे व्यवहार के लिए सुरक्षा जमा राशि जमा करने के लिए कहने जैसा है। मुझे यह सोचकर डर लग रहा है कि क्या रेलवे और अस्पताल भी कल से रिफंडेबल इंटेग्रिटी शुल्क तो नहीं मांगने लगेंगे? फंडा यह है कि हम अपनी महान नैतिक कहानियों को खत्म न होने दें। दूसरा वाक्य बदलें और अपने बच्चों को उनके जीवन के पहले 13 वर्षों तक हर रोज सोने से पहले नई, कल्पनाशील कहानियां सुनाएं, ताकि एक हाई इंटेग्रिटी वाली नई दुनिया उभरे और सरकारें इंटेग्रिटी फीस लगाने की हिम्मत न करें।

अमेरिका ने मेक्सिको से इम्पोर्ट होने वाले टमाटरों पर 17फीसद टैरिफ की घोषणा की, कीमत को लेकर व्यापारियों की चिंता बढ़ी

नयी दिल्ली। अमेरिका ने मेक्सिको से इम्पोर्ट होने वाले टमाटरों पर 17फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इससे अमेरिका-मेक्सिको का 2019 वेव टमाटर समझौता खत्म हो जाएगा, जिसके तहत मेक्सिको से टमाटर बिना टैरिफ के आते थे। अमेरिकी व्यापार विभाग ने कहा कि स्थानीय किसानों के दबाव के कारण यह कदम उठाया गया, जो मेक्सिको के बढ़ते दबदबे से परेशान हैं। मेक्सिको अमेरिका में खपत होने वाले 70फीसदी टमाटरों की आपूर्ति

करता है। हालांकि, मेक्सिको में टमाटर उगाने वाली या आयात पर निर्भर अमेरिकी कंपनियों ने चेतावनी दी है कि इससे किराने की दुकानों में कीमतें बढ़ेंगी और सप्लाई चेन प्रभावित होगी। वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक को इस सिलसिले में कई पत्र भेजे गए और बातचीत की अपील की। व्यापारिक समूहों ने कहा कि अमेरिकी कंपनियां 50,000 श्रमिकों को रोजगार देती हैं और मेक्सिको से टमाटरों को देश को 8.3 बिलियन डॉलर का मुनाफा होता हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 17फीसदी टैरिफ से अमेरिका में टमाटर की खुदरा कीमतें 8.5फीसदी तक बढ़ सकती हैं। यह शुल्क राष्ट्रपति ट्रम्प के मेक्सिको और यूरोपीय संघ से आयात पर 30फीसदी आधार शुल्क से अलग है, जिसकी घोषणा हाल ही में की गई थी।

उज्ज्वल निकम बोले- मुंबई धमाके रोके जा सकते थे,संजय दत्त ने जिस वैन से एके-47 उठाई, उसके बारे में पुलिस को बताते तो लोग न मरते

नयी दिल्ली। सीनियर एडवोकेट उज्ज्वल निकम ने कहा कि 1993 के मुंबई बम धमाके रोके जा सकते थे। अगर एक्टर संजय दत्त उस गाड़ी के बारे में पुलिस को बता देते, जिसमें से उन्होंने एके-47 बंदूक उठाई थी तो ये धमाके कभी नहीं होते। हाल ही में निकम को राज्यसभा सदस्य मनोनीत किया गया है।उन्होंने बताया कि धमाकों से कुछ दिन पहले अबू सलेम (गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम का आदमी) हथियारों से भरी एक वैन लेकर संजय दत्त के घर आया था। उसमें हथगोले और एके-47 थी। संजय ने उसमें से कुछ हथियार ले लिए। बाद में उन्होंने सब लौटा दिए, लेकिन एक एके-47 रख ली। निकम ने कहा कि इस बारे में पुलिस को जानकारी न देना धमाकों का कारण बना, जिनमें इतने सारे लोग मारे गए। निकम ने ये बातें एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहीं। 12 मार्च 1993 को मुंबई के अलग-अलग इलाकों में सिलसिलेवार 13 बम धमाके हुए थे। इसमें 257 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 700 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।संजय दत्त निर्दोष थे। उन्होंने बंदूक सिर्फ इसलिए रखी, क्योंकि उन्हें हथियारों का शौक था। उन्होंने कानून की नजर में अपराध किया, लेकिन वे सीधे-सादे इंसान हैं। संजय के पास एके-47 थी, लेकिन उन्होंने कभी भी वह बंदूक नहीं चलाई। कोर्ट ने संजय को टेररिस्ट एंड डिसरप्टिव एक्टिविटीज एक्ट के तहत आतंकवादी नहीं माना, लेकिन प्रतिबंधित हथियार एके-47 रखने का दोषी करार दिया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी छह साल की सजा को घटाकर पांच साल कर दिया था। आर्म्स एक्ट के तहत दोषी ठहराए जाने के बाद मामले में सरकारी वकील रहे उज्ज्वल निकम के साथ उनकी बातचीत सुर्खियों में रही थी। हालांकि, यह कभी सामने नहीं आया कि दोनों के बीच क्या बात हुई। इंटरव्यू के दौरान निकम ने इस बातचीत का खुलासा किया। सजा सुनाए जाने के बाद संजय दत्त ने अपना आपा खो दिया था। मैंने उनके हावभाव बदलते देखे। मुझे लगा कि वे सदमे में हैं। वह फैसला बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे और कांप रहे थे। वे कटघरे में थे और मैं पास में ही था। मैंने उनसे कहा- संजय ऐसा मत करो। मीडिया तुम्हें देख रहा है। अगर डरे हुए दिखोगे तो लोग तुम्हें दोषी मानेंगे। तुम्हारे पास अपील करने का मौका है। इस पर उन्होंने कहा- 'यस सर, यस सर।उज्ज्वल निकम 26/11 मुंबई हमला मामले में भी सरकारी वकील थे। इंटरव्यू में जब निकम से आतंकी अजमल कसाब को जेल में बिरयानी खिलाए जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कसाब ने वास्तव में बिरयानी मांगी थी, लेकिन नेताओं ने बात को पकड़ लिया और राजनीतिकरण कर दिया। कसाब इकलौता आतंकी था जिसे इस हमले के बाद जिंदा पकड़ा गया था।1993 में मुंबई धमाकों के कुछ हफ्तों बाद संजय दत्त को गिरफ्तार किया गया था। उन पर अबू सलेम और रियाज सिद्दीकी से अवैध बंदूकों की डिलीवरी लेने, उन्हें रखने और फिर नष्ट करने का दोषी माना गया था। विशेष टाडा कोर्ट में पेश सबूतों के आधार पर माना था कि ये हथियार उस जखीरे का हिस्सा थे, जिन्हें धमाकों के दौरान इस्तेमाल किया जाना था। हालांकि संजय ने अदालत में कहा था, 'मैं अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित था। इसी वजह से हथियार रखे थे। मैं घबरा गया था और कुछ लोगों के कहने में आकर मैंने ऐसा किया।' उन्हें 1995 सुप्रीम कोर्ट से बेल मिली लेकिन दो महीने बाद ही दिसंबर,1995 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। बहरहाल लंबी कानूनी जद्दोजहद के बाद 1997 में उन्हें फिर जमानत मिली। 31 जुलाई, 2007 टाडा कोर्ट ने संजय आर्म्स एक्ट के तहत छह साल की सजा सुनाई। सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में टाडा कोर्ट का फैसला सही ठहराया। हालांकि सजा घटाकर पांच साल कर दी। इसके बाद संजय ने कहा, 'जो भी सजा मिली है, उसे भुगतने को तैयार हूं। मैं कोई राजनेता नहीं हूं लेकिन एक राजनीतिक परिवार से हूं, शायद इसीलिए निशाने पर हूं।' संजय ने पुणे की यरवदा जेल में अपनी सजा पूरी की और 25 फरवरी 2016 को जेल से रिहा हुए।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 13 जुलाई को राज्यसभा के लिए 4 सदस्यों को नॉमिनेट किया था।

टेस्ला की भारत में एंट्री कलःजिसने कंपनी बनाई उसे ही मस्क ने निकाला; 2008 में टेस्ला डूबने वाली थी, तो नींद में चिल्लाते थे इलॉन

मुंबई। साल 2008 की बात है। दुनियाभर की इकोनॉमी संकट में थी। लेहमन ब्रदर्स जैसे बड़े इन्वेस्टमेंट बैंक से लेकर जनरल मोटर्स जैसी कंपनियां डूब रही थीं। इलॉन मस्क की इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी टेस्ला शुरुआती दौर में थी। मंदी के कारण हालत इतनी खराब थी कि मस्क ने पहली कार के लिए ग्राहकों से जो बुकिंग अमाउंट लिया था उसे भी खर्च कर दिया। एम्प्लॉइज को सैलरी देने के लिए पैसे नहीं थे। अपने खर्चों को कवर करने के लिए उन्होंने निजी तौर पर रकम उधार ली थी। वे उस समय बेहद तनाव में रहने लगे थे। उनकी गर्लफ्रेंड रही तालुलाह रिले ने इस वाकये को याद करते हुए कहा था- 'वह खुद से बात करने लगे थे, अपने हाथों को फैलाकर जोर-जोर से चिल्लाते थे। कई बार नींद में भी चिल्लाते थे और हाथ पटकते थे। लगता था कि उन्हें कभी भी दिल का दौरा पड़ सकता है।' आज टेस्ला मार्केट कैप में दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी है। ये कंपनी अब भारत में भी अपना शोरूम खोलने जा रही है। 15 जुलाई को मुंबई में इसकी शुरुआत होगी। ऐसे में यहां हम डूबने की कगार पर खड़ी टेस्ला की कामयाब होने की कहानी 6 चैप्टर में बता रहे हैंटेस्ला की कहानी शुरू होती है दो इंजीनियर्स, मार्टिन एबरहार्ड और मार्क टारपेनिंग से। इन्होंने 2003 में टेस्ला मोटर्स की नींव रखी। बाद में इयान राइट और जेबी स्ट्रॉबेल भी शुरुआती टीम में शामिल हुए। एबरहार्ड और टारपेनिंग 1980 के दशक में मिले थे। वे पहले एकसाथ न्यूवोमीडिया नाम की कंपनी में काम कर चुके थे। यहां उन्होंने रॉकेट ई-बुक रीडर बनाया था। मार्टिन को स्पोर्ट्स कार बहुत पसंद थी और एक ऐसी कार चाहते थे जो तेज हो और पर्यावरण को नुकसान भी न पहुंचाए। उस वक्त मिडिल ईस्ट में युद्ध चल रहा था। ग्लोबल वॉर्मिंग की चिंता बढ़ रही थी। मार्टिन को लगा कि पेट्रोल गाड़ियां खरीदना सही नहीं। यहीं से टेस्ला का ख्याल आया। मार्टिन और मार्क ने देखा कि ई-बुक रीडर में उन्होंने जो लीथियम-आयन बैटरी इस्तेमाल की थी वो कारों के लिए भी क्रांतिकारी हो सकती है। उन्होंने एसी प्रॉपल्शन नाम की एक छोटी कंपनी के साथ मिलकर एक प्रोटोटाइप बनाया, जो बाद में टेस्ला रोडस्टर का आधार बना। हालांकि, गाड़ी बनाना आसान नहीं था। उन्हें ऑटोमोटिव इंडस्ट्री का कोई अनुभव नहीं था और सप्लायर्स को उनके साथ काम करने में रिस्क दिखता था। फिर भी, उन्होंने लोटस जैसी कंपनियों के साथ पार्टनरशिप की और 1 जुलाई, 2003 को टेस्ला मोटर्स को आधिकारिक तौर पर शुरू किया।इलॉन मस्क आज टेस्ला का सबसे बड़ा चेहरा हैं, लेकिन वो इसके फाउंडर नहीं थे। 2004 में मस्क ने टेस्ला में 65 लाख डॉलर का निवेश किया और कंपनी के चेयरमैन बने। आज के हिसाब से रुपए में ये रकम करीब 56 करोड़ रुपए होती हैं। 10 लाख डॉलर अन्य निवेशकों ने भी लगाए थे। 2003-04 में जब टेस्ला मोटर्स की शुरुआत हुई, उस वक्त इलॉन मस्क स्पेसएक्स पर काम कर

साथ मिलकर टेस्ला मोटर्स शुरू कर चुके थे। यहीं से मस्क की एंट्री टेस्ला में हुई।टेस्ला की पहली गाड़ी थी रोडस्टर, जिसे लोटस एलिस के चेसिस पर बनाया जाना था। कंपनी का प्लान था कि लोटस के मौजूदा पार्ट्स का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करके लागत कम रखी जाए। लेकिन मस्क को ये मंजूर नहीं था। वो चाहते थे कि रोडस्टर इतनी खूबसूरत और पावरफुल हो कि लोग इसे देखकर दंग रह जाएं। मस्क हर दो हफ्ते में लॉस एंजिल्स से सिलिकन वैली आते, डिजाइन मीटिंग्स में हिस्सा लेते और गाड़ी के मॉडल्स की जांच करते। उनकी सलाह सिर्फ सुझाव नहीं थी। वो चाहते थे कि हर बदलाव लागू हो। उन्होंने 5 बड़े बदलाव करवाए- 1. दरवाजे का डिजाइनः मस्क को रोडस्टर का दरवाजा बहुत छोटा लगा। उन्होंने दरवाजे का फ्रेम तीन इंच नीचे करवाया। इससे चेसिस का डिजाइन बदल गया और 20 लाख डॉलर की अतिरिक्त लागत आई। 2. सीट्सः मस्क को लोटस की सीट्स तंग लगीं। वो चाहते थे कि सीट्स चौड़ी हों। महिलाओं को इसमें बैठने में आसानी हो। एबरहार्ड को ये बदलाव बेकार लगा, क्योंकि इससे टेस्टिंग दोबारा करनी पड़ी। 3. हेडलाइट्सः मस्क को लोटस की हेडलाइट्स 'बग-आइड' (कीड़े जैसी) लगीं। उन्होंने कवर वाली हेडलाइट्स लगवाने का फैसला किया, जिससे 5 लाख डॉलर की लागत बढ़ी। 4. कार्बन फाइबर बॉडीः मस्क ने लोटस के फाइबरग्लास की जगह मजबूत और हल्के कार्बन फाइबर का इस्तेमाल करवाया। इससे गाड़ी की पेंटिंग महंगी हो गई, लेकिन वो ज्यादा ठोस और हल्की बनी। 5. इलेक्ट्रिक डोर हैंडल्सः एबरहार्ड साधारण डोर हैंडल्स से खुश थे, लेकिन मस्क ने इलेक्ट्रिक टच-सेंसिटिव हैंडल्स लगवाए, जो टेस्ला की 'कूल' इमेज का हिस्सा बने।इन बदलावों की वजह से रोडस्टर की लागत और प्रोडक्शन टाइमलाइन बढ़ गई। लोटस के मौजूदा सप्लायर्स का फायदा नहीं मिल सका और टेस्ला को सैकड़ों नए पार्ट्स के लिए सप्लायर्स ढूंढने पड़े। जुलाई 2006 में टेस्ला ने सांता मोनिका एयरपोर्ट पर रोडस्टर का प्रोटोटाइप लॉन्च किया। इवेंट में कैलिफोर्निया के गवर्नर और एक्टर अर्नोल्ड श्वार्जनेगर, जॉर्ज क्लूनी जैसे सितारे आए। स्ट्रॉबेल ने श्वार्जनेगर को टेस्ट ड्राइव करवाई। इवेंट को खूब कवरेज मिला, लेकिन इवेंट में सारा क्रेडिट एबरहार्ड को मिला।मस्क ने टेस्ला की वेबसाइट पर एक नोट लिखा- इसमें उन्होंने कहा कि टेस्ला का मकसद हाइड्रोकार्बन अर्थव्यवस्था को सोलर इलेक्ट्रिक में बदलना है। जरूरत पड़ी। टेस्ला उस समय एक छोटी स्टार्टअप कंपनी थी। इस माहौल में उसके लिए फंडिंग जुटाना लगभग असंभव हो गया। 2008 की पहली छमाही में उन्होंने टेस्ला को बचाने के लिए ग्राहकों के जमा किए गए डिपॉजिट्स का इस्तेमाल कर लिया। कुछ टेस्ला अधिकारियों और बोर्ड मेंबर्स को लगता था कि ये पैसा एस्क्रो में रखना चाहिए था, न कि उसे खर्च करना चाहिए। हालांकि, मस्क ने कहा, 'या तो ऐसा करें, वरना हम खत्म हो जाएंगे।' सितंबर

2008 तक हालात और बिगड़ गए। मस्क रात-रातभर बड़बड़ाते, हाथ-पैर हिलाते और चीखते थे। उनकी गर्लफ्रेंड तालुलाह कहती हैं, मुझे लगता था वो हार्ट अटैक से मर जाएंगे। कभी-कभी वो बाथरूम जाते और उल्टियां करते। तालुलाह उनका सिर पकड़कर खड़ी रहती थीं। वो दिन-रात काम करते थे और हर बार किसी चमत्कार की उम्मीद में जूझते थे। 2008 के अंत तक सबको लगने लगा कि मस्क को स्पेसएक्स और टेस्ला में से एक को चुनना पड़ेगा। अगर वो सारी ताकत एक पर लगाते, तो कम से कम वो बच सकती थी। अगर दोनों को बांटते, तो दोनों डूब सकती थीं। एक दिन उनके दोस्त मार्क जुन्कोसा ने स्पेसएक्स के ऑफिस में कहा, 'भाई, इन्हीं दो में से एक को छोड़ दे। अगर स्पेसएक्स दिल के करीब है, तो टेस्ला को भूल जाओ। मस्क ने कहा- नहीं, अगर मैं टेस्ला छोड़ दूंगा, तो ये साबित हो जाएगा कि इलेक्ट्रिक गाड़ियां काम नहीं करतीं, और सस्टेनेबल एनर्जी का सपना अधूरा रह जाएगा। स्पेसएक्स भी नहीं छोड़ सकता वर्ना हम कभी मल्टी-प्लैनेटरी स्पीशीज नहीं बन पाएंगे। 2008 के आखिर में मस्क ने 2 करोड़ डॉलर के इक्विटी फंडिंग राउंड के लिए अपने एग्जिस्टिंग इन्वेस्टर्स को लिस्ट किया। इनमें से एक इन्वेस्टर वैंटेज पॉइंट कैपिटल इसके लिए तैयार नहीं था। काफी मुश्किलों के बाद वैंटेज पॉइंट भी इस प्लान के लिए मान गया और टेस्ला बच गई।आईसीई व्हीकल्स के बीच कामयाबी 2008 में टेस्ला ने पहली हाई-परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक लॉन्च के बाद हॉलीवुड सेलिब्रिटीज अर्नोल्ड श्वार्जनेगर, जॉर्ज क्लूनी ने इसे खरीदा। इससे ब्रांड को बूस्ट मिला।टेस्ला की सबसे बड़ी कमाई इलेक्ट्रिक गाड़ियों (मॉडल 3, मॉडल वाई , मॉडल एस, मॉडल एक्स, साइबरट्रक, टेस्ला सेमी) की बिक्री से होती है। 2024 में टेस्ला ने 17.8 लाख गाड़ियां डिलीवर कीं और ऑटोमोटिव सेल्स से 81.5 बिलियन डॉलर यानी करीब 6.90 लाख करोड़ रुपए की कमाई हुई। टेस्ला को जीरो-एमिशन व्हीकल्स बनाने के लिए रेगुलेटरी क्रेडिट्स भी मिलते हैं, जिन्हें यह उन ऑटोमेकर्स को बेचती है जो उत्सर्जन नियमों को पूरा नहीं कर पाते। 2024 में टेस्ला ने इन क्रेडिट्स से 2.76 बिलियन डॉलर (करीब 0.24 लाख करोड़ रुपए) कमाए, जो 2023 की तुलना में 54फीसदी ज्यादा हैं। 2014 से अब तक टेस्ला ने इनसे 11.4 बिलियन डॉलर (0.98 लाख करोड़ रुपए) कमाए हैं। चैप्टर-6- असली फाउंडर कौन टेस्ला की स्थापना 1 जुलाई, 2003 को हुई थी। इसके शुरुआती फाउंडर्स मार्टिन एबरहार्ड और मार्क टारपेनिंग थे। बाद में इयान राइट और जेबी स्ट्रॉबेल भी शुरुआती टीम में शामिल हुए। इलॉन मस्क 2004 में कंपनी में निवेशक और बोर्ड चेयरमैन के रूप में आए। विवाद इस बात पर है कि टेस्ला का 'फाउंडर' कौन है। 1. इयान राइटः 2005 की शुरुआत में राइट अलग हो गए थे। वो इंजीनियरिंग में योगदान दे रहे थे, लेकिन उनके और एबरहार्ड के बीच मतभेद बढ़ गए। दोनों ने मस्क से एक-दूसरे को निकालने की मांग की। मस्क ने स्ट्रॉबेल से सलाह ली। उन्होंने कहा एबरहार्ड को रखना शायद बेहतर है। इसके बाद मस्क ने राइट को निकालने का फैसला किया। राइट ने बाद में अपनी कंपनी राइटस्पीड टेक्नोलॉजी शुरू की। 2. मार्टिन एबरहार्डः मस्क की सलाह को एबरहार्ड अक्सर नजरअंदाज करते थे, जिससे तनाव बढ़ा। 2007 में टेस्ला पैसों की तंगी से जूझ रही थी। मस्क ने कंपनी में और पैसा लगाया, लेकिन वो एबरहार्ड की लीडरशिप से नाखुश थे। 2007 में बोर्ड ने एबरहार्ड को सीईओ पद से हटाने का फैसला किया। मस्क ने इसका समर्थन किया। पहले माइकल मार्क्स और फिर जीव ड्रोरी अंतरिम सीईओ बने। 2008 में मस्क ने खुद सीईओ की जिम्मेदारी संभाली। एबरहार्ड को धीरे-धीरे कंपनी से पूरी तरह अलग कर दिया गया। एबरहार्ड ने 2009 में मुकदमा दायर किया। उनका दावा था कि उन्हें गलत तरीके से निकाला गया और मस्क टेस्ला की कहानी को तोड़-मरोड़कर खुद को फाउंडर के रूप में पेश कर रहे हैं। फिर दोनों पक्षों ने समझौता कर लिया। इस समझौते में तय हुआ कि पांच लोग- एबरहार्ड, टारपेनिंग, राइट, मस्क, और स्ट्रॉबेल खुद को टेस्ला

उज्बेकिस्तानी की लड़कियों को कैसे रशियन बना के लखनऊ जैसे शहरो में भुना रहे दलाल,रशियन दिखाने के लिए जबरन सर्जरी

नयी दिल्ली। मैं प्रेग्नेंट थी, तब भी मुझे कस्टमर के पास लुधियाना भेज दिया गया। वहां मुझे काफी ब्लीडिंग होने लगी तो जबरदस्ती अबॉर्शन करा दिया। डॉक्टर भी दलालों से मिले हुए थे।' ये उज्बेकिस्तान से नौकरी के लालच

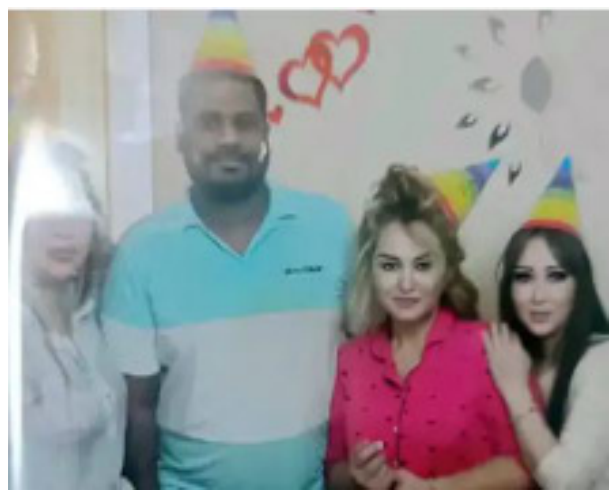

में भारत आई और सेक्स वर्क में धकेल दी गई लकड़ी की आपबीती है। 21 जून को यूपी की राजधानी लखनऊ में एक सेक्स रैकेट पकड़ा गया। इसमें दो विदेशी लड़कियां भी थीं, जो उज्बेकिस्तान की रहने वाली हैं। इन्हें लाने वाली गैंग लीडर लोला कायूमोवा है, जो अब भी फरार है। 49 साल की लोला भी उज्बेकिस्तान की रहने वाली है। उसने प्लास्टिक सर्जरी के जरिए अपना लुक बदला है। अब वो रशियन जैसी दिखती है। पुलिस को उसका पासपोर्ट और आधार कार्ड मिला है। बताया जा रहा है कि लोला के नेटवर्क में 50 से ज्यादा उज्बेक लड़कियां हैं। ऐसे में सवाल ये है कि लोला या उसके जैसी उज्बेक लड़कियां इस सेक्स रैकेट तक कैसे पहुंच रही हैं। ये पेशा उनकी चॉइस है या मजबूरी। वे प्लास्टिक सर्जरी से अपना लुक क्यों बदल रही हैं। उन्हें आधार कार्ड की जरूरत क्यों पड़ रही है। 1. लखनऊ या दिल्ली ही नहीं, देश के कई बड़े शहरों में उज्बेकिस्तान की लड़कियों को सेक्स रैकेट में धकेला जा रहा है। इनमें ज्यादातर लड़कियों को दुबई या दिल्ली में नौकरी दिलाने के बहाने बुलाया जाता है। फिर अलग-अलग दलालों के हाथों 5 से 7 दिन या दो हफ्ते के लिए बार-बार बेचा जाता है और सेक्स वर्क कराया जाता है। 2. सेक्स रैकेट में आने वाली लड़कियों पर उज्बेकिस्तान से ज्यादा रशियन या यूरोपियन लुक में दिखने का दबाव डाला जाता है, ताकि कस्टमर से ज्यादा पैसे मिल सकें। इनकी सर्जरी भी कराई जाती है। रशियन या यूरोपियन दिखने पर 3 से 4 गुना ज्यादा पैसे मिलते हैं। पड़ताल में दिल्ली में रहने वाली कुछ उज्बेक लड़कियों के पास आधार कार्ड भी मिला। 3. दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, मुंबई और गोवा समेत थाईलैंड तक यहीं से एक नेटवर्क इन लड़कियों की सप्लाई करता है। इसमें 15 साल पहले उज्बेकिस्तान से आई महिला लोला कायूमोवा का बड़ा रोल है। वो अब इस नेटवर्क की सबसे पावरफुल तस्कर है। खुफिया एजेंसियां उसकी तलाश कर रही हैं। उसके नेटवर्क में 50 से ज्यादा उज्बेक लड़कियां हैं। पहले

में पूछा। जवाब मिला कि अब मुझे जिस्मफरोशी का काम करना होगा।' 'मैंने मना किया तो बताया कि मेरी दोस्त ने मुझे 1 हजार अमेरिकी डॉलर में बेच दिया है। फिर दिल्ली तक लाने के लिए 6 लाख रुपए और खर्च किए गए हैं। इसलिए अगर मुझे अपने घर लौटना है तो पहले पूरी रकम लौटानी होगी। उन्होंने मेरा पासपोर्ट और दूसरे डॉक्युमेंट्स पहले ही दिन छीन लिए थे।' 'मेरे पास न पैसे थे और न पासपोर्ट। मेरे सिर पर गन रखकर मौत या जिस्मफरोशी चुनने का रास्ता था। मजबूर होकर मैंने ये रास्ता चुना। इसके बाद मुझे जयपुर ले गए। यहां 6-7 दिनों तक अलग-अलग होटल में भेजा। वहां कस्टमर से ब्रोकर सीधे पैसे ले लेते थे। मुझे सिर्फ खाने-पीने के पैसे दिए जाते।' 'फिर मुझे वापस दिल्ली ले आए। वहां मैं जिस महिला को बेची गई, वो मुझे उस दोस्त के पास ले गई, जिसने मेरा सौदा किया था। महिला ने कहा- मैं अच्छे से काम नहीं कर रही, मुझे बेचकर लिए गए 7500 अमेरिकी डॉलर लौटा दे। वो नहीं मानी। उसने मुझे फिर धमकाया कि अगर कस्टमर को खुश नहीं किया तो नदी में फेंककर मार देंगे। फिर दिल्ली के एक फ्लैट में 6 महीने सेक्स स्लेव की तरह रही।' केस नंबर-2- एक साल में दो बार प्रेग्नेंट हुई, जबरन अबॉर्शन कराया और काम में झोंक दिया उज्बेकिस्तान से भारत आकर सेक्स रैकेट में फंसी एक और लड़की ने कोर्ट को ऐसी ही आपबीती बताई थी। 13 सितंबर 2022 को कोर्ट में इस लड़की ने बयान दर्ज कराया था। उसने बताया, 'फरवरी 2019 में एक दोस्त का कॉल आया। कहा कि भारत में हॉस्पिटल की एक जॉब है। हॉस्पिटल की मैनेजर अजीजा उसकी बॉस होगी। सैलरी के तौर पर हर महीने 2 लाख रुपए मिलेंगे। इतनी बड़ी रकम सुनकर भारत आने के लिए तैयार हो गई। मैं उस वक्त मॉस्को में थी। मुझे वीजा भी मिल गया।' '24 मार्च 2019 को यूक्रेन के रास्ते दिल्ली आई। दिल्ली एयरपोर्ट से लेकर मुझे मालवीय नगर लाया गया। यहां एक अस्पताल के पास में ही मुझे रखा गया। फिर लेमिनेशन के बहाने मेरा पासपोर्ट मांगा और कभी नहीं लौटाया।' 'मुझे उसी रात बता दिया गया था कि अब भारत में मुझे सेक्स वर्क करना है। मैंने विरोध और हाथापाई की तो पीटा गया। मेरे पैरों पर स्क्रू ड्राइवर से मारा और धमकाया कि अगर ये काम नहीं

अबॉर्शन कराया। इसके बाद सिर्फ 5 दिन आराम किया और वापस दिल्ली ले आए। हालांकि, तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर दिल्ली में दोबारा अस्पताल में भर्ती कराया।' 'मैंने इलाज करने वाले डॉक्टर से भी मदद मांगी, लेकिन वो भी ब्रोकर से मिले हुए थे। उन्होंने मेरी कोई मदद नहीं की। तबीयत ठीक होते ही मुझे जयपुर भेजकर काम कराने लगे। वहां दूसरे ब्रोकर पैसे वसूलते थे। उनके साथ एक पुलिसकर्मी भी मिला हुआ था। मैंने उससे हेल्प मांगी तो उसने भी मेरी खूब पिटाई की। '2021 में मैं दोबारा प्रेग्नेंट हो गई। इस बार जब मैंने घर लौटने के लिए पासपोर्ट मांगा। तो मुझसे 4.32 लाख रुपए मांगे गए। इतने पैसे न दे पाने पर दवा देकर मेरा फिर अबॉर्शन करा दिया।'केस नंबर- 3 दुबई में जॉब बताकर नेपाल के रास्ते दिल्ली लाए, जिस्मफरोशी में धकेला दिल्ली में सेक्स वर्क में धकेली गई एक उज्बेक लड़की को नेपाल के रास्ते अवैध तरीके से भारत लाया गया था। काम से मना करने पर नदी में मगरमच्छ के सामने फेंकने की धमकी दी गई। लड़की ने कोर्ट में दिए बयान में बताया, 'अक्टूबर 2021 की बात है। मेरी आंटी की बेटी तुर्किये से उज्बेकिस्तान लौटी थी। तब उसने बताया कि दुबई के एक होटल में जॉब का ऑफर है। हर महीने 2500 डॉलर मिलेंगे।' 'उसने मराल नाम की एक महिला के बारे में बताया। कहा कि वो

वीजा और टिकट दिला देगी। दुबई में रहने का इंतजाम भी कर देगी। मेरे पापा की तबीयत खराब थी। इसलिए मुझे जल्द से जल्द नौकरी की जरूरत थी। मैं तैयार हो गई और टिकट भी आ गया। मैं दुबई सोचकर फ्लाइट में बैठी, लेकिन वो नेपाल पहुंच गई।' 'वहां काठमांडू में मेरी मुलाकात राज नाम के युवक से हुई। उसने मेरा पासपोर्ट और बाकी सब डॉक्यूमेंट ले लिए। 6 दिन हम काठमांडू में ही रहे। इसके बाद एक शिप में बैठाकर कहीं ले गए। वहां से टैक्सी के जरिए 24-25 घंटे के सफर के बाद हम दिल्ली पहुंचे। यहां मुझे गुरुग्राम के एक फ्लैट में रखा गया।' 'मेकअप का कुछ सामान और कुछ मॉडर्न ड्रेसेज दी गईं। फिर तैयार कराकर एक होटल में ले गए। वहां जाकर पता चला कि पास वाले कमरों में उज्बेकिस्तान की 4-5 और लड़कियां हैं, लेकिन किसी से मुलाकात नहीं हो पाई।' होटल में मुझे पहली बार बताया गया कि यहां जिस्मफरोशी का काम करना है। मैंने मना कर दिया। तब धमकाया गया कि गंगा

मिला, जिसमें उज्बेक लड़कियों का हिसाब-किताब रखा जाता था। रजिस्टर में 6 लड़कियों की डिटेल मिली। इसमें उनके नाम और अलग-अलग तारीख लिखी है कि कब-कितने कस्टमर के पास गईं। इन लड़कियों को दोपहर के 3 बजे के बाद से अगली सुबह 5-6 बजे तक कस्टमर को सर्विस देने के लिए तैयार रखा जाता। अगर किसी लड़की को कोई मेडिकल प्रॉब्लम होती, तभी उसे लीव मिलती। इस दौरान उसके नाम के आगे प्यानी हॉलिडे लिख देते थे। रजिस्टर से एक दिन में 5-7 कस्टमर को सर्विस देने की डिटेल मिली है।हमारे सोर्स ने बताया कि अब कस्टमर के लिए ये जानना मुश्किल नहीं कि ये लड़की उज्बेकिस्तान से आई है या यूरोप-रशिया से। कस्टमर भी समझने लगे हैं कि उज्बेकिस्तान में गरीबी से जूझ रही मजबूर लड़कियां सेक्स रैकेट में आ रही हैं। इसलिए उन्हें ज्यादा से ज्यादा 5 से 6 हजार रुपए ही दे रहे हैं। जबकि उतनी ही देर के लिए रशियन कॉल गर्ल पर 15 से 20 हजार रुपए खर्च कर देते हैं। दूसरी तरफ उज्बेकिस्तान से आई लड़कियों का काफी शोषण किया जाता है। उन्हें न तो अच्छी अंग्रेजी आती है और न ही हिंदी। ऐसे में वो किसी कस्टमर से भी अपनी शिकायत नहीं कर पाती हैं। हर दलाल इन्हें 10 से 15 दिन के लिए 2-3 लाख या उससे भी ज्यादा पैसे देकर खरीद लेता है। ऐसे में उज्बेकिस्तान से तस्करी के जरिए इन्हें इंडिया लाने वाले मुख्य दलाल को भी फायदा होता है। वहीं, इन्हें हफ्ते,10 या 15 दिन तक किराए पर लेने वाले दलाल ज्यादा से ज्यादा काम कराते हैं। कस्टमर से ये सीधे पैसों की डील करते हैं। मान लीजिए अगर किसी कस्टमर से सर्विस के बदले 5-6 हजार रुपए मिले तो दलाल उनमें से लड़की को महज 1 हजार या 1500 रुपए ही देते हैं। या इससे भी कम। सोर्स के मुताबिक, ये निर्भर करता है कि एक दिन में वो कितने कस्टमर के पास गई। अगर लड़की उज्बेकिस्तान लौटना चाहती है तो उस पर 4-5 लाख रुपए लौटाने का दबाव बनाया जाता है। इसलिए उज्बेक लड़कियां यूरोपियन या रशियन दिखने के लिए सर्जरी करा रही हैं। जिससे उन्हें काम के ज्यादा पैसे मिलें।हमें सोर्स ने बताया कि 15 साल पहले उज्बेकिस्तान से आई एक युवती अब दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, मुंबई समेत कई बड़े शहरों में खास नेटवर्क चला रही है। उसके नेटवर्क में जुड़े दलाल सीधे नामचीन लोगों के कॉन्टैक्ट में हैं। इनमें खिलाड़ी, नेता और फिल्मों से जुड़े लोग भी हैं। इस मुख्य नेटवर्क की तलाश में पुलिस भी खुफिया तरीके से जांच कर रही है। इस महिला सरगना ने अपने साथी दलाल से शादी कर भारत का आधार कार्ड बनवा रखा है। ये अब भी उज्बेकिस्तान से तस्करी कर लड़कियों को भारत ला रही है। सोर्स का दावा है कि लखनऊ में पकड़ी गईं लड़कियां और लोला का नेटवर्क भी इसी से जुड़ा हो सकता है। आखिर क्यों उज्बेक लड़कियां बनवा रहीं आधार कार्ड-

'पंचायत' के सचिव जी दिखेंगे मिर्जापुर फिल्म में,जितेंद्र कुमार विक्रांत मैसी को करेंगे रिप्लेस, रवि किशन भी आएंगे नजर

मुंबई। बहुचर्चित वेब सीरीज 'मिर्जापुर' अब बड़े पर्दे पर दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार है। वेब सीरीज इतिहास में यह पहली

बार है, जब सीरीज को फिल्म में कन्वर्ट किया जा रहा है। इस खबर को सबसे पहले दैनिक भास्कर ने ही ब्रेक किया था। आगे चलकर उस पर आधिकारिक मुहर भी लगी। सीरीज में मुख्य किरदार गुड्डू और बबलू पंडित को अली फजल और विक्रांत मैसी ने प्ले किया था। जब मिर्जापुर को बतौर फिल्म भी लाने की घोषणा हुई तो यही कहा गया कि फिल्म में भी वो दोनों ही मेन लीड होंगे। मगर अब इससे जुड़े सूत्रों से मिली जानकारियों के तहत विक्रांत मैसी फिल्म में नहीं रहने वाले हैं। सूत्रों से मिली ताजा जानकारी के अनुसार, 'इसे फिल्म में कन्वर्ट किया जा रहा है। साथ ही इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। विक्रांत मैसी की जगह अब उसमें 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार, जिन्हें दर्शक प्यार से 'जीतू भैया' के नाम से जानते हैं, मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि विक्रांत मैसी अपने अन्य प्रोजेक्ट्स की व्यस्तता के चलते फिल्म से अलग हुए हैं, जिसके बाद मेकर्स ने जीतू भैया पर दांव लगाने का फैसला किया है। जीतू भइया यानी जितेंद्र कुमार भी ओटीटी स्पेस में काफी लोकप्रिय हैं। इनफैक्ट उन्हें ओटीटी स्पेस का शाहरुख खान भी पुकारा जाता है। ऐसे में बतौर बबलू पंडित मिर्जापुर फिल्म में उनकी कास्टिंग भी ऐप्ट है। मेकर्स की ओर से इस पर अनाउंसमेंट जल्द आने और गहराएगी। इसके अलावा, एक महत्वपूर्ण हिस्सा राजस्थान के रेगिस्तानी इलाके में भी फिल्माया जाएगा, संभवतः जोधपुर या जैसलमेर जैसी जगहों पर। फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश अभी जारी है। खबरों के मुताबिक, सोनम बाजवा और सोनल चौहान के नामों पर विचार किया जा रहा है। सोनल चौहान की लंबे समय बाद वापसी को लेकर कुछ सवाल उठ रहे हैं, लेकिन मेकर्स इन दोनों नामों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। पहले अली फजल की व्यस्तता के कारण फिल्म की शूटिंग में कुछ देरी हो रही थी, लेकिन अब उनकी डेट्स मिल चुकी हैं। फिल्म का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। शूटिंग पहले मुंबई में शुरू होगी, जिसके बाद टीम बनारस और फिर राजस्थान का रुख करेगी। उम्मीद है कि फिल्म की शूटिंग अगस्त या सितंबर से शुरू हो जाएगी। विक्रांत के फिल्म में न होने की वजह उनके आगामी प्रोजेक्ट्स हैं। खासकर आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की बायोपिक। उस प्रोजेक्ट की व्यस्तता और किरदार की इमेज के चलते माना जा रहा कि विक्रांत ने मिर्जापुर फिल्म को ना कहा है। हालांकि विक्रांत की ओर से इस पर आधिकारिक ऐलान होना बाकी है।मिर्जापुर' फिल्म में दर्शक अपने पसंदीदा किरदारों को एक बार फिर बड़े परदे पर देख पाएंगे। कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), रवि किशन, और बीना त्रिपाठी (रसिका दुगल) जैसे प्रमुख कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहराएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी पहले सीजन के मूल तत्वों को बरकरार रखेगी, लेकिन इसमें नए ट्विस्ट, भरपूर एक्शन और कुछ धमाकेदार फाइट सीक्वेंस जोड़े जाएंगे। रवि किशन की भूमिका को भी कहानी

में एक नया आयाम देने के लिए शामिल किया गया है, जिससे दर्शकों को कुछ नया देखने को मिलेगा। गुरमीत सिंह का निर्देशन और पुनीत कृष्णा की कलम वेब सीरीज के सफल निर्देशन के बाद, गुरमीत सिंह ही फिल्म 'मिर्जापुर' का निर्देशन करेंगे, जिससे दर्शक कहानी के मिजाज से वाकिफ रहेंगे। फिल्म की कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है, जो वेब सीरीज के भी लेखक रहे हैं। बीच में ऐसी भी खबरें थीं कि पुनीत कृष्णा का एक्सेल एंटरटेनमेंट से कुछ मतभेद हुआ था और वह नेटफ्लिक्स के साथ किसी अन्य प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे, लेकिन अब वह पूरी तरह से 'मिर्जापुर' फिल्म टीम के साथ जुड़ गए हैं। दर्शकों के मन में यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठ रहा है कि जब वे वेब सीरीज देख चुके हैं, तो फिल्म में क्या नया मिलेगा। सूत्रों का कहना है कि फिल्म में पहले सीजन के किरदारों और घटनाओं को आधार बनाया जाएगा, लेकिन कहानी को एक नए तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें कई रोमांचक एक्शन और फाइट सीक्वेंस होंगे। यह भी बताया गया है कि वेब सीरीज की तरह ही फिल्म में कुछ वयस्क सामग्री भी शामिल होगी, जिसे हटाया नहीं जाएगा।मेकर्स का लक्ष्य है कि 'एनिमल' जैसी फिल्मों के दर्शक इस फिल्म को देखने आएं, जिससे 'मिर्जापुर' की अपनी विशिष्ट ऑडियंस सिनेमाघरों तक पहुंचे। इसका सीधा सा मतलब है कि फिल्म का टारगेट ऑडियंस वही होगा जो वेब सीरीज से जुड़ा है, और उन्हें वही 'मसाला' मिलेगा जिसकी उन्हें उम्मीद है। फिल्म में कुछ नए कलाकार भी शामिल किए जा सकते हैं। कास्टिंग प्रक्रिया अभी भी जारी है, और निर्देशक गुरमीत सिंह भी नए चेहरों की तलाश में हैं ताकि फिल्म में कुछ ताजगी लाई जा सके। सेट लगाने और अन्य प्री-प्रोडक्शन तैयारियों के साथ, 'मिर्जापुर' फिल्म की शूटिंग अगस्त के मध्य से सितंबर तक शुरू होने की संभावना है। यह फिल्म बड़े पर्दे पर 'मिर्जापुर' के रोमांच को एक नए स्तर पर ले जाने के लिए तैयार है।

अनुराग कश्यप का भूषण कुमार पर तंज,बोले- टी-सीरीज को म्यूजिक क्वालिटी नहीं स्टार्स की परवाह, देव डी के म्यूजिक के लिए नहीं दिए पैसे

मुंबई। फिल्ममेकर अनुराग कश्यप अक्सर फिल्म इंडस्ट्री को लेकर अपनी स्पष्ट और बेबाक राय शेयर करते हैं। अब अपने एक हालिया इंटरव्यू में अनुराग ने म्यूजिक लेबल कंपनी टी-सीरीज

की आलोचना की है। उन्होंने टी-सीरीज पर निशाना साधते हुए कहा कि यह लेबल म्यूजिक की क्वालिटी की परवाह नहीं करता और केवल इस बात पर ध्यान देता है कि कौन सा स्टार उससे जुड़ा है।द जगरनॉट के साथ बातचीत के दौरान अनुराग से 'देव डी' और 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी उनकी फिल्मों में संगीत के प्रभाव के बारे में पूछा गया। जवाब में अनुराग कहते हैं- 'हमारा मकसद मार्केट की जरूरतों को पूरा करना नहीं था। अगर टी-सीरीज, भूषण कुमार इसे नहीं खरीद रहे हैं, तो यह अच्छा म्यूजिक है। टी-सीरीज अच्छी कीमत पर अच्छा म्यूजिक नहीं खरीदती। उन्होंने 'देव डी', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' या 'गुलाल' के लिए बहुत कम पैसे दिए। वे सिर्फ इस बात के लिए पैसे देते हैं कि उसमें कौन स्टार है। वे अच्छी क्वालिटी के म्यूजिक के लिए भुगतान नहीं करते हैं। उन्होंने देव डी के म्यूजिक के लिए कुछ भी भुगतान नहीं किया। प्रोड्यूसर, यूटीवी स्टूडियो से पूछिए... उन्हें समझ नहीं आता कि अच्छा म्यूजिक क्या होता है। वे सिर्फ एक खास तरह के म्यूजिक के लिए ही भुगतान करते हैं और सिर्फ उसी पर जोर देते हैं।'इसी बातचीत में अनुराग बताते हैं कि उनकी फ्लॉप फिल्म के लिए उन्होंने सबसे ज्यादा पैसे दिए गए। वो कहते हैं- मेरी किसी भी फिल्म के लिए सबसे अधिक पैसा 'बॉम्बे वेलवेट' के लिए दिया गया है। म्यूजिक के लिहाज से यह बहुत अच्छा था, लेकिन उनके लिए यह सबसे कम कारगर रहा। क्योंकि कोई भी जैज सुनना नहीं चाहता था। उन्होंने इसके लिए सबसे ज्यादा कीमत चुकाई, न कि देव डी या गैंग्स ऑफ वासेपुर के लिए।बता दें कि अनुराग की फिल्म 'देव डी'और 'गुलाल' साल 2009 में रिलीज हुई थीं। वहीं, 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' साल 2012 में। इन तीनों फिल्मों की गिनती कल्ट फिल्मों में होती है। लगभग दो दशक के बाद भी इनका म्यूजिक आज भी युवाओं के बीच पॉपुलर है। वहीं, रणबीर कपूर और अनुष्का शर्मा स्टारर फिल्म 'बॉम्बे वेलवेट' साल 2015 में आई थी। बड़े चेहरों के बाद भी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी।

वेटरन एक्टर-डायरेक्टर धीरज कुमार की हालत गंभीर,वेंटिलेटर पर रखा गया, निमोनिया से सांस लेने में तकलीफ हुई थी, परिवार ने प्राइवेसी की मांग की

मुंबई। फिल्म हीरा पन्ना, रोटी कपड़ा और मकान, बहारों फूल बरसाओ जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आए और मिली, घर की लक्ष्मी बेटियां और मायका जैसे शोज प्रोड्यूस कर चुके धीरज कुमार वेंटिलेटर पर हैं। सोमवार को सांस लेने की तकलीफ होने पर उन्हें कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां हालत नाजुक होने पर उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट में रखा गया है। उन्हें निमोनिया हुआ है। 80 साल के वेटरन एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर धीरज कुमार के परिवार ने एक ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर चाहने वालों से उनके जल्द ठीक होने की दुआ करने की अपील की है। साथ ही परिवार ने इस मुश्किल घड़ी में उनकी निजता का सम्मान करने की विनती भी की है। परिवार ने बताया है कि धीरज कुमार को डॉक्टर्स की कड़ी निगरानी में रखा गया है, वो जल्द ही ठीक होकर घर लौटेंगे।धीरज कुमार ने बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने राजेश खन्ना को फिल्मफेयर टैलेंट हंट

कॉम्पिटिशन में कड़ा मुकाबला दिया था। इस कॉम्पिटिशन में राजेश खन्ना ने पहला स्थान, सुभाष घई ने दूसरा और धीरज कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया था। ये तीनों ही विजेताओं ने हिंदी सिनेमा में कदम रखा और कामयाबी हासिल की। 1970 से 1985 तक धीरज कुमार ने हीरा पन्ना, शिरडी के साईं बाबा, सरगम, मांग भरो सजना, क्रांति, पुराना मंदिर, कर्म युद्ध और बेपनाह जैसी कई फिल्में की थीं। इसके बाद उन्होंने प्रोडक्शन हाउस क्रिएटिव आई की शुरुआत की। इस प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में बतौर प्रोड्यूसर और डायरेक्टर कदम रखा। ओम नमः शिवाय, श्री गणेश, मिली, घर की लक्ष्मी बेटियां, मन में है विश्वास, ये प्यार न होगा कम, तुझ संग प्रीत लगाई सजना, नादानियां और इश्क सुबहान अल्लाह जैसे बेहतरीन टीवी शो धीरज कुमार ने ही प्रोड्यूस किए हैं।

मॉडल सैन रेचल ने की आत्महत्या,ब्लड प्रेशर टैबलेट्स का ओवरडोज लिया, एक साल पहले हुई थी शादी, पिता ने पैसे देने से इनकार किया था

मुंबई। पॉपुलर मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर सैन रेचल

ने आत्महत्या कर ली है। मॉडल ने एक साल पहले ही शादी की थी। रविवार को वो पिता से मिलने करमनीकुप्पम पहुंची थीं, जहां उन्होंने ब्लड प्रेशर की टैबलेट्स का ओवरडोज लेकर आत्महत्या कर ली। 2022 में मिस पुदुचेरी रह चुकीं रेचल रंगभेद के लिए आवाज उठाने के लिए भी जानी जाती थीं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, सैन रेचल ने ब्लड प्रेशर की टैबलेट का ओवरडोज लिया था। उनका परिवार गंभीर हालत में उन्हें नजदीकी सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचा था, हालांकि उन्हें प्राइवेट हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया था। हालत में सुधार न होने पर रेचल को जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च में ट्रांसफर किया गया था, जहां उनका निधन हो गया।एफपीजे पुलिस के मुताबिक सैन रेचल आर्थिक तंगी और निजी जिंदगी के प्रेशर से परेशान थीं। जांच में ये भी सामने आया है कि रेचल ने कुछ समय पहले ही करियर में आगे बढ़ने के लिए अपने कुछ गहने बेचे थे। वो फंड इकट्ठा करना चाहती थीं। रेचल ने फंड बढ़ाने के लिए पिता से भी पैसे मांगे थे, लेकिन उन्होंने बेटे की परवरिश का हवाला देते हुए पैसे देने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद रेचल ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने रेचल के घर से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है, हालांकि उसमें उन्होंने किसी को भी अपनी मौत का जिम्मेदार नहीं ठहराया है।बता दें कि 26 साल की सैन रेचल ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने साल 2019 में मिस डार्क क्वीन तमिलनाडु का खिताब हासिल किया था। इसके बाद वो 2022 में क्वीन ऑफ मद्रास ब्यूटी पेजेंट की विजेता रही थीं। साल 2022 में रेचल ने मिस इंडिया में हिस्सा लिया था। उन्होंने मिस पुदुचेरी टाइटल हासिल किया था। रेचल फिलहाल एक मॉडलिंग कोच थीं। उन्होंने ग्रूमिंग क्लासेस शुरू की थीं। इसके अलावा वो पेट डॉग्स को रेस्क्यू करने वाला एक पेज भी चलाती थीं।

विक्रांत मेस्सी ने छोड़ी रणवीर सिंह की डॉन 3,अब नेगेटिव रोल के लिए विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से बातचीत जारी

मुंबई। फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही फिल्म डॉन 3 की कास्टिंग में लगातार दिक्कतें हो रही हैं। कुछ समय पहले ही

कियारा आडवाणी ने प्रेग्नेंसी के चलते लीड रोल छोड़ दिया था। वहीं अब फिल्म में नेगेटिव रोल के लिए साइन किए जा चुके एक्टर विक्रांत मेस्सी ने भी फिल्म से हटने का फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्रांत को उनका रोल पसंद नहीं आ रहा था। हाल ही में आई बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र ने बताया है विक्रांत मेस्सी को डॉन 3 में उनके किरदार में गहराई की कमी लगी, जिससे उन्होंने इससे हटने का बोल्ड फैसला लिया है। फिल्म में उनका किरदार नेगेटिव था, जो चिकनी-चुपड़ी बातें करने वाला घोटालेबाज है। फिल्म में उनके लीड एक्टर रणवीर सिंह के साथ भी कई एक्शन सीक्वेंस थे। अब फरहान अख्तर को फिर एक बार कास्टिंग के लिए जद्दोजहद करनी पड़ेगी।मेकर्स नए एक्टर की तलाश में जुट चुके हैं। सूत्र के अनुसार, मेकर्स विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से इस रोल पर चर्चा कर रहे हैं, हालांकि दोनों की तरफ से अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। जिस समय फिल्म बननी शुरू हुई थी, उस समय रणवीर सिंह के साथ कियारा आडवाणी लीड रोल में थीं। लेकिन प्रेग्नेंसी अनाउंस करने के ठीक बाद कियारा ने मेटरनिटी ब्रेक लेने के लिए अचानक फिल्म छोड़ दी। मेकर्स ने उनके इस फैसले का सम्मान किया था। कियारा की जगह अब फिल्म में कृति सेनन को साइन किया गया है। फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जनवरी 2026 से शुरू होने वाली है। पहले मेकर्स 2025 से शूटिंग शुरू करना चाहते थे। बताते चलें कि फिल्म की शूटिंग लंदन में होने वाली है।

चोरी के बाद कशिश कपूर के कुक ने किया असॉल्ट,हाथ पकड़कर दीवार में धकेला फिर धमकी देकर भाग निकला, एक्ट्रेस ने वीडियो शेयर कर बयां किया दर्द

मुंबई। बिग बॉस 18 में नजर आईं एक्ट्रेस और इन्फ्लूएंसर कशिश कपूर के घर हाल ही में 7 लाख रुपए की चोरी हुई थी। एक्ट्रेस ने अंबोली पुलिस

स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई थी। चोरी करने वाला कोई और नहीं बल्कि उनका नौकर था। अब एक्ट्रेस ने एक वीडियो जारी कर बताया है कि चोरी के बाद जब उन्होंने कुक को रंगे हाथों पकड़ा तो उसने एक्ट्रेस के साथ अग्रेसिव होते हुए असॉल्ट किया और धमकी देकर भाग निकला। कशिश ने हाल ही में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो जारी कर पूरी घटना की जानकारी दी। एक्ट्रेस ने कहा, 'संडे को मेरे पास ?7 लाख थे। 10 तारीख को मुझे सिंगापुर जाना था। 9 तारीख को मुझे मम्मी के अकाउंट में यह पैसे डिपॉजिट करने थे। करीब 1:30 बजे के 1:10 के आसपास मैंने अपना लॉकर खोला। मैंने जहां पैसे रखे थे वो लिफाफा खाली था। मैंने सोचा मेरे पैसे कहां गए? तुरंत मुझे हिट किया कि मेरा कुक अभी घर से निकला है। मैंने उसको रोका। मैं गई लिफ्ट के पास। मैंने कहा अंदर आओ वापस अंदर आओ। मैं जिद करके उसको अंदर लेकर आई।'आगे एक्ट्रेस ने कहा, 'मैंने उसको बोला मुझे अपना पॉकेट दिखाओ। वो मना करता है कि नहीं कुछ नहीं है। कुछ नहीं है। मैंने कहा पॉकेट दिखाओ मुझे अभी के अभी। तो जिद करने लगा कुछ नहीं कुछ नहीं। उसने पॉकेट में हाथ डाला और फेंकने की कोशिश की कि मुझे कुछ दिखे ना। पर मुझे दिख गया। मेरी वाशिंग मशीन के पास रु50 कैश की गड्डी आई। मैं समझ गई कि अच्छा तूने मेरे घर पर चोरी की है।' 'इतनी देर में मैं अपना फोन उठाती मैं कुछ करती उसने मुझे दीवार में धकेल दिया। उसने मेरे दोनों हाथ पकड़े हुए थे कि नहीं नहीं किसी को मत बताना कुछ नहीं करना और मैं अपने ही घर में थी। मैं दीवार से सटी हुई थी और वो मुझे पकड़ा हुआ था कि किसी को कॉल मत करना। उस समय मैं समझ गई कि मुझे लाइफ के लिए लड़ना है। सर्वाइवल के लिए लड़ना है। मैंने कहा ठीक है मेरे घर से निकलो, मैं किसी को नहीं बता रही हूं। दोबारा मेरे घर पर शक्ल मत दिखाना। वो वहां से निकला। जैसे ही वो निकला मैंने सोचा कि मुझे उसे रोकना है। मैंने गार्ड को कॉल किया कि मेरे घर में चोरी हुई है, किसी को बिल्डिंग से बाहर मत निकलने देना। वीडियो के जरिए कशिश ने बताया है कि गार्ड के एक्शन लेने से पहले नौकर भाग चुका था, तब तक पुलिस आ चुकी थी। कशिश ने नौकर को कॉल कर धमकाया तो वो सोसाइटी में आया, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। कशिश ने पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई, लेकिन उन्हें कहा गया कि सिर्फ 50 हजार की रिकवरी हुई है और बाकी पैसे मिलने की उम्मीद नहीं है। कशिश ने बताया है कि उन्होंने ब्रांड शूट कर मां को भेजने के लिए मेहनत से पैसे जमा किए थे। वो अपने घर की जिम्मेदारी उठाती हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि एक समय में वो बेहद गरीब रह चुकी हैं और उन्होंने कभी एक साथ 7 लाख रुपए नहीं देखे थे। उन्होंने पैसे जमा भी किए थे, जो अब चोरी हो चुके हैं।

अनुपम खेर ने की दिलजीत दोसांझ की आलोचना कहा- बहन का सिंदूर लूटने वाला पड़ोसी अच्छा गाता है तो उसे घर बुलाकर तबला बजवाने की मेरी हिम्मत नहीं

मुंबई। इन दिनों तन्वी द ग्रेट से चर्चा में बने हुए अनुपम खेर ने हाल ही में दिलजीत दोसांझ की

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ काम करने पर जमकर आलोचना की है। अनुपम ने कहा है कि अगर वो दिलजीत की जगह होते तो कभी ऐसा नहीं करते। हाल ही में एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में अनुपम खेर ने दिलजीत के विवाद पर बात करते हुए कहा, 'ये उनका अधिकार है। उनका मौलिक अधिकार है। उनको इस अधिकार को प्रैक्टिस करने की पूरी इजाजत है और पूरी दी जानी चाहिए। मैं अपने पॉइंट ऑफ व्यू से कह सकता हूं कि मैं शायद ऐसा ना करूं। एक मेरी मां को थप्पड़ मार के जाता है या मेरी बहन से छेड़खानी करता है या मेरे पिताजी को सड़क पर थप्पड़ मारता है और पड़ोसी जो है वो बहुत अच्छा गाता है।' 'मैं कहता हूं कि ठीक है बेटा तूने मेरे पिताजी को थप्पड़ मारा मगर तू गाता बहुत अच्छा है। तू तबला बड़ा अच्छा बजाता है। आकर मेरे घर पे बजा तू तबला। मैं नहीं कर पाऊंगा। आप नहीं कर पाएंगे।। मेरे में इतनी महानता नहीं है।' आगे अनुपम खेर ने कहा, 'मैं उसको बेशक मारूंगा नहीं। मगर मैं उसको यह हक नहीं दूंगा। मैं ऐसा इंसान हूं कि जो रूल मैं अपने घर पर इस्तेमाल करता हूं वही मैं अपने देश में इस्तेमाल करता हूं। मेरे में इतनी महानता है ही नहीं कि मैं आर्ट के लिए अपने घर वालों को पिटते देख सकूं। अपनी किसी बहन का सिंदूर लुटते देख सकूं। पर क्योंकि आप आर्टिस्ट बड़े अच्छे हैं और आप मेरे पड़ोसी हैं और मेरे घर पर आकर आप जरूर तबला बजाइए। जरूर हारमोनियम बजाइए। मैं नहीं कर सकता। और जो ऐसा कर सकते हैं उनको आजादी है।' बताते चलें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही सभी पाकिस्तानी कलाकारों पर भारत में पूरी तरह बैन लगा दिया गया है। इसके बावजूद दिलजीत दोसांझ ने पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ फिल्म सरदार जी 3 में काम किया है।विवाद से बचने के लिए इस फिल्म को भारत की जगह ओवरसीज रिलीज किया गया है। मेकर्स ने तर्क दिया है कि फिल्म को पहलगाम हमले से पहले बनाया गया था, जिसमें करोड़ों खर्च हुए हैं। लेकिन वो भारतीयों को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते, इसलिए इसे भारत में रिलीज नहीं कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ भारत में दिलजीत पर देशद्रोह के आरोप लगाते हुए उन्हें बैन करने की मांग हो रही है।

पंजाब में रणवीर सिंह की फिल्म की शूटिंग का विरोध,घर पर पाकिस्तान का झंडा लगाया; सीन में एके-47 लेकर कूदते दिखे बॉलीवुड एक्टर

लुधियाना। पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के बाद अब एक्टर रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' का सोशल मीडिया पर विरोध होना शुरू हो गया है। इस फिल्म के कुछ सीन लुधियाना के खेड़ा गांव में शूट किए गए हैं, जिसमें घर की छत पर पाकिस्तानी झंडा लगे दिखे। सोशल मीडिया पर वीडियो देखकर लोगों ने पाकिस्तानी झंडे को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए। शूटिंग का 27 सेकेंड का वीडियो सामने आया है। इसमें रणवीर सिंह एक मकान की छत पर काले रंग का कोट पहने हुए खड़े हैं। उनके साथ कुछ और लोग भी हैं। मकान पर पाकिस्तान का झंडा भी लगा हुआ है। इसके बाद वह गली में जाते हुए फैंस को देखकर हाथ हिलाते हैं। दोबारा रणवीर सिंह उसी छत पर दिखते हैं। यहां वह हाथ में एके-47 गन लेकर छत से नीचे कूदते हैं। वीडियो के आखिर में रेलवे ट्रैक के पास एक ऑयल कंटेनर में ब्लास्ट होता दिखता है। फेसबुक पर वीडियो देखकर कमेंट में केसीपी प्रिंस नाम के यूजर ने लिखा, 'बॉलीवुड, दिलजीत से इसलिए नफरत करता है क्योंकि वह दो देशों के बीच शांति चाहते हैं, जबकि बॉलीवुड दो देशों के बीच नफरत चाहता है।' हरमन सिंह सोढ़ी

नाम के यूजर लिखते हैं, 'पाकिस्तानी झंडा लगा रखा है। कोई देशद्रोही नहीं बोलेगा।'फिल्म को आदित्य धर डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म के निर्माताओं ने अभी तक इसकी कहानी का खुलासा नहीं किया है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की बायोपिक हो सकती है, जिन्होंने जासूस के रूप में कई साल पाकिस्तान में भी बिताए थे। यह भी सामने नहीं आ पाया है कि फिल्म में पाकिस्तान का झंडा किन कारणों से लगाया गया है। फिल्म की कास्ट में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, अक्षय खन्ना और संजय दत्त मुख्य कलाकार हैं। 6 जुलाई को फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज हुआ था। पूरी फिल्म 5 दिसंबर 2025 को रिलीज हो गई। थाना डेहलों के एसएचओ सुखजिंदर सिंह ने कहा कि फिल्म धुरंधर की शूटिंग खेड़ा गांव में हुई है। रणवीर सिंह की इस फिल्म का सिर्फ 5 से 6 मिनट का सीन यहां पर शूट किया गया। शूटिंग की इजाजत विधिवत रूप से ली गई थी और पूरी प्रक्रिया कानून के दायरे में हुई है।खेड़ा गांव के सरपंच जसविंदर सिंह ने कहा कि जब फिल्म की शूटिंग करने टीम आई थी, उस समय मैं खुद गांव से बाहर गया हुआ था। टीम गांव में 3 से 4 दिन रुकी। एक्टर रणवीर सिंह भी गांव में आए थे। गांव के साथ-साथ कुछ बंदरगाहों पर भी शूटिंग के शॉट्स उन्होंने किए हैं। गांव में किसी ने पाकिस्तान का झंडा आदि लगा होने का विरोध नहीं किया। जितने दिन टीम यहां रही, पूरी शूटिंग सकुशल हुई। हिंदू नेता अमित अरोड़ा का कहना है कि रणवीर सिंह व अर्जुन रामपाल को शर्म आनी चाहिए। पंजाब के खेड़ा गांव में जो आपने पाकिस्तानी झंडे लगाए, इसे हम हिंदुस्तानी कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। आपको शर्म आनी चाहिए। वह दिन देखो जब हमारे टूरिस्ट व सैनिक शहीद हुए थे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।